हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, सोमवार | 14 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 101 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

नड्डा ने आंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली: बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पार्टी की दिल्ली इकाई की अनुसूचित जाति शाखा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संविधान निमार्ता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।यह कार्यक्रम यहां डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में हुआ और इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा और केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।दिल्ली भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद योगेंद्र चंदोलिया और नरेश बंसल के साथ दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद थे। एक बयान में कहा गया कि आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किए गए। राष्ट्र के प्रति उनके योगदान के सम्मान में सभी गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।बयान में कहा गया कि आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किए गए।

फॉलोअप मास्टर बन गए नीतीश!

पहले रोजगार और अब माई-बहन मान योजना, जानें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को बिहार दौरे पर बिहारवासियों को बड़ी सौगात देंगे। एक दिन के पटना दौरे पर आए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी के हाथों 5 लाख 20 हजार नए सुकृत मकानों का लाभ गरीब परिवारों को दिया

एजेंसी

पटना:: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीति में बदलाव दिख रहा है। कभी उनकी योजनाओं को दूसरे राज्य अपनाते थे, पर अब वे विपक्ष की घोषणाओं का अनुसरण कर रहे हैं। भाजपा मंत्री कृष्णनंदन पासवान के अनुसार, तेजस्वी यादव की एक योजना को नीतीश सरकार अपनाने वाली है।पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीति का ये इतिहास ही बन जाएगा कि कल तक उनकी योजनाओं का फॉलो देश और दूसरे राज्य किया करता था, आज वे स्वयं विपक्ष की घोषणाओं के पीछे-पीछे चल रहे हैं। ये बात खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाषण और सदन में कहते रहे हैं कि 'जीविका दीदी' को देश के साथ कई अन्य राज्यों ने भी लागू किया। लेकिन भाजपा के मंत्री कृष्णनंदन पासवान की बात मानें तो नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के माई-बहन मान योजना की तरह शीघ्र ही कैबिनेट में एक योजना पास होना है,

तो ये मान लीजिए कि इस तरह की योजना का विरोध करने वाले नीतीश कुमार अब विपक्ष के महत्वपूर्ण घोषणाओं को फॉलो करने लगे हैं।

बिहार के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने नीतीश की भावी योजना की 'मिठास' को एक आम सभा में बिखेर कर एनडीए के बीच खटास बढ़ा दी। दर्द ये है कि जिस योजना के जरिए राजद के सपनों पर गाज की तरह एनडीए के रणनीतिकार गिरने वाले थे, उस योजना का खुलासा कर अपने ही गठबंधन को कठघरे में डाल दिया। दरअसल, नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव के माई-बहन मान योजना के विरुद्ध कोई प्लान बना रहे थे। इसके तहत वे महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा करने वाले थे। इसके तहत महिलाओं को 2500 रुपए से ज्यादा देने की योजना बना कर कैबिनेट से स्वीकृति लेना चाहते थे। लेकिन गन्ना उद्योग मंत्री ने आम सभा में नीतीश कुमार के सीक्रेट तैयारी को उजागर कर दिया। अपनी ही सरकार की पोल खोलते खुला ऐलान कर दिया कि तेजस्वी यादव के माई-बहन योजना की घोषणा के जवाब में बिहार सरकार अगले महीने ही कैबिनेट में महिलाओं को 2500 रुपए देने, वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन की राशि 1500 रुपए करने के साथ-साथ कई तरह की योजनाएं लाने जा रही है।फॉलोअप की ये कोई पहली योजना नहींइसके पहले भी तेजस्वी यादव, नौकरी और रोजगार को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर हमलावर होते रहते थे। प्रतिक्रिया स्वरूप नीतीश कुमार ने महागठबंधन का करारा जवाब देते हुए गांधी मैदान में दो लाख से ज्यादा शिक्षकों को पत्र सौंप कर पहला हमला किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी

नई दिल्ली: औपनिवेशिक शासन को दमनकारी शक्तियां प्रदान करने वाले रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे सैकड़ों लोगों को 1919 में आज ही के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में बिना किसी उकसावे के ब्रिटिश सेना ने गोलियों से भून दिया था।प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यहम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी।ह्वह्व उन्होंने कहा, ह्यह्ययह वास्तव में हमारे देश के इतिहास का एक काला अध्याय था। उनका बलिदान भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया।प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यहम जलियांवाला बाग के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। आने वाली पीढ़ियां उनके अदम्य साहस को हमेशा याद रखेंगी।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 1919 में जलियांवाला बाग में जान गंवाने वालों को रविवार को श्रद्धांजलि दी और कहा कि कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा। औपनिवेशिक शासन को दमनकारी शक्तियां प्रदान करने वाले रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध कर रहे सैकड़ों लोगों को 1919 में आज ही के दिन अमृतसर के जलियांवाला बाग में बिना किसी उकसावे के ब्रिटिश सेना ने गोलियों से भून दिया था।राष्ट्रपति ने ह्यएक्सह्व पर पोस्ट में कहा, ह्यह्यजलियांवाला बाग में भारत माता के लिए मरमिटने वाले सभी स्वाधीनता सेनानियों को मैं सादर श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। उनके बलिदान से हमारे स्वाधीनता संग्राम की धारा और प्रबल हो गई थी। कृतज्ञ भारत सदैव उनका ऋणी रहेगा।ह्वह्व उन्होंने कहा, ह्यह्यमुझे विश्वास है कि उन अमर बलिदानियों से प्रेरणा लेकर सभी देशवासी भारत की प्रगति में पूरे तन-मन-धन से अपना योगदान देते रहेंगे।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर मुख्यमंत्री से चर्चा कर रहे हैं, केंद्र स्थिति पर नजर रख रहा है : राज्यपाल

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने रविवार को कहा कि वह हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले के संबंध में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ नियमित रूप से चर्चा कर रहे हैं, जबकि केंद्र स्थिति पर नजर रख रहा है।एक वीडियो संदेश में बोस ने कहा कि पर्याप्त संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है और उसके साथ-साथ राज्य पुलिस भी सहयोग के लिए सक्रिय है। मुर्शिदाबाद जिले के सुती और शमशेरगंज ब्लॉक में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, कई अन्य घायल हो गए और कई दुकानों में आग लगा दी गई।शुक्रवार को हिंसा शुरू होने के बाद से बड़ी संख्या में लोग इन इलाकों से पलायन कर गए हैं। राज्यपाल ने कहा, मैं उपद्रवियों को बता दूं कि हिंसा और अपराधियों के खिलाफ हमारा रुख सख्त रहेगा और किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।राज्यपाल ने कहा कि राजभवन मुर्शिदाबाद और अन्य हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रख रहा है ।

सियासी भूचाल: शिवसेना के मुखपत्र ने बाबा बागेश्वर को बताया विभाजनकारी, पीएम मोदी और रामनवमी शोभायात्रा पर भी उठाए सवाल

एजेंसी

पटना: शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के मुखपत्र 'सामना' ने बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर निशाना साधा है। पार्टी के सांसद और सामना के कार्यकारी संपादक संजय राउत ने अपने ताजा संपादकीय में शास्त्री के 'हिंदू गांव' वाले बयान को 'शर्मनाक और विभाजनकारी' बताया है।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बारे में सामना में क्या लिखा?

सामना के संपादकीय में कहा गया, "हिंदुओं के लिए अलग गांव बसाने की मांग न सिर्फ संविधान की भावना के खिलाफ है, बल्कि यह देश में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा देने वाला है।" संपादकीय में यह भी आरोप लगाया गया कि भाजपा धार्मिक मुद्दों को हवा देकर मणिपुर जैसे

ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है।

रामनवमी शोभायात्रा पर भी सामना में उठाया गया सवालइसके साथ ही, संपादकीय में 6 अप्रैल को मुंबई में निकाली गई रामनवमी शोभायात्रा को भी निशाना बनाया गया। राउत ने लिखा, "यह जुलूस धार्मिक उत्सव कम और सांप्रदायिक उन्माद ज्यादा लग रहा था। मुस्लिम बहुल इलाकों में जानबूझकर उत्तेजक नारेबाजी की गई।"

पीएम मोदी पर भी उठाए सवाल

सामना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और धीरेंद्र शास्त्री के रिश्तों पर भी सवाल उठाए गए। लिखा गया, "जब प्रधानमंत्री शास्त्री को 'छोटा भाई' कहते हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि उनके विचारों को सरकार की मौन स्वीकृति मिली हुई है?"

इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) ने केंद्र सरकार के वक्फ विधेयक को भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण बढ़ाने का हथकंडा बताया है। पार्टी का आरोप है कि भाजपा हिंदुत्व एजेंडे के तहत देश को धार्मिक आधार पर बांटने का प्रयास कर रही है।

प्रशांत किशोर की जन सुराज में शामिल हुए पूर्व मंत्री वृषिण पटेल, कभी नीतीश के करीबी थे

एजेंसी

पटना: बिहार चुनाव से पहले नेताओं के पाला बदलने का दौर जारी है। कभी नीतीश कुमार के करीबी रहे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल अब प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए हैं। जिसकी जानकारी उन्होने खुद दी। उन्होने बताया कि वो पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए हैं। अपने पैतृक जिले वैशाली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जानकारी दी।बिहार के मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार के पूर्व करीबी सहयोगी वृषिण पटेल ने वैशाली विधानसभा क्षेत्र का कई बार प्रतिनिधित्व किया है। इसके अलावा वह एक बार सीवान से लोकसभा सदस्य भी चुने गए थे। स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार से संबंध रखने वाले पटेल को कभी नीतीश कुमार के बाद राज्य में दूसरा सबसे बड़ा कुर्मी नेता माना जाता था।साल 2005 में नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के बाद राज्य मंत्रिमंडल में शामिल हो गए थे। हालांकि, 2015 में नीतीश से रिश्ते खराब होने के बाद वह पार्टी छोड़ जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा में शामिल हो गए थे।लेकिन 2020 में जब राज्य में विधानसभा चुनाव हुए तो जीतन राम मांझी और नीतीश कुमार के बीच गठबंधन हो गया।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के दिग्गजों का दनादन दौरा, राहुल गांधी के बाद खरगे 2 दिन बिहार में

एजेंसी

पटना:बिहार में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसे देखते हुए राजनीति के बड़े-बड़े दिग्गज बिहार पर फोकस कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी इसमें आगे है लेकिन कांग्रेस पार्टी भी पीछे नहीं रहना चाहती। यह वजह है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दो दिनों के लिए बिहार आ रहे हैं। राजधानी पटना और बक्सर में खरगे चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी 7 अप्रैल को

बिहार आए थे। उन्होंने बेगूसराय में कन्हैया कुमार और अन्य पार्टी नेताओं के साथ पलायन रोको नौकरी दो पदयात्रा में भाग लिया। उसके बाद पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन में शामिल हुए।प्राप्त जानकारी के अनुसार मल्लिकार्जुन खरगे 19 अप्रैल को बिहार आ रहे हैं। 19 अप्रैल को बक्सर में रैली का आयोजन किया गया है। खरगे रैली में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को 2025 के विधानसभा चुनाव में जीत का मंत्र देंगे। उसके बाद 20 अप्रैल को कांग्रेस अध्यक्ष पटना में रहेंगे। यहां भी वे सभा को संबोधित करेंगे। दोनों स्थानों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पार्टी नेताओं के साथ बैठक भी करेंगे।इससे पहले शुक्रवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट पटना आए थे।

आंध्र प्रदेश में बड़ा हादसा: पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 8 मजदूरों की मौत, 7 घायल

एजेंसी

आंध्र प्रदेश : आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार (13 अप्रैल) दोपहर विस्फोट हुआ। जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 7 अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।यह दुर्घटना दोपहर लगभग 12:45 बजे हुई। शुरूआती जांच के मुताबिक फैक्ट्री में अचानक आग लगने के बाद विस्फोट हुआ, जिससे मजदूर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य में जुट गईं।

सीएम ने जांच के आदेश दिए

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, राज्य के गृह मंत्री वी. अनीता ने बताया कि मृतकों की पहचान की जा रही है और घायलों का इलाज चल रहा है। इस घटना पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने पीड़ित परिवारों को 5 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा भी की है।अभी तक आग लगने का सटीक कारण सामने नहीं आया है,

भूमि घोटाले के मामले में न तो नोटिस मिल्नेकां सांसद रूहुल्ला मेहदी, न कभी पूछताछ की गई :

एजेंसी

नई दिल्ली: नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के सांसद आगा रूहुल्ला मेहदी ने रविवार को दो दशक पुराने भूमि घोटाले के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा उनके खिलाफ दाखिल आरोपपत्र पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें न तो कोई नोटिस मिला और न ही कथित अनियमितताओं के बारे में उनसे कभी पूछताछ की गई।

शिया समुदाय के प्रमुख नेता मेहदी शनिवार को एसीबी द्वारा मामले में दाखिल आरोपपत्र में नामजद 22 लोगों में शामिल हैं। श्रीनगर से लोकसभा सदस्य ने कहा, ह्ययह मेरे लिए उतनी ही आश्चर्य की बात है जितनी कि लोगों के लिए। आरोपपत्र दाखिल किये जाने के दिन, मुझे इस भूमि घोटाले के बारे

में पता चला।

रूहुल्ला ने कहा कि पिछले 20 वर्ष में एसीबी की ओर से नोटिस या पूछताछ के रूप में कोई संवाद नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ह्यअगर अपराध 20 वर्ष पहले हुआ था तो प्रशासन, एसीबी और पुलिस कहां थी? पूछताछ होनी चाहिए थी। मुझे कोई कानूनी नोटिस नहीं मिला।

एसीबी के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया था कि कश्मीर में रुख्स और फार्म विभाग के आधिकारिक पदों के दुरुपयोग के आरोपों की एसीबी द्वारा की गई संयुक्त औचक जांच के आधार पर मामला दर्ज किया गया था।

एसीबी के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया था कि कश्मीर में रुख्स और फार्म विभाग के आधिकारिक पदों के दुरुपयोग के आरोपों की एसीबी द्वारा की गई संयुक्त औचक जांच के आधार पर मामला दर्ज किया गया था।

अमर शहीद वंशी साह शहादत समारोह में शामिल हुए भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल

कानू हलवाई अधिकार महारैली में भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा, भाजपा सभी समाज के लोगों को साथ लेकर चलती है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- अमर शहीद वंशी साह की शहादत हमें जीवनभर सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरणा देती रहेगी : डॉ. दिलीप जायसवाल
- शौर्य, स्वाभिमान और सामाजिक अधिकारों के लिए समर्पित रहा अमर शहीद वंशी साह का जीवन : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 13 अप्रैल। पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में आज अमर शहीद वंशी साह शहादत समारोह सह कानू हलवाई अधिकार महारैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने किया। इस कार्यक्रम में कानू हलवाई समाज के हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे और एक स्वर में भाजपा के साथ रहने का भरोसा दिया ।बिहार के मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता द्वारा आयोजित अमर शहीद वंशी साह शहादत समारोह सह कानू हलवाई अधिकार रैली में आए लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा सभी समाज के लोगों को साथ लेकर चलती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी सबका साथ, सबका विकास की बात करते हुए देश और बिहार को विकसित बनाने में जुटे हैं।

उन्होंने कहा कि आज भी बिहार के लोग 2005 के पहले वाले दिन को नहीं भूले हैं जब राजद के शासनकाल में सबसे अधिक निशाना वैश्य समाज को बनाया जाता था। उस दौर में वैश्य समाज के कई लोग बिहार से पलायन कर चुके थे, लेकिन अब समय बदल गया है। आज बिहार में समाज के लोगों की छोड़िए, बड़े-बड़े उद्योगपति भी अपना व्यापार लाने की इच्छा जता रहे हैं ।भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि वंशी साह आज भले हमारे बीच नहीं हो, लेकिन उनके द्वारा किए गए कार्य और उनकी शहादत हमें जीवनभर सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरणा देती रहेगी। उनका जीवन शौर्य, स्वाभिमान और सामाजिक अधिकारों के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अपना

जीवन बलिदान अपने स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज के हित के लिए किया था। आज युवाओं को भी इनके जीवन से सीख लेने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं की पार्टी रही है। भाजपा का वैश्य के प्रति प्रेम और विश्वास का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है कि हमारे जैसे छोटे कार्यकर्ता को प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व सौंप दिया । उन्होंने लोगों से भाजपा के साथ काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि एनडीए सरकार बिहार को विकसित बनाने के लिए जरूरी है। उन्होंने उपस्थित लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि इस समाज के लोगों को भाजपा अधिकार और सम्मान देती रही है और आगे भी देती रहेगी।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार सरकार के मंत्री केदार गुप्ता ने की।इस अवसर पर शहीद वंशी शाह के सुपुत्र भोला शाह भी उपस्थित रहे।

बिहार के लोग 2005 के पहले वाले दिन को नहीं भूले हैं जब राजद के शासनकाल में सबसे अधिक निशाना वैश्य समाज को बनाया जाता था। उस दौर में वैश्य समाज के कई लोग बिहार से पलायन कर चुके थे, लेकिन अब समय बदल गया है। आज बिहार में समाज के लोगों की छोड़िए, बड़े-बड़े उद्योगपति भी अपना व्यापार लाने की इच्छा जता रहे हैं।

इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, मंत्री राजभूषण निषाद, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नन्दकिशोर यादव, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, मंत्री रेणु देवी, मंत्री प्रेम कुमार, मंत्री संजय सरावगी, सांसद धर्मशीला गुप्ता, विधायक प्रमोद कुमार उपस्थित रहे।

बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस लीगल सेल के द्वारा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम म न्याय पथ कार्यक्रम के तहत बैठक आयोजित की गयी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बैठक में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने हर घर कांग्रेस का झंडा, सोशल मीडिया , संविधान की चर्चा, लीगल विज्ञापन जैसे कार्यक्रम पर विशेष रूप से ध्यान देने के लिए लीगल टीम के सदस्यों को निर्देश दिया। आगे उन्होंने संगठन विस्तार करने की बात की।

भारतीय युवा कांग्रेस लीगल सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपेश भदोडिया ने कहा कि आगामी दो माह में बिहार के सभी जिला में लीगल सेल संगठन का विस्तार करने तथा चुनाव से सम्बन्धित कांग्रेस पार्टी के कार्यकत्ताओं को हो रहे परेशानी को दूर करने के लिए लीगल सेल वार रूम की व्यवस्था की जायेगी।

विधान मंडल कांग्रेस दल के नेता डा0 शकील अहमद खान ने कहा कि समाज में फैले कुरिति को दूर करने के

लिए वकीलों की अहम भूमिका हमेशा रही है। कांग्रेस पार्टी लीगल सेल संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता है ।बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस लीगल सेल के अध्यक्ष विकास कुमार झा ने कहा कि लीगल सेल विधान सभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों एवं आम लोगों को होने वाले परेशानी को लेकर लीगल से वार रूम के माध्यम से एक-एक समस्या का समाधान करने का कार्य करेगी एवं बिहार के तमाम जिला में जल्द से जल्द कमिटी बनाने की बात कहीं।

बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं अधिवक्ता मुदस्सीर शम्स ने कहा कि लीगल सेल गांव-गांव तक पहुंचकर गरीब लोगों को मदद करेगी।

बैठक की अध्यक्षता प्रदेश युवा कांग्रेस लीगल सेल के अध्यक्ष विकास कुमार झा ने की।

इस अवसर पर लीगल सेल के संजय पाण्डेय, हरिमोहन मिश्रा, विनयकांत त्रिपाठी, जियाउल होदा, नीतीश पटेल, शाहरूख सिद्धिकी, गौहर अली, प्रियांशु कुमार,सुन्दरम पाठक,उज्जवल कुमार,मृगेन्द्र सिंह,राकेश कुमार मिश्रा,अजहर हुसैन, अंशु कुमार, राजदेव,नन्दसागर पासवान,अनिता कुमारी,मुराद अशरफ, अभय कुमार,धीरज कुमार सहगल,रवि परमार, शिखा राय, बालगोविन्द शर्मा के अलावे सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित थे। पटना,

ट्रेंडसेटर अवॉर्ड झ्र बिहार 2025-26 से सम्मानित हुए रेयाज आलमे भव्य समारोह द ऑरम में हुआ आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पटना, 12 अप्रैल 2025 पटना के प्रतिष्ठित द ऑरम में मिस एंड मिसेज ग्लोबल बिहार 2025-26 झ्र सीजन 11 का भव्य आयोजन हुआ, जहां न केवल फैशन और सौंदर्य का जश्न मनाया गया, बल्कि समाज में परिवर्तन और योगदान की भावना को भी सराहा गया। इस समारोह में ट्रेंडसेटर अवॉर्ड्स चार प्रमुख श्रेणियों में प्रदान किए गए :
  1. ट्रेंडसेटर कपल
  2. ट्रेंडसेटर बिहार
  3. ट्रेंडसेटर वूमन
  4. ट्रेंडसेटर यूथ आइकॉन
- इन्हीं में से एक प्रमुख सम्मान रेयाज आलम को ह्लट्रेंडसेटर झ्र बिहार 2025-26 के रूप में प्रदान किया गया। इस सम्मान के साथ जुड़ी टैगलाइन थी झ्र दिल से बिहार, दिल में बिहारझ्र जो उनके जमीनी जुड़ाव और योगदान की भावनाओं को दशार्ती है।
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन (IIMC) के गौरवशाली पूर्व छात्र, रेयाज आलम ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सामाजिक चेतना को भी अपने कार्यों में समाहित किया है। वे वर्षों से समुदाय की सेवा में सक्रिय हैं और शिक्षा, रोजगार, और आर्थिक विकास (3Es) जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं, विशेष रूप से वंचित तबकों के लिए। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP) के साथ उनका गहरा जुड़ाव और AICT Globl के साथ उनका निरंतर सहयोग युवाओं को प्रेरित करता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है।
- इस आयोजन का नेतृत्व प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर, रनवे शो डायरेक्टर, पेजेंट ग्रूमर और मोटिवेशनल स्पीकर नितीश चंद्रा ने किया।
- इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्छउउ, द एशियन टाइम्स, कुकबुक, हिडन कैफे और राउंड द क्लॉक जैसे प्रमुख ब्रांड्स का सहयोग रहा, जिन्होंने इस प्रतिभा, गरिमा और समाज सेवा के संगम को एक भव्य रूप दिया।
- यह शाम केवल ग्लैमर की नहीं, बल्कि समाज में नई सोच, नेतृत्व और नवाचार को प्रोत्साहित करने वालों के सम्मान की थी। रेयाज आलम को मिला यह सम्मान, बिहार की प्रगति और प्रतिष्ठा के प्रति उनके दृढ़ संकल्प का प्रतीक है।

मीडिया से जुड़ी जानकारी, साक्षात्कार अथवा किसी अन्य जानकारी के लिए संपर्क करें :
रेयाज आलम

मशरक में 9 दिवसीय सीताराम नाम महायज्ञ के प्रवचन में उमड़ी भीड़

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर सूर्य मंदिर के प्रांगण में आयोजित 9 दिवसीय सीताराम नाम जप महायज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या मे महिला पुरूष श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं ।यज्ञ संचालक श्री श्री 1008 श्री श्याम शंकर जी महाराज ने कहा कि प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक यूपी के अयोध्या व मथुरा, बनारस, प्रयागराज से आए श्री राम कथा वाचक के द्वारा श्री राम कथा सुनाया जा रहा है पश्चात सुप्रसिद्ध रामलीला मंडली के द्वारा राम लीला का मंचन किया जा रहा है। प्रवचन कथा पंडाल में सुप्रसिद्ध कथा वाचक गीता गायत्री त्रिवेदी के मुख से श्री राम कथा व भजन सुनकर सभी भक्त भगवान श्री राम के ध्यान में मग्न हो कर झूम उठ रहे हैं। पूरा वातावरण श्री राम मय प्रतित हो रहा है। प्रवचन कर्ता ने श्री राम के नाम की महिमा का वर्णन किया गया। इस अवसर पर रामचरित मानस के दोहे कलयुग केवल नाम अधारा,सुमिर सुमिर नर उतरा ही पारा, के अर्थ को बताते हुए कहा कि गोस्वामीजी ने कहा है कि कलयुग में केवल श्रीराम के नाम से ही मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। इसलिए इस कलयुग में श्री राम का नाम की महिमा अपार है इसके जाप से ही मनुष्य अपनी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

रवींद्र कान्हेरे बने विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष

विद्या भारती के तीन दिवसीय साधारण सभा बैठक संपन्न

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

राजगीर (नालंदा)विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तीन दिवसीय साधारण सभा बैठक राजगीर स्थित पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर में रविवार को संपन्न हो गया. जो 11 अप्रैल से चल रहे साधारण सभा बैठक के अंतिम दिन विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष का चुनाव विद्या भारती के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ ललित बिहारी गोस्वामी के अध्यक्षता में संपन्न हुई.वही संचालन विवेक शेंडे ने किया. प्रोफेसर रवीन्द्र कान्हेरे विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए. अगले तीन वर्षों तक वे इस पद पर काम करेंगे. इस मौके पर चुनाव पदाधिकारी प्रोफेसर रंजीत कुमार वर्मा एवं ललित बिहारी गोस्वामी ने संयुक्त रूप से पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया. रवीन्द्र कान्हेरे मूल रूप से मध्य प्रदेश

के रहने वाले है.अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित होने के बाद उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जमीन पर उतारने में सरकार के साथ -साथ संस्थाओं को पूरा सहयोग करना रहेगा. राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए समाज के सज्जन शक्ति को जोड़ते हुए हमें जो भी करना होगा करेंगे.विदित हो कि साधारण सभा बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से 271 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया. साधारण सभा बैठक के माध्यम से लघु भारत का स्वरूप देखने को मिल रहा था। शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही देश की अग्रणी संस्था विद्या भारती बच्चों की पढाई के साथ साथ ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता पर भी जोर देगी. मौके पर राजेंद्र प्रसाद खेतान, जैनपाल जैन,कमल किशोर सिन्हा, क्षेत्रीय सह मंत्री राणा पुरुषोत्तम कुमार सिंह ,डा ज्वाला प्रसाद,क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्यालीराम, प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा,रामलाल सिंह,नकुल कुमार शर्मा, भरत पूर्वे, प्रधानाचार्य अनंत कुमार सिन्हा समेत अन्य लोग मौजूद थे.

रोसड़ा में चारा काटने के दौरान करंट लगने से महिला की मौत, फसलों की सुरक्षा के लिए लगा हुआ था बिजली का तार,

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मज जुबैर

समस्तीपुर/रोसड़ा :- समस्तीपुर जिले के रोसड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ढ़ट्ठा चौर में शनिवार को बिजली करंट की चपेट में आने से एक अधेड़ महिला की मौत हो गयी। मृतका की पहचान थाना क्षेत्र के ढ़ट्ठा वार्ड 04 निवासी फुलेश्वर पासवान की पत्नी सुंदरी देवी (55 वर्ष) के रूप में की गयी है। बताया जाता है खेत की घेराबंदी के लिए लगाए गए कंटीले तार में बिजली करंट का प्रवाह था। चारा काटने के क्रम में तार के संपर्क में आने से अधेड़ महिला की मौत हो गयी ।इधर, घटना से आक्रोशित परिजन व ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रख भिरहा हॉस्पीटल चौक के समीप रोसड़ा-सिंघिया मुख्य मार्ग एसएच-88 को जाम कर दिया। उग्र लोग मृतक के परिजन को उचित मुआवजा देने व दोषी खेत मालिक की अविलंब गिरफ्तारी किये जाने की मांग कर रहे थे। हालांकि सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर लालबाबू कुमार दलबल के साथ जामस्थल पर पहुंच गए और उग्र लोगों को समझाए-बुझाए जाने प्रयास करते रहे। पर आक्रोशित लोग उनकी एक सुनने को तैयार नहीं थे ।उग्र लोग गिरफ्तारी की मांग पर अड़े थे। लोगों का कहना था कि उक्त खेत के पास ही विद्युत ग्रिड भी अवस्थित है, खेत मालिकों द्वारा इस तरह की हरकत किये जाने में विद्युत ग्रिड कर्मियों की संलिप्तता की भी आशंका जतायी जा रही थी। लोगों की नाराजगी बिजली विभाग के खिलाफ भी थी। इधर, जामस्थल के दोनों ओर छोटी-बड़ी वाहनों की लंबी कतार लगी रही। घंटों जाम में फंसे रहने के कारण यात्री हलकान होते रहे ।वहीं पुलिस टीम स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से बार-बार आक्रोशित लोगों को समझाए जाने का प्रयास करती रही, पर लोग अपनी मांग पर डटे रहे ।लोगों का कहना था कि गिरफ्तारी के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए सौंपा जाएगा। लोगों के आक्रोश को देख पुलिस टीम मूकदर्शक बनी हुई थी। लेकिन थानाध्यक्ष के आश्वसन के बाद छह घंटे बाद जाम से निजात मिली।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, एक संवाददाता। प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने रविवार को हुसैनगंज में हुए चित्रकला प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर पर्यावरण एवं राष्ट्रभक्ति की थीम पर एक से बढ़कर एक ड्रॉइंग कर अपनी प्रतिभा का जलवा बिखेरा।

विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 1 से 10 तक के दर्जनों छात्रों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रखंड के हुसैनगंज चट्टी स्थित आलम स्टडी प्वाइंट में रविवार को पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सुबह सात बजे से चित्रकला प्रतियोगिता शुरू हुई जिसमें विद्यार्थियों को इंस्टीट्यूट की तरफ से कार्डबोर्ड, पेंसिल इत्यादि की व्यवस्था की गई थी।

तय वक्त के दौरान विद्यार्थियों ने ख्यालों की दुनिया से प्रकृति के बेहतरीन नक्शे कैनवास पर उतारे।

कलाकारी की मिशाल पेश करते हुए सभी ने एक से बढ़कर एक तस्वीरें बनाई। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों ने बेहतरीन तस्वीरें बनाई हैं। जिनमे से पांच सर्वश्रेष्ठ तस्वीरों को प्रथम द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम स्थान के लिए नामित कर उन्हे इनाम दिया जाएगा। भाग लेने वाले विद्यार्थियों में कुमैल अब्बास, रौनक कुमार, सहर इमाम, मुन्तजिर मेंहदी, मोजीज मेंहदी, प्रियांशु कुमार, विक्की कुमार शर्मा, कृष्णा कुमार, साहिल कुमार, तहसीन रजा, आफिया अफजल, इशांत कुमार, अदनान अंसारी, जमशेद आलम, रजिया सुल्ताना, अयान हुसैन, राहिब इमाम, आदित्य कुमार, बबली रानी, आदर्श तिवारी व अभिषेक राजपूत समेत अन्य विद्यार्थी शामिल रहे।

युवती को घर में बुलाकर जलाने के आरोप में 11 पर एफआईआर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, एक संवाददाता। थाना क्षेत्र के हबीबनगर गांव में गत 6 अप्रैल को एक युवती को घर में बुलाकर साजिश के तहत जला देने का आरोप लगाया गया है। आरोप लगाने वाले हबीबनगर निवासी मृतक युवती के पिता हरेराम बीन ने हुसैनगंज थाने में आवेदन देकर बताया कि उनकी पुत्री को 6 अप्रैल की देर रात्रि को गांव के ही युवक ने फोन करके बुलाया। वहां युवक के घर के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर युवती के शरीर में आग लगा दिया गया जिस से युवती बुरी तरह झुलस गई। इलाज के लिए उसे सीवान के जिला अस्पताल में लाया गया जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु उच्च संस्थान के लिए रेफर कर दिया गया। किन्तु पटना ले जाने के क्रम में रास्ते में ही युवती की मौत हो गई । युवती के मृत शरीर का पोस्टमार्टम भी नहीं हुआ। इस मामले में हुसैनगंज थानाध्यक्ष अजीत कुमार सिंह ने बताया कि युवती के पिता के तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। रविवार को एफएसएल की टीम हबीबनगर में घटनास्थल के नमूने एकत्रित करने के लिए आई थी। वहीं पुलिस इस मामले की तहकीकात कर रही है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। जल्द ही इस घटना के बारे में खुलासा किया जाएगा।

पुलिस पर हमला करने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर चौक से स्थानीय थाने के एसआई लालू प्रसाद मल्लाह ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चकमहेसी पुलिस पर 2024 के 15 अक्टूबर को पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल पर गांव में ही हमला करने वाले कल्याणपुर थाना क्षेत्र के छेट बखरी गांव के स्वर्गीय राजो राय के पुत्र गुलाब राय को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। जेल भेजे गये आरोपी की तलाश पुलिस को लंबे अरसे से थी।

डॉ0 भीम राव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर - 13 अप्रैल । को मोरवा विधानसभा के लसकारा में राष्ट्रीय लोक मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद जी के आवासीय परिसर मे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद की अध्यक्षता में डॉ भीम राव अम्बेडकर जी का जयंती मनाया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने कहा कि अम्बेडकर जी दलित महादलित,मजदूर एवं दबे कुचले समाज के उत्थान के लिए सदैव अग्रसर रहा करते थे वे हिन्दी उर्दू सहित कुल चौदह भाषा का अध्ययन किये हुए थे। जिसके परिणामस्वरुप देश की संबिधान समिति का अध्यक्ष चुने गये ।उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से होने वाले सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाये थे। उन्होंने श्रमिकों, किसानों और महिलाओ के अधिकार के लिए आवाज बुलंद किया था। वे स्वतंत्र भारत के जनक एवं भारत

गणराज्य के निमार्ताओं मे से एक थे ।मौके पर विभा देवी पूर्व जिलापार्षद, डॉ दिलीप कुमार चौधरी , देव नारायण सिंह, , प्रियांश कुमार, मो बशीर, अजय कुमार, सीताराम चौधरी, राज निषाद, संघर्ष कुमार , सुबोध चौधरी ,ओमप्रकाश, रामानंद सिंह, अनिल सिंह कुशवाहा, सरोज कुमार, रबिन्द्र दास, मनोरंजन सिंह, माहेश्वरी देवी, अंशु कुमारी, बंटी कुमारी, सुनैना देवी, सीता कुमारी, कौशल देवी, फूलपरी देवी, सुंदरी देवी, महावीर राम, सोनेलाल सहनी, हेमंत राम, अहमद रजा, मो रहमत, ए राजा, चंद्रशेखर राय, मो फैसल, मो मुन्तजिर, आदित्य कुमार, मो दानिश, रणधीर कुमार राय, मो बशीर, अभिषेक कुमार, मुकेश कुमार चौधरी, मो वशिम, संजय कुमार राम, शिवनन्दन राम, भरत पासवान, रामबरण चौधरी, अशर्फी पासवान, आत्माराम सिंह, ध्रुवज्योति पाण्डेय, माधव चौबे, सुबोध चौधरी, संजीव कुमार राम, ब्रजकिशोर शर्मा, अमरजीत कुमार, लाला प्रसाद सिंह, द्वारिका प्रसाद गुप्ता, सवन कुमार वर्मा, लालबाबू महतो, रामलाल सदा, गनौर पासवान, उमेश दास, रंजीत राय, अच्छेलाल महतो, अकलू राम, वशिष्ठ पासवान, नागेश्वर राम, संजय चौधरी निषाद सहित दर्जनों कार्यकर्त्ता मौजूद रहे. ।

निषाद ने कहा कि अम्बेडकर जी दलित महादलित,मजदूर एवं दबे कुचले समाज के उत्थान के लिए सदैव अग्रसर रहा करते थे वे हिन्दी उर्दू सहित कुल चौदह भाषा का अध्ययन किये हुए थे। जिसके परिणामस्वरुप देश की संबिधान समिति का अध्यक्ष चुने गये ।उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से होने वाले सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाये थे। उन्होंने श्रमिकों, किसानों और महिलाओ के अधिकार के लिए आवाज बुलंद किया था।

गर्भवती महिला को ससुराल वालों ने घर से निकला, विगत 2 महीने से FIR के लिये थाने और पुलिस के काट रही चक्कर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मज जुबैर

समस्तीपुर में गर्भवती महिला को ससुराल वालों को घर से निकाल दिया गया। अब वो न्याय के लिए पुलिस से गुहार लगा रही है। मुजफ्फरपुर की रहने वाली रंगीला कुमार समस्तीपुर में अपनी मौसी के यहां इंटर की पढ़ाई कर रही थी। कोचिंग में उसकी मुलाकात आनंद कुमार से हुई और दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। 13 अक्टूबर 2024 को दोनों ने मुक्तेश्वर नाथ मंदिर में शादी कर ली।

इसके बाद वे हरियाणा चले गए, जहां आनंद मजदूरी करने लगा। 6 महीने बाद जब दोनों घर लौटे, तो परिवार वालों ने कोर्ट में दोबारा शादी करवा दी। ससुराल में महज 14 दिन रहने के बाद जातिगत भेदभाव शुरू हो गया। ससुराल वालों ने 5 लाख रुपए दहेज की मांग की और मारपीट शुरू कर दी। 7 फरवरी 2025 को 3 महीने की गर्भवती रंगीला को घर से निकाल दिया गया।

दो महीने से न्याय के लिए चक्कर काट रही है, पर केस दर्ज नहीं हुआ

पीड़िता ने खानपुर थाना, पुलिस अधीक्षक और सदर-2 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को आवेदन दिया है। दो महीने से वह न्याय के लिए थाने के चक्कर काट रही है, लेकिन अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। इस संबंध खानपुर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। उन्होंने बताया कि यह प्रेम विवाह का मामला है और आपसी विवाद के कारण युवती को घर से निकाला गया है। उन्होंने जल्द ही प्राथमिकी दर्ज करने और कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

भीम शक्ति संवाद को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने नियुक्त किए जिला पर्यवेक्षक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना. रविवार, 13 अप्रैल 2025भारतीय संविधान के निमार्ता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 135वीं जयंती पर बिहार कांग्रेस ने सूबे के सभी जिलों एवं प्रखंडों में "भीम शक्ति संवाद" कार्यक्रम की घोषणा की है। इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने सभी जिला में कार्यक्रम के व्यापक आयोजन के लिए जिला पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 135वीं जयंती के व्यापक रूप से आयोजन को लेकर जिला में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है जो यह सुनिश्चित करेंगे कि बाबा साहब के

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 135वीं जयंती के व्यापक रूप से आयोजन को लेकर जिला में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है जो यह सुनिश्चित करेंगे कि बाबा साहब के विचारों को कांग्रेस पार्टी आम जनता के बीच लेकर जाएं।

विचारों को कांग्रेस पार्टी आम जनता के बीच लेकर जाएं। कुल 40 सांगठनिक जिलों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति संबंधी पत्र भी बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने जारी किया है जो निम्नवत है:

सांस्कृतिक कार्यक्रम से दिखा बिहार की संस्कृति

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राजगीर (नालंदा).नगर के पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर हसनपुर राजगीर के परिसर में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान साधारण सभा की बैठक आयोजित है. इस दौरान विद्यालय परिसर में शनिवार की शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी रामकृष्ण राव एवं संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम की शुरूआत माही अनुष्का ने गणेश वंदना से की. इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने देश भर से आए प्रतिभागियों को बिहार की संस्कृति एवं सभ्यता को अपनी कला के माध्यम से प्रदर्शित किया. उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए .छात्र छात्राओं ने हमार देशवा, बिहार गौरव, संदेश नाटिका, वाल्मीकि ने रची रामायण, झिझिया समूह नृत्य आदि कार्यक्रमों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया. मुख्य अतिथि ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से देश के प्रतिभागियों को बिहार की संस्कृति देखने को मिली. वही कार्यक्रम का संचालन पुराजित अभिनव एवं आराध्या यश्वी ने संयुक्त रूप से की कार्यक्रम में आकांक्षा कुमारी, परिधि कुमारी, अनिशा कुमारी,दिव्या कुमारी,कोमल कुमारी, पल्लवी कुमारी ,प्रतीक कुमार , प्रणव कुमार, शिवांग कुमार, आलोक कुमार, मोहित कुमार ,राहुल राज ,संगीता कुमारी, रीना पांडेय, सोनी कुमारी, रितिका कुमारी ने कार्यक्रम प्रस्तुत की.

भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न ,मंत्री जनक चमार ने किया सम्बोधित

प्रखंडसंवाददाता
साहिल अंसारी

मशरक के सीमावर्ती डोईला गांव मे रविवार को तरैया विधायक सह सतारूढ़ दल के उप मुख्य सचेतक जनक सिंह के आवासीय परिसर में भाजपा का विधानसभा क्षेत्र का सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता विधायक जनक सिंह ने जबकि मंच संचालन अखिलेश मिश्र ने किया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के मंत्री अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग जनक चमार ने कार्यकताओं को संबोधित किया और आगामी विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर मंत्र दिया। हालांकि इसके पूर्व सभी ने पार्टी संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंड़ित दीनदयाल के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित कर नमन किया। मंत्री जनक चमार ने कहा कि पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन पूरे बिहार प्रदेश में चल रहा हैं।

उन्होंने कहा कि 13 अप्रैल से ही संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती को लेकर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी हैं। इस कार्यक्रम के तहत हमारे कार्यकर्ता गरीब एवं पिछड़े लोगों के बस्तियों में जाकर भीमराव अंबेडकर एवं गरीबों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो काम किया है। उन लोगों को जानकारी देना बिहार मे नीतिश कुमार और केंद्र में मोदी सरकार ने गरीबों के लिए जो कल्याणकारी योजना लाकर जो काम कर रही है। वह किसी भी सरकार में नहीं हुआ है। विधायक जनक सिंह ने कहा कि कार्यकताओं को पार्टी के नीति सिद्धांत, देशहित में भाजपा के योगदान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा पिछले 11 वर्षों में देश व जनहित में किये गये कार्य व मुख्य उपलब्धियों से अवगत कराया। और उन्होंने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसमें एक साधारण कार्यकर्ता मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने कहा कि तरैया विधानसभा के सभी गांवों में विकास की लहर चल रही है।

एक दिवसीय खेल कौशल प्रशिक्षण एवं नेतृत्व क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित

बक्सर ने देवरिया को हराकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा। आर एल बी एस ए फाउंडेशन द्वारा संचालित रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के खेल मैदान में युवा खिलाड़ी प्रशिक्षण एवं उनके नेतृत्व क्षमता विकास के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें बक्सर, देवरिया और सिवान जिले की चार हॉकी टीमों के खिलाड़ियों ने भाग लिया ।इस कार्यशाला में युवाओं को खेल से जोड़कर आज मोबाइल के दौर में उन्हें मैदान में पसीना बहाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया ताकि युवा पीढ़ी शारीरिक रूप से मजबूत बने। आज जिस तरह से युवा पीढ़ी मोबाइल के चक्कर में मैदान से दूर शारीरिक शिथिलता के कारण अपने स्वास्थ्य को खराब कर रहे हैं उसके विभिन्न दुष्प्रभाव को प्रशिक्षकों ने बताया। खिलाड़ियों को दबाव में किस तरह से खेल का प्रदर्शन करना चाहिए इस पर

भी परिचर्चा का आयोजन किया गया ।भोजन अवकाश के बाद मैच का आयोजन कराया गया। सिवान और रविंद्र शाही स्टेडियम देवरिया के बीच हॉकी मैच खेला गया जिसमें देवरिया की टीम ने सिवान को 2-1 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया वहीं दूसरा मैच बक्सर और गवर्नमेंट इंटर कॉलेज देवरिया के बीच खेला गया जिसमें बक्सर ने देवरिया इंटर कॉलेज को 6-2 से हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। फाइनल का कांटेदार मुकाबला देवरिया स्टेडियम एवं बक्सर के बीच खेला गया जिसमें बक्सर की टीम ने देवरिया की टीम को 4-2के अंतर से हरा कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम किया ।इस पूरे कार्यक्रम का संचालन आर एल बी एस ए फाउंडेशन के निदेशक संजय पाठक ने किया ,जबकि खेल कौशल का प्रशिक्षण एन आई एस कोच रंजीत लकड़ा ने दिया रंजीत लकड़ा ने बताया कि आज के भागम भाग समय में जहां युवा अपना अधिकांश समय मोबाइल में रील बनाने देखने और युटुब जैसे चैनलों पर अपना अधिकांश समय व्यतीत कर रहे हैं उन्हें मैदान में लाकर किसी भी खेल से जोड़ते हुए उन्हें शारीरिक रूप से तंदुरुस्त बनाया जाए। जबकि नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए युवा अपना निर्णय खुद कर सकें उचित और अनुचित में अंतर कर सकें समाज को सही दिशा दें सके जिसका प्रशिक्षण अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी खुशबू कुमारी स्पोर्ट्स इंचार्ज सलमा खातून एन आई एस कोच विवेक कुमार सिंह ने प्रदान किया। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी के निदेशक संजय पाठक ने प्रदान किया वहीं उपविजेता टीम को प्रशिक्षक रंजीत लकड़ा ने ट्रॉफी और मेडल देकर के पुरस्कृत किया। इस अवसर पर दर्जनों संख्या में ग्रामीण एवं सैकड़ो की संख्या में खिलाड़ी उपस्थित होकर के मैच का भरपूर आनंद लिया।

बीस सूत्री के मनोयन व नव मनोनीत जिलाध्यक्ष को बधाई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर- 13 अप्रैल ।जिले के मोरवा प्रखंड अंतर्गत लसकारा वार्ड संख्या 01 में राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बैनर तले एक महती सभा की गई जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विनोद चौधरी निषाद ने की। जिसमें मोरवा विधानसभा के दो प्रखंड अध्यक्ष अनिल सिंह कुशवाहा एवं अमरजीत कुमार को प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के सदस्य बनाये जाने पर राज्य एवं जिला के वरीय पदाधिकारियों को साधुवाद दिया गया तथा नवमनोनीत सदस्यो को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय लोक मोर्चा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सफदर इमाम द्वारा जिला सचिव मो बशीर को राष्ट्रीय लोक मोर्चा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष का मनोनयन पत्र भी दिया गया। साथ ही जिलाध्यक्ष श्री निषाद ने कहा कि पार्टी को मो बशीर जैसे नौजवान एवं ऊजार्वान जिलाध्यक्ष मिलने से पार्टी जिले मे और मजबूत होगी। इनके लगातार पार्टी मे किये गये कार्य सराहनीय एवं उच्च स्तर के होने का अनुभव से पार्टी को मजबूती मिलेगी। मौके पर पूर्व जिलापार्षद विभा देवी प्रदेश महासचिव देवनारायण सिंह, डॉ दिलीप कुमार चौधरी जिलाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ, ओमप्रकाश,रामानंद सिंह, सरोज कुमार, रविंद्र दास, मनोरंजन सिंह, अंशु कुमारी, सुनैना देवी, सीता देवी, कौशल देवी, फूलपरी, सुंदरी देवी, महावीर राम, हेमंत राम, अहमद रजा, मो रहमत, ए राजा, चंद्रशेखर राय, मो मुन्तजिर, मो फैसल, आदित्य कुमार, मो दानिश, रणधीर कुमार राय, अभिषेक कुमार, मो वसीम, संजय कुमार राम, शिवनन्दन राम, भरत पासवान, रामबरण चौधरी, अशर्फी पासवान, आत्माराम सिंह, ध्रुवज्योति पाण्डेय, माधव चौबे, सुबोध चौधरी, संजीव कुमार राम, ब्रजकिशोर शर्मा, अमरजीत कुमार, लाला प्रसाद सिंह, द्वारिका प्रसाद गुप्ता, सावन कुमार वर्मा, लालबाबू महतो, रामलाल सदा, गनौर पासवान, ओम प्रकाश, मुकेश कुमार चौधरी, उमेश दास, रंजीत राय, अच्छेलाल महतो, अकलू राम, वशिष्ठ पासवान, नागेश्वर राम, संजय चौधरी निषाद,आदि लोग मौजूद हो सम्मानित कर बधाई दिए।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा का शताब्दी समारोह सारण के प्रेक्षा गृह में आज संपन्न हुआ।

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

छपरा : अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के राष्ट्रीय शताब्दी समारोह के दूसरे दिन आज छपरा शहर में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। गाजा-बाजा और हाथी-ऊँट से सुसज्जित इस विशाल शोभायात्रा में सबसे आगे 1962 में भारत-चीन के बीच हुए रेजांगला युद्ध में शहीद यादव सैनिकों की स्मृति में एक कलश यात्रा रखा गया था, जबकि रथ पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एस. के. घोष, पूर्व मंत्री उदित राय, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश आदि जुलूस का नेतृत्व कर रहे थे। भारी संख्या में हाथ में पीला झण्डा लिए 'जय यादव, जय माधव' का नारा लगाते हुए हजारों कार्यकर्ता जोश और जुनून के साथ छपरा शहर के सड़कों पर मार्च कर रहे थे। जगह-जगह पेयजल और शरबत की व्यवस्था भी स्थानीय लोगों द्वारा की गई थी। शोभायात्रा छपरा कचहरी स्टेशन से निकलकर नगरपालिका चौक, महमूद चौक, रामजयपाल कॉलेज चौक से होते हुए भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह पहुँचा, जहाँ यात्रा एक विशाल सभा में परिणत हुई, जिसकी अध्यक्षता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. स्वप्न कुमार घोष ने किया। आज की सभा में राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में जातीय जनगणना की माँग और मण्डल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के महत्वपूर्ण विषय पर डॉ. लालबाबू यादव और उत्तर प्रदेश के चंद्रभूषण सिंह यादव ने अपना विचार प्रकट किया। इस विषय पर त्रिपुति, आंध्रप्रदेश से पधारे सौम्य प्रकाश, उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सत्यप्रकाश यादव, रायपुर के ब्रिगेडियर प्रदीप जद्दु, राजस्थान के दिनेश यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव, बिहार विधानपार्षद प्रो. वीरेन्द्र नारायण यादव, जिला परिषद के अध्यक्ष जयमित्रा देवी, छपरा के पूर्व सांसद और आयोजन समिति के अध्यक्ष लालबाबू राय आदि ने संबोधित किया। समारोह का संचालन बिहार प्रदेश यादव महासभा के अध्यक्ष सह पूर्व आईएएस डॉ. गोरेलाल यादव ने की।

गाजा-बाजा और हाथी-ऊँट से सुसज्जित इस विशाल शोभायात्रा में सबसे आगे 1962 में भारत-चीन के बीच हुए रेजांगला युद्ध में शहीद यादव सैनिकों की स्मृति में एक कलश यात्रा रखा गया था,

इस कार्यक्रम से पहले छपरा शहर के सलेमपुर में यादवों के जन सहयोग से निर्मित यादव छात्रावास के परिसर में यादवेन्दु सभागार का लोकार्पण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. घोष और अन्य राष्ट्रीय नेताओं के अलावे पूर्व मंत्री उदित राय, पूर्व सांसद लालबाबू राय एवं विधानपार्षद प्रो. वीरेन्द्र नारायण यादव की उपस्थिति में किया गया।

दहेज उत्पीड़न के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के तहत चकमहेसी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के सोमनाहा गांव में पुलिस पदाधिकारी पुलिस बल के साथ छापेमारी कर दहेज उत्पीड़न कांड के आरोपी को गिरफ्तार किया। इस संबंध में थानाध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बताया कि सूचना मिलते ही थाने से अवर निरीक्षक रामनारायण महतो को महिला पुलिस बल के साथ भेजा गया, जहां से भोला राय की पत्नी विमला देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

अमर शहीद अखिलेश राय तथा पूर्व मुखिया राम उदेश राय की मनाई गई पुण्यतिथि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के खरीदाबाद मगरदही में राजद नेता व पूर्व मुखिया अमर शहीद अखिलेश राय तथा पूर्व मुखिया रामउदेश राय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। अमर शहीद अखिलेश राय के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन पूर्व विधान पार्षद सह राजद जिलाध्यक्ष रोमा भारती ने किया। अपने संबोधन के क्रम में पूर्व मंत्री सह उजियारपुर विधायक आलोक कुमार मेहता, समस्तीपुर के स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, विभूतिपुर विधायक अजय कुमार तथा हसनपुर के पूर्व विधायक सुनील कुमार पुष्पम ने कहा की स्वर्गीय अखिलेश राय शोषित पीड़ितो व गरीब - गुरबों के बुलंद आवाज के प्रतीक थे। वे समाजिक न्याय तथा परस्पर सदभाव के मजबूत स्तम्भ थे। एक लोकप्रिय मुखिया, चर्चित राजद नेता तथा गरीबो के मसीहा के रूप में स्वर्गीय अखिलेश राय सदैव याद किए आते रहेंगे। मौके पर पूर्व मंत्री सह उजियारपुर विधायक आलोक कुमार मेहता, समस्तीपुर के स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, विभूतिपुर विधायक अजय कुमार, संस्कृत बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सह जनता दलयू जिलाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय, भाजपा जिलाध्यक्ष नीलम सहनी शशीधर झा, पूर्व विधान पार्षद सह राजद जिलाध्यक्ष रोमा भारती, सुनील कुमार पुष्पम, सन्नी हजारी, अरविन्द सहनी, समस्तीपुर केंद्रीय सहकारिता बैंक के अध्यक्ष विनोद कुमार राय, उप मेयर रामबालक पासवान,

राम चरित मानस महायज्ञ 18 से 26 अप्रैल तक, लाखों लोगों के आने की संभावना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर प्रखंड के शोभन पंचायत के अंतर्गत वसंतपुर गांव में श्री श्री 1008 राम चरित मानस महायज्ञ राम कथा को सफल बनाने को लेकर प्रेस वार्ता कर यज्ञ के अध्यक्ष श्री भरत दास जी महाराज ने मीडिया कर्मियों को बताया कि आगामी 18 अप्रैल से श्री श्री 1008 राम चरित मानस महायज्ञ शुरू होने जा रहा है जो 26 अप्रैल 2025 तक चलेगा जिसकी तैयारी जोड़ शोर से चल रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त यज्ञ में लाखों श्रद्धालुओं की आने की संभावना है। श्री महाराज ने बताया कि राम कथा प्रतिदिन दो पहर 2 : 30 से 6 : 30 बजे संध्या तक चलेगा, उक्त कथा और यज्ञ में भाग लेने की अपील की। श्री भरत दास जी महाराज ने बताया कि अयोध्या के जग गुरु स्वामी राघवाचार्य जी महाराज का प्रत्येक दिन प्रवचन होगा और श्रद्धालु उनके प्रवचन को सुनकर लाभ उठाएंगे। इधर आयोजक शिव शंकर झा ने बताया कि राम चरित मानस महायज्ञ में लाखों लोगों के आने की संभावना है। उनके सुविधा के लिए शौच करने एवं स्नान करने के लिए महिला और पुरुषों के लिए अलग अलग इंतजाम किया गया है ताकि किसी भी श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। इतना ही नहीं महिला और पुरुषों को वस्त्र बदलने के लिए रुम का भी प्रबंध है। मौके पर आयोजक शिव शंकर झा, भाजपा नेता सुशील कुमार चौधरी, भाजपा नेता शशि कांत झा चुनचुन, राम अवतार जी, शत्रुघन प्रसाद, शिव शंकर चौधरी आदि मौजूद थे।

औरंगाबाद के हसपुरा में राष्ट्रीय सम्मान से बेगूसराय की रक्तदाता समूह टीम राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल सम्मानित

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए औरंगाबाद के हसपुरा में रक्तवीर योद्धा जिला स्तरीय कमिटी के बैनर तले रविवार को आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में बेगूसराय की सामाजिक संगठन राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल को सम्मानित किया गया. इस सम्मान पर जिलेवासियों, विशेषकर रक्तदाओं में हर्ष व्याप्त है. रक्तवीर योद्धा जिला स्तरीय कमिटी के द्वारा सम्मान मिलने पर टीम के नियमित रक्तदाता एवं सक्रिय सदस्य जद्दू कुमार राय ने बताया हम सभी टीम के सदस्य लगातार जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए प्रयास करते रहते हैं. और कोशिश यही रहती है कि किसी भी मरीज की जान रक्त के अभाव में न जाए.यह सम्मान मिलने पर मैं खुद को बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं. साथ ही आगे भी लोगों को मोटिवेट करके रक्तदान करवाने का लगातार प्रयास करते रहूंगा.राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल विगत ढाई वर्षों में 2400 से ज्यादा रक्तदान का माध्यम बन चुकी है. गौरतलब हो कि राष्ट्रकवि दिनकर सेवा दल को एक और राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर टीम के रक्तदान प्रमुख विकास कुशवाहा ने बताया कि यह सम्मान टीम के सभी सदस्यों का मनोबल बढ़ाएगी और आगे सामाजिक कार्यों में कार्य करने के लिए ऊर्जा प्रदान करेगी.

कन्हैया कुमार पर भाजपा का प्रहार झ्र प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहने पर दानिश इकबाल ने दर्ज कराई FIR

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- प्रधानमंत्री और फ्ग्र पर आपत्तिजनक बयान झ्र कन्हैया कुमार के खिलाफ FIR दर्ज
- देश की संप्रभुता पर हमला बर्दाश्त नहींह्व झ्र दानिश इकबाल ने की कन्हैया कुमार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई
- RSS और ढट को गाली देना पड़ा महंगा झ्र कोतवाली थाना में FIR दर्ज
- जनता के चुने ढट को आतंकवादी कहने वाले की जगह जेल में है झ्र दानिश इकबाल

पटना, 13 अप्रैल।भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल ने आज पटना के कोतवाली थाना में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। कन्हैया कुमार के द्वारा हिंदी में एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में भारत के प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकताओं के लिए आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया।दानिश इकबाल ने कहा, ह्लदेश के लोकतांत्रिक ढांचे में चुने हुए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना न केवल एक शर्मनाक बयान है, बल्कि यह सीधे-सीधे देश की संप्रभुता पर हमला है। आरएसएस जैसे राष्ट्रवादी संगठन को बदनाम करने की कोशिश करने वाले ऐसे नेताओं पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि कन्हैया कुमार का इतिहास देशविरोधी गतिविधियों में शामिल टुकड़े-टुकड़े गैंग से जुड़ा रहा है और वह बार-बार देश को अपमानित करने का काम करता रहा है।एफआईआर दर्ज कराने के बाद दानिश इकबाल ने बताया, ह्लहम भाजपा की लीगल टीम के साथ कोतवाली थाना पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया के तहत शिकायत दर्ज कराई। हमें पूरा विश्वास है कि कानून ऐसे देशविरोधी मानसिकता रखने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगा।

ताइक्वांडो संघ के द्वारा मार्शल आर्ट का बेल्ट ग्रेडिंग प्रतियोगिता का आयोजन, तीस खिलाड़ियों को दिया गया बेल्ट ग्रेडिंग सर्टिफिकेट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

बेगुसराय:बेगूसराय जिला ताइक्वांडो संघ के द्वारा मार्शल आर्ट का बेल्ट ग्रेडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था । इस प्रतियोगिता मे आईडियल ताइक्वांडो क्लब तथा बच्चों की पाठशाला के तीस ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने भाग लिया ।आईडियल ताइक्वांडो क्लब के मुख्य प्रशिक्षक मणिकांत ने बताया कि क्लब के भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए बेगूसराय मे स्थित गॉधी स्टेडियम मे सम्मान समारोह आयोजित कर खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया ।समारोह के मुख्य अतिथी के रुप मे जिला खेल पदाधिकारी ऐश्वर्य कश्यप ने कहा कि ताइक्वांडो मार्शल आर्ट सभी बच्चों को सीखने की आवश्यकता है ,खासकर महिला एवं बालिकाओं को निश्चित रुप से सीखने की आवश्यकता है ताकि विपरित परिस्थितियों मे ये अपनी सुरक्षा स्वंय कर सके। साथ ही उन्होंने कहा कि इस स्टेडियम मे जो भी बच्चे ताइक्वांडो का प्रशिक्षण ले रहे हैं खेल विभाग की ओर से खिलाड़ियों को आगे बढने मे सहयोग किया जाएगा

बच्चों के सामने पत्नी को पीट-पीट कर क्यों मारा, पति ने पुलिस को बताई वजह

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार में अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या करने वाले पति को आखिरकार पुलिस ने दबोच ही लिया। इस शख्स ने सरेआम पीट-पीट कर अपनी पत्नी को मार डाला था। पत्नी को पीटने का वीडियो भी वायरल हुआ था। हालांकि, इस कांड के बाद से आरोपी पति फरार चल रहा था। पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले का है। हालांकि, अब मोतीपुर थाना क्षेत्र के झींगहा गांव में बीते 11 अप्रैल को बच्चों के सामने पत्नी मेहरुन निशा की पीट-पीटकर हत्या मामले में पति मो. कलीमुल्लाह को पुलिस ने बूढ़ी गंडक किनारे स्थित कोदरकट्टा से गिरफ्तार किया है।ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि कलीमुल्लाह ने पूछताछ में गुनाह कबूल कर लिया है। वह पत्नी की हत्या के बाद नदी किनारे दियारा में छिपा हुआ था। झाड़ी में दुबक कर रह रहे कलीमुल्लाह का सुराग ढूंढने में मोतीपुर थाने के धीरेंद्र कुमार ने अहम भूमिका निभाई। पूछताछ में कलीमुल्लाह ने कहा कि उसे पत्नी पर शक था। बताया गया कि पत्नी की पीट-पीटकर हत्या का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें महिला की बेरहमी से पिटाई की गई थी।

केसीसी ऋण अदा नहीं करने वाले लोगों के खिलाफ बैंक ने कसी कमर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की दिघरा शाखा से केसीसी ऋण लेकर उसे समय से नहीं चुकाने वाले लोगों के लिए एक बुरी खबर है। बैंक ने ऐसे सभी कर्ज धारकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का फैसला किया है। बैंक ने ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई आरंभ भी कर दी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सर्टिफिकेट केस अधिकारी मंजीत कुमार ने बताया कि ऐसे केसीसी ऋण धारक जिनका खाता एनपीए हो गया है उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी, कुर्की सहित अन्य कार्रवाई की जाएगी। सर्टिफिकेट किसी पदाधिकारी ने बताया कि दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के पूसा प्रखंड अंतर्गत दिघरा, महमदा एवं खुदीराम बोस पूसा के ऐसे ऋणधारक जिनका खाता एनपीए हो चुका है वह अविलंब उक्त शाखा से संपर्क कर ऋण अदा करें अन्यथा ऐसे लोगों के खिलाफ समुचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पूसा थाना क्षेत्र के मोरसंड गांव वासी सीताराम सिंह के पुत्र सुनील कुमार सिंह के खिलाफ ऋण अदा नहीं करने के कारण वारंट निर्गत हुआ था जिसके आलोक में पूसा पुलिस ने विगत 11 अप्रैल को उन्हें गिरफ्तार कर लिया था, हालांकि बाद में बैंक के साथ समझौता होने एवं ऋण की राशि चुकाने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। श्री मंजीत ने बताया कि सभी एनपीए खाताधारक अविलंब बैंक की शाखा से संपर्क कर ऋण अदा करें या फिर समुचित कार्रवाई झेलने के लिए तैयार रहें। अंत में उन्होंने बताया कि दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक की उक्त तीनों शाखाओं में लगभग 500 से अधिक एनपीए खाता धारक हैं, जिनके खिलाफ वारंट निर्गत किया जा चुका है।

तेजस्वी क्यों उठाते हैं शराबबंदी पर सवाल? ललन सिंह ने बताया कारण, बड़ा आरोप लगा दिया

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर बिहार में शराबबंदी पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा था कि इस कानून की आड़ में दलितों, पिछड़ों को टारगेट किया जा रहा है। लाखों की संख्या में कमजोर तबके के लोग जेलों में हैं जबकि माफिया ने अवैध शराब का लगभग 40 हजार करोड़ की पैरलल इकनॉमी खड़ा कर लिया है। जेडीयू ने तेजस्वी के आरोपों पर करारा पलटवार किया है। केंद्रीय पंचायती राज मंत्री और जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह तेजस्वी यादव शराब मफिया से मिली भगत का आरोप लगाया और कहा कि नेता प्रतिपक्ष को तस्कर फाइनेंस करते हैं।ललन सिंह रविवार को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती पर बापू सभागार में आयोजित भीम संवाद में भाग लेने पटना आए थे। पत्रकारों के सवाल पर उन्होंने तेजस्वी पर आरोपों की बौछाड़ कर दी।

दिनमनपुर दक्षिणी पंचायत के वार्ड में नल जल की समस्या, कोई किया विरोध तो कोई किया समर्थन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। चिराग जलाया जाता है रोशनी के लिए अंधेरो के लिए नहीं, कुछ ऐसा ही मामला जिले के खानपुर प्रखंड क्षेत्र के दिनमनपुर दक्षिणी के तहत वार्ड संख्या 13 में देखने को मिल रहा है। इसी के तहत वार्ड संख्या 13 में नल जल की पानी को समस्या को लेकर सर गर्मी देखी जा रही है। गांव में कोई विरोध कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग समर्थन कर रहे हैं। स्थानीय कुछ लोगों ने बताया कि वार्ड संख्या 13 में जब से नल जल का मीनार बना है और नल जल के लिए बोरिंग गाड़ा गया है तब से नल जल का पानी नहीं मिल पा रहा है। वही दूसरी ओर गांव के ही कुछ लोगों का कहना है कि अनुरक्षक लाल पासवान के द्वारा समय समय पर पानी मिल रहा है। बताते चले कि दिनमनपुर दक्षिणी पंचायत में स्थानीय मुखिया, वार्ड सदस्य एवं अनुरक्षक के बेहतर तालमेल नहीं होने के कारण सभी एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं। जिसका खामियाजा उक्त वार्ड के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे में खानपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी के अनुरोध है कि अपने स्तर से जांचों उपरांत समस्या का निदान कर देना चाहिए, परंतु इस ओर उच्च अधिकारी ध्यान देना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। मौके पर अर्जुन राम, धर्मेंद्र कुमार, देवेंद्र कुमार, विजय कुमार, नरेश राम, सेरोमनी देवी, इंदु देवी, शिवा देवी, मोती राम, राज कुमार पासवान, अनिता देवी, सुशील पासवान, सरस्वती देवी आदि मौजूद थे।

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में 81 नये सहायक प्राध्यापक चयनित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में 81 सहायक प्रोफेसरों, 9 एसोसिएट प्रोफेसरों और 2 प्रोफेसरों का चयन किया गया है। चयनित उम्मीदवारों ने विश्वविद्यालय में अपना योगदान देना शुरू कर दिया है। जानकारी के मुताबिक लगभग 50 से अधिक उम्मीदवारों ने योगदान दे दिया है और आने वाले कुछ दिनों में बाकी लोगों के भी योगदान की संभावना है। सहायक प्राध्यापक के चयन के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी दिल्ली के द्वारा लिखित परीक्षा ली गई थी, जिसका भारांक 100 था जबकि विश्वविद्यालय और बाह्य विशेषज्ञों द्वारा साक्षात्कार लिया गया जिसका भारांक 25 था। चयन के उपरांत उम्मीदवारों के योगदान के लिए चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल जांच अनिवार्य रूप से कराया जा रहा है जिसमें लगभग दो से तीन दिन का समय लग रहा है। विश्वविद्यालय में लगभग पांच वर्षों के बाद सहायक प्राध्यापको् की नियुक्ति की गई है। नियुक्ति और योगदान की प्रक्रिया काफी गहन और व्यापक है। इससे पहले विश्वविद्यालय सहायक प्राध्यापक की लिखित परीक्षा स्वयं आयोजित करती थी, लेकिन वर्तमान कुलपति ने निर्णय लिया कि लिखित परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी दिल्ली से कराई जाए। विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक के पदों पर देश भर के तीस हजार से अधिक लोगों ने अप्लाई किया था, जिसमें से 22 राज्यों के 81 लोगों का चयन किया गया है। चयनित सहायक प्राध्यापकों में से लगभग तीस प्रतिशत बिहार राज्य के हैं। इसके अतिरिक्त नौ एसोसिएट प्रोफेसर और एक प्रोफेसर के पद पर भी उम्मीदवार का चयन किया गया है। नई नियुक्ति विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर है। सहायक प्रोफेसरों के लिए चयन प्रक्रिया कड़ी और डेढ़ साल से अधिक समय तक चली, जिसमें राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा और उसके बाद साक्षात्कार शामिल थे। कुलपति डॉ पुण्यव्रत सुविमलेंदु पांडेय ने चयन प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नए संकाय सदस्यों के जुड़ने से शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार होगा और अकादमिक कार्यक्रमों, अनुसंधान पहलों और विस्तार गतिविधियों में ताजगी आएगी। उन्होंने कहा नये सहायक प्राध्यापक विश्वविद्यालय के मिशन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे जिससे कृषि और संबद्ध विज्ञान में ज्ञान को आगे बढ़ाने, अगली पीढ़ी के कृषि पेशेवरों को आकार देने और अनुसंधान क्षमता को बढ़ाने में काफी सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा इन नियुक्तियों के साथ, विश्वविद्यालय अपने अकादमिक क्षमता को और मजबूत करने, किसानों के साथ जुड़ाव बढ़ाने और कृषि के क्षेत्र में सार्थक प्रभाव डालने का प्रयास करेगा। कुलसचिव डॉ मृत्युजय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में नई नियुक्ति अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने और कृषि शिक्षा और अनुसंधान में एक अग्रणी संस्थान बनने की दिशा में इसकी व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा इन नई नियुक्तियों से विश्वविद्यालय में नया जोश और नए विचार आएंगे, जो कृषि शिक्षा और अनुसंधान के भविष्य को ऊंचाईयों तक ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि कुलपति डॉ पी एस पांडेय मिशन मोड में विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मुकाम देने के प्रयास में लगे हैं और जल्दी ही यह सपना साकार होगा।

बेगूसरायः वक्फ बिल के विरोध में प्रदर्शन

ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के बैनर तले प्रतिरोध मार्च, कहा- नहीं चलेगा झूठा आंसू

बेगूसराय। वक्फ बोर्ड संशोधन कानून के विरोध में ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के बैनर तले बेगूसराय में प्रतिरोध मार्च निकाला गया है। यह प्रतिरोध मार्च एआईएसएफ के राष्ट्रीय सचिव एवं ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ के जिलाध्यक्ष अमीन हमजा के नेतृत्व में निकाला गया है। सुरक्षा को लेकर सदर प्रखंड के बीडीओ रविशंकर कुमार और नगर नगर थानाध्यक्ष अरुण कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात थे। मुस्लिम समुदाय के सैकड़ों लोगों का यह प्रतिरोध मार्च जीडी कॉलेज से शुरू हुआ तथा पटेल चौक, कपूर्री स्थान चौक, टेढ़ीनाथ चौक, सदर अस्पताल, नगर निगम, नवाब चौक होते हुए समाहरणालय के उत्तरी द्वार कैंटीन चौक पहुंचा। इस दौरान प्रतिरोध में शामिल लोगों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि यह काला कानून है, जिसे हर हाल में वापस लेना होगा। ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के राज्य सचिव इरफान अहमद फातमी ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में पास किए गए विधेयक को खारिज करने के लिए हम लोग आंदोलन कर रहे हैं। पूरे राज्य और देशभर में अभियान चलाया गया है। इसके बाद आज बेगूसराय में प्रतिरोध मार्च कर रहे हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से अनुरोध कर रहा हूं कि इस कानून को वापस ले लीजिए नहीं तो अल्पसंख्यक समुदाय रोड पर रहेंगे। हम सब इस बिल को वापस लेने तक लगातार लड़ते रहेंगे। यह हमारे इज्जत और आबरू की बात है, मातृभूमि और संविधान को बचाने की बात है। तमाम अल्पसंख्यक के अधिकारों की बात है। बौद्ध मंदिरों पर हिंदू ने कब्जा कर लिया, नरेंद्र मोदी उसे नहीं हटाते हैं। दूसरे धर्म के लोगों को भी तंग कर रहे हैं। ईसाइयों के ऊपर हर रोज हमला हो रहा है, मदरसों पर भगवा झंडा फहरा रहे हैं। इन तमाम मुद्दों को लेकर हम लोग संघर्ष कर रहे हैं।

इस देश के अंदर नरेंद्र मोदी की सरकार फॉसिस्ट सरकार है। इस सरकार को हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे, यह कानून वापस लेना होगा। आज हक की बात वह कर रहे हैं जो मुसलमान की औरतों को बेइज्जत कर रहे हैं, जो मस्जिदों पर ताला लगवा रहे हैं, जो कब्रिस्तान में बुलडोजर चलवा रहे हैं, जो मुसलमान के बाल-बच्चे को रोजगार से अलग-अलग कर रहे हैं। वह आंसू बहा रहे हैं, झूठा आंसू नहीं चलेगा। AISF के राष्ट्रीय सचिव और ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के जिला अध्यक्ष अमीन हमजा ने कहा कि यह काला कानून है, जिसे मोदी द्वारा जबरदस्ती थोपा जा रहा है। भाजपा के घटक दल मुसलमान का वोट लेते हैं। लेकिन जब मुसलमान के हक और अधिकार की बात है तो उन्होंने भाजपा के इस काले बिल का समर्थन किया। यह काला कानून देश के संविधान के अनुच्छेद- 14 और 36 का उल्लंघन है। इसलिए ऑल इंडिया तंजीम ए इंसाफ प्रदर्शन कर रहा है। हम सरकार से कहना चाहते हैं कि आपको यह बिल वापस लेना होगा, हमारा संगठन आज तक शांतिपूर्ण संगठन कर रहा है। आगे हम लोग आर-पार का रास्ता अख्तियार करेंगे, एनडीए जो घटक दलों समर्थन किया है, हम उनका पोल खोलने का काम करेंगे, आगामी विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देना होगा।

लूटपाट का विरोध करने पर व्यवसायी को मारी गोली, गंभीर

सुपौल । बदमाशों ने एक व्यवसायी को गोली मार दी। घटना राघोपुर थाना क्षेत्र के धरहरा मंदिर के पास की है। घायल व्यक्ति की पहचान चंदन कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चंदन कुमार अपने बड़े भाई सुमित कुमार के साथ भोज से लौट रहे थे। तभी पहले से घात तीन बदमाशों ने व्यवसायी को लूटने की कोशिश की। जिसका विरोध करने पर बदमाशों ने उनपर गोली चला दी। घायल होने के बावजूद चंदन ने हिम्मत दिखाते हुए दो बदमाशों को पकड़ लिया। इनमें से एक बदमाश मौका पाकर भाग निकला। एक अन्य बदमाश पहले ही फरार हो चुका था। स्थानीय लोगों की मदद से एक बदमाश को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। इसके बाद घायल चंदन को पहले सिमराही के रेफरल अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सुपौल रेफर कर दिया गया। घटना से इलाके के व्यवसायियों में दहशत है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है। राघोपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि पुलिस घटना की जांच कर रही है। साथ ही आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

गेहूं के बंटवारे को लेकर दो सगे भाइयों के बीच हिंसक झड़प, इलाज के दौरान भतीजे की मौत

मधेपुरा । श्रीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार शाम गेहूं के बंटवारे को लेकर दो सगे भाइयों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस झगड़े में गंभीर रूप से घायल हुए एक युवक की रविवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान परमानंदपुर वार्ड संख्या सात निवासी नुनुलाल साह के बेटे नीरज कुमार (18) के रूप में हुई है। नीरज हाल ही में मैट्रिक की परीक्षा पास कर आगे की पढ़ाई की तैयारी कर रहा था। परिजनों के मुताबिक नुनुलाल साह और उनके भाई महावीर साह के बीच शनिवार की शाम घर से लगभग तीन किमी दूर चैनपुर नहर के समीप गेहूं के बंटवारे को लेकर कहासुनी हो गई।देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में लाठी-डंडे से जमकर मारपीट होने लगी। इस दौरान महावीर साह, उनकी पत्नी गीता देवी और बेटा धनेश्वर साह उर्फ विकास पर नीरज कुमार और उसके पिता नुनुलाल साह पर हमला कर दिया। मारपीट में नीरज कुमार को सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उसके पिता भी बुरी तरह घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर झगड़ा शांत कराया और डायल 112 की टीम को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए पहले कुमारखंड पीएचसी पहुंचाया, जहां से उन्हें हालत गंभीर होने पर जेएनकेटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।रविवार सुबह इलाज के दौरान नीरज कुमार ने दम तोड़ दिया, जबकि उसके पिता की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। नीरज चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और परिवार की बड़ी उम्मीद माना जा रहा था। उसकी असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नुनुलाल साह और महावीर साह के बीच लंबे समय से जमीन का विवाद चला आ रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही सिंहेश्वर थाना पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मधेपुरा भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

आईपीएल में हारने वालों को जीत का झांसा देकर ठगी करने वाला गिरोह बेनकाब, तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। साइबर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए आईपीएल में पैसा हार चुके लोगों को दोबारा जीत दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह का सरगना मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से 10 एटीएम कार्ड, 8 मोबाइल फोन, 65,000 नगद, दो गूगल बारकोड स्कैनर और कई अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पकड़े गए आरोपी अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपियों में आलोक कुमार (सिवान), संदीप कुमार और ब्रजेश कुमार (गोपालगंज) शामिल हैं। जबकि प्रिंस कुमार (गोपालगंज) मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। गिरोह आईपीएल के दौरान चर्चित गेम एप्स और अन्य फैंटेसी गेम एप्स में पैसा हार चुके लोगों को निशाना बनाता था। साइबर सेल को एक शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई थी, जिसके बाद एक संदिग्ध मोबाइल नंबर को ट्रैक कर टीम ने छापेमारी की। रेड के दौरान सभी आरोपी भागने लगे, लेकिन तीन को मौके पर ही दबोच लिया गया। जांच में खुलासा हुआ कि ये शातिर ठग टेलीग्राम एप के जरिए लोगों को चिन्हित करते थे जो पहले से गेम में हार चुके होते थे।गिरोह इन लोगों से संपर्क कर उन्हें विश्वास में लेते और दावा करते कि उनके पास स्पेशल ट्रिक है, जिससे अगली बार उन्हें बड़ी जीत दिलाई जाएगी। शुरूआत में डिजिटल पेमेंट के जरिए उनसे इन्वेस्टमेंट के नाम पर पैसे लिए जाते और फिर उनका नंबर ब्लॉक कर दिया जाता। साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार ने बताया कि यह गिरोह अब तक करीब 200 से अधिक लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर चुका है। इनका नेटवर्क न सिर्फ बिहार बल्कि मुंबई सहित कई बड़े शहरों तक फैला है। सभी आरोपी इस ठगी को बाकायदा ट्रेनिंग लेकर अंजाम देते थे। फिलहाल पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

5 करोड़ की लागत से होगा 38 गली-नाली का पक्कीकरण

बांका । कटोरिया नगर परिषद क्षेत्र के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरूआत की जा रही है। नगर परिषद 38 गली-नाली का पक्कीकरण करेगी, जिस पर 5 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होंगे। टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और काम को तीन महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शहर में शिवाजी पार्क के पास 60 लाख रुपए की लागत से वेंडिंग जोन का निर्माण किया जाएगा। इससे सड़क किनारे दुकान लगाने वालों को उचित स्थान मिलेगा और जाम की समस्या से निजात मिलेगी। यह काम छह महीने में पूरा होगा। सर्किट हाउस के पास स्थित दुर्गा पोखर के सुंदरीकरण के लिए 1.26 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इस काम को नौ महीने में पूरा किया जाएगा। वार्ड नंबर चार में फारम बांध पर 1.68 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक पार्क बनेगा। अमरपुर नगर परिषद के वार्ड नंबर सात में चंदसार पोखर का कायाकल्प 1.92 करोड़ रुपए की लागत से होगा। इसमें सीढ़ी घाट और पौधारोपण की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कार्यपालक पदाधिकारी रविशंकर कुमार इन विकास ने बताया कि कार्यों से नगर क्षेत्र में सुविधाओं का विस्तार होगा। शहर का स्वरूप बदलेगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

संक्षिप्त डायरी

फुटपाथ दुकानदारों का ठेकेदारों की मनमानी वसूली के खिलाफ प्रदर्शन

जहानाबाद । फुटपाथ दुकानदारों ने ठेकेदारों की मनमानी वसूली के खिलाफ प्रदर्शन किया। दुकानदारों ने उप विकास आयुक्त का पुतला दहन किया। दुकानदार संजय कुमार ने बताया कि जिला परिषद ने कुछ दमन ठेकेदारों को ठेकेदारी दी है। ये ठेकेदार प्रतिदिन 50 रुपए की वसूली कर रहे हैं। दुकानदार सब्जी, मीट और मछली बेचकर मुश्किल से अपना पेट पाल रहे हैं। ऐसे में प्रतिदिन 50 रुपए देना उनके लिए संभव नहीं है। दुकानदारों की मुख्य मांग है कि फुटपाथ दुकानदारों के लिए सेफ जोन बनाया जाए। जहां वे सही तरीके से व्यापार कर सकें। वर्तमान में ठेकेदार पैसे वसूल रहे हैं और जिला प्रशासन दुकानें हटा रहा है। प्रशासन की इस दोहरी नीति से दुकानदार परेशान हैं। दुकानदारों ने कई सुझाव दिए हैं। उनका कहना है कि जिला परिषद अपने कर्मचारी के माध्यम से वसूली करे, या फिर फुटपाथ दुकानदारों का रजिस्ट्रेशन किया जाए। उनके बैंक खाते से पैसे जमा करने की व्यवस्था की जाए। इससे ठेकेदारों की मनमानी पर रोक लगेगी। दुकानदारों ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गई तो धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

नालंदा में बुजुर्ग की मौत, आंधी और बारिश से स्कूल की छत गिरी

नालंदा। जिले में आई तेज आंधी और बारिश ने एक बार फिर तबाही मचाई है। जहां खेतों में बची-खुची फसल बर्बाद हो गई, वहीं एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत और एक विद्यालय की छत गिरने की घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। तेज हवा और बारिश के कारण गेहूं, मक्का, मूंग और प्याज की फसल को भारी नुकसान हुआ है। इससे पहले गुरुवार को आई आंधी ने भी फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया था। शनिवार रात की आंधी ने किसानों की रही-सही उम्मीदों पर भी पानी फेर दिया। एकंगरसराय प्रखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय धनहर की छत तेज हवा के कारण गिर गई। गनीमत रही कि यह हादसा रात में हुआ, जब स्कूल में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। अस्थावां थाना क्षेत्र के उगावां गांव में एक हृदयविदारक हादसा हुआ। गांव के 62 वर्षीय बालेश्वर पासवान, जो स्वर्गीय फौजदारी पासवान के पुत्र थे, तेज हवा के कारण छत से नीचे गिर गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि वे बच्चों को छत से नीचे उतारने के बाद कपड़े समेटने के लिए दोबारा छत पर गए थे, तभी तेज झोंका उन्हें गिरा ले गया। घटना की सूचना मिलते ही अस्थावां थानाध्यक्ष लालमुनी दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा तेज हवा के कारण हुआ।

जय भीम पदयात्रा में शामिल हुए पीएम मोदी के मंत्री, कहा- बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है

पटना। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने जय भीम पदयात्रा का आयोजन किया। पटना के गांधी मैदान में भाजपा के दिग्गज नेताओं के साथ दलित समाज के सैकड़ों लोग इस यात्रा में शामिल होने पहुंचे। गांधी मैदान से पटना हाईकोर्ट तक यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज युवाओं को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। आप सबको बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। हमारा उद्देश्य भी यही है। आप सभी युवाओं को देश की बागडोर संभालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में पांच हजार से अधिक जगहों पर बाबा साहेब की जयंती पर पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 1985 में राजीव गांधी ने 21वीं सदी के भारत का सपना दिखाया था, लेकिन उसे साकार करने के लिए कोई स्पष्ट मार्ग नहीं था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वह मार्ग दिखा रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत का संकल्प लिया और देश को उस दिशा में अग्रसर किया है। इस पदयात्रा में बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस अवसर पर दलित समाज के युवाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

सीएम नीतीश कुमार ने पटना में किया जेवियर विश्वविद्यालय का उद्घाटन

संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पटना जेवियर विश्वविद्यालय का शिलापट्ट अनावरण और फीता काटकर उद्घाटन किया।

उद्घाटन के बाद सीएम नीतीश ने विश्वविद्यालय भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संेट जेवियर कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं से भी मुलाकात की।इस दौरान शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया। वहीं, विश्वविद्यालय प्रबंधन ने अंगवस्त्र और प्रतीक चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।

ज्ञात हो कि 36 एकड़ के हरे भरे परिसर में फैला पटना जेवियर विश्वविद्यालय एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है जो चरित्र निर्माण, शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय कई विषयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रदान करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को लगातार विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में नेतृत्व करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार करना है। विश्वविद्यालय के उद्घाटन अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ, जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार, जेवियर विश्वविद्यालय, पटना के कुलाधिपति फादर विमल किशोर एसजे समेत अन्य अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे।

'भीम संवाद' में बोले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

हमने सब जाति के लिए काम किया

पटना। भारत रत्न डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती को लेकर आज बिहार की सियासी गलियारे में काफी हलचल है। सुबह भाजपा के केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली गई। दोपहर जनता दल यूनाईटेड की ओर से भीम संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बापू सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार मुख्य अतिथि का तौर पर शामिल हुए। लेकिन, सीएम नीतीश कुमार ने ही मंत्री अशोक चौधरी का स्वागत किया। उन्होंने एक नहीं दो दो बार शॉल ओढ़ाकर मंत्री अशोक चौधरी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि मैं बाबासाहेब को नमन करता हूं। आप सभी बिहार वासियों को उनकी जयंती की शुभकामनाएं देता हूं। सीएम ने कहा कि मैं तो उनके घर पर भी कई बार गया हूं। उनके घर पर परिवार के लोगों से भी मिला हूं। देश के लिए उन्होंने बहुत ज्यादा काम किया है। संविधान की रचना कोई मामूली बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी पार्टी जनता दल यूनाइटेड पांच महापुरुषों को अपना प्रेरणास्त्रोत मानती है। इनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राममनोहर लोहिया, लोकनायक जयप्रकाश नारायण तथा जननायक कपूर्री ठाकुर के नाम शामिल हैं। इन पांच महापुरुषों द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर प्रारंभ से ही हमलोग बिहार के हर क्षेत्र में विकास का काम निरंतर कर रहे हैं। हमलोग सभी जाति-धर्म के लोगों के विकास के लिए हर प्रकार से काम कर रहे हैं। वह चाहे दलित हो, महादलित हो, पिछड़ा हो, अतिपिछड़ा हो, अपर कास्ट हो, अल्पसंख्यक हो या महिलाएं हों, सभी के उत्थान के लिए काम किया जा रहा है। किसी की उपेक्षा नहीं की गई है। वर्ष 2005 से पहले बिहार के लोगों ने जिन्हें मौका दिया उन्होंने कोई काम नहीं किया। एक बार फिर से लालू राबड़ी राज की याद दिलाते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पहले कोई कुछ काम नहीं करता था। जब हमलोग सरकार में आए तो लोगों के लिए बहुत काम किया। इतना ज्यादा महिलाओं के लिए काम किया। सब जाति के लिए हमने काम किया है। कुछ दिन पहले मैं प्रगति यात्रा पर निकला था। जहां कमी दिखी, उसे पूरा करने का निर्देश दिया है। वहीं मंत्री अशोक चौधरी से कहा कि इनको मैं बधाई देता हूं। इनसे हम यही कहेंगे। जितना काम पूरे देश में किया जा रहा है। आप सभी जगह जो हमारा काम है, उसे पूरा कराइएगा। सीएम के अलावा केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, मंत्री विजय चौधरी, पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा समेत सभी वरीय नेता और कार्यकर्ता समारोह में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि नवंबर 2005 में पहली बार नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने थे। तब से लेकर आज तक बाबासाहेब के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। नीतीश कुमार ने नारा दिया था कि ₹न्याय के साथ विकास₹। इसके 2006 से बाबा साहेब की जयंती पर यह कार्यक्रम चला आ रहा है। ललन सिंह ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार में कोई काम नहीं हुआ था। इनलोगों ने 15 साल तक बिहार को बर्बाद कर दिया। तेजस्वी पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग दिन में हसीन सपना देख रहे हैं, लेकिन कभी सीएम नहीं बन पाएंगे।

भारत रत्न बाबासाहेब

भारत के संविधान निर्माता.... दलितों व पिछड़ो के मसीहा... समाज सुधार के प्रेरक...

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल , 1891 – 6 दिसंबर, 1956) एक भारतीय विधिवेत्ता थे। वे एक बहुजन राजनीतिक नेता, और एक बौद्ध पुनरुत्थानवादी होने के साथ साथ, भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार भी थे। उन्हें बाबासाहेब के नाम से भी जाना जाता है। इनका जन्म एक गरीब अस्पृश्य परिवार मे हुआ था। बाबासाहेब आंबेडकर ने अपना सारा जीवन हिंदू धर्म की चतुवर्ण प्रणाली, और भारतीय समाज में सर्वव्यापित जाति व्यवस्था के विरुद्ध संघर्ष में बिता दिया। हिंदू धर्म में मानव समाज को चार वर्णों में वर्गीकृत किया है। उन्हें बौद्ध महाशक्तियों के दलित आंदोलन को प्रारंभ करने का श्रेय भी जाता है। बाबासाहेब अम्बेडकर को भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया है, जो भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

कई सामाजिक और वित्तीय बाधाएं पार कर, आंबेडकर उन कुछ पहले अछूतों मे से एक बन गये जिन्होने भारत में कॉलेज की शिक्षा प्राप्त की। आंबेडकर ने कानून की उपाधि प्राप्त करने के साथ ही विधि, अर्थशास्त्र व राजनीतिक विज्ञान में अपने अध्ययन और अनुसंधान के कारण कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स से कई डॉक्टरेट डिग्रियां भी अर्जित कीं। आंबेडकर वापस अपने देश एक प्रसिद्ध विद्वान के रूप में लौट आए और इसके बाद कुछ साल तक उन्होंने वकालत का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने कुछ पत्रिकाओं का प्रकाशन किया, जिनके द्वारा उन्होंने भारतीय अस्पृश्यों के राजनैतिक अधिकारों और सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉ. आंबेडकर को भारतीय बौद्ध भिक्कू ने बोधिसत्व की उपाधि प्रदान की है।

प्रारंभिक जीवन

भीमराव रामजी आंबेडकर का जन्म ब्रिटिशों द्वारा केन्द्रीय प्रांत (अब मध्य प्रदेश में) में स्थापित नगर व सैन्य छावनी मऊ में हुआ था।[1] वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई मुरबादकर की 14 वीं व अंतिम संतान थे।[2] उनका परिवार मराठी था और वो अंबावडे नगर जो आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे है, से संबंधित था। वे हिंदू महार जाति से संबंध रखते थे, जो अछूत कहे जाते थे और उनके साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। अम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत थे, और उनके पिता, भारतीय सेना की मऊ छावनी में सेवा में थे और यहां काम करते हुये वो सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त की थी। उन्होने अपने बच्चों को स्कूल में पढने और कड़ी मेहनत करने के लिये हमेशा प्रोत्साहित किया।

कबीर पंथ से संबंधित इस परिवार में, रामजी सकपाल, अपने बच्चों को हिंदू ग्रंथों को पढ़ने के लिए, विशेष रूप से महाभारत और रामायण प्रोत्साहित किया करते थे। उन्होने सेना मे अपनी हैसियत का उपयोग अपने बच्चों को सरकारी स्कूल से शिक्षा दिलाने मे किया, क्योंकि अपनी जाति के कारण उन्हें इसके लिये सामाजिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा था। स्कूली पढ़ाई में सक्षम होने के बावजूद आंबेडकर और अन्य अस्पृश्य बच्चों को विद्यालय मे अलग बिठाया जाता था और अध्यापकों द्वारा न तो ध्यान ही दिया जाता था, न ही कोई सहायता दी जाती थी। उनको कक्षा के अन्दर बैठने की अनुमति नहीं थी, साथ ही प्यास लगने प ?र कोई ऊँची जाति का व्यक्ति ऊँचाई से पानी उनके हाथों पर पानी डालता था, क्योंकि उनको न तो पानी, न ही पानी के पात्र को स्पर्श करने की अनुमति थी। लोगों के मुताबिक ऐसा करने से पात्र और पानी दोनों अपवित्र हो जाते थे। आमतौर पर यह काम स्कूल के चपरासी द्वारा किया जाता था जिसकी अनुपस्थिति में बालक आंबेडकर को बिना पानी के ही रहना पड़ता था। 1894 मे रामजी सकपाल सेवानिवृत्त हो जाने के बाद सपरिवार सतारा चले गए और इसके दो साल बाद, अम्बेडकर की मां की मृत्यु हो गई। बच्चों की देखभाल उनकी चाची ने कठिन परिस्थितियों में रहते हुये की। रामजी सकपाल के केवल तीन बेटे, बलराम, आनंदराव और भीमराव और दो बेटियाँ मंजुला और तुलासा ही इन कठिन हालातों मे जीवित बच पाये। अपने भाइयों और बहनों मे केवल अम्बेडकर ही स्कूल की परीक्षा में सफल हुए और इसके बाद बड़े स्कूल मे जाने में सफल हुये। अपने एक देशस्त ब्राह्मण शिक्षक महादेव अम्बेडकर जो उनसे विशेष स्नेह रखते थे के कहने पर अम्बेडकर ने अपने नाम से सकपाल हटाकर अम्बेडकर जोड़ लिया जो उनके गांव के नाम ß अंबावडे ß पर आधारित था।

रामजी सकपाल ने 1898 मे पुनर्विवाह कर लिया और परिवार के साथ मुंबई (तब बंबई)चले आये। यहाँ अम्बेडकर एल्फिंस्टोन रोड पर स्थित गवर्न्मेंट हाई स्कूल के पहले अछूत छात्र बने।[3] पढाई में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद, अम्बेडकर लगातार अपने विरुद्ध हो रहे इस अलगाव और, भेदभाव से व्यथित रहे। 1907 में मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद अम्बेडकर ने बंबई विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया और इस तरह वो भारत में कॉलेज में प्रवेश लेने वाले पहले अस्पृश्य बन गये। उनकी इस सफलता से उनके पूरे समाज मे एक खुशी की लहर दौड़ गयी , और बाद में एक सार्वजनिक समारोह उनका सम्मान किया गया इसी समारोह में उनके एक शिक्षक कृषणजी अर्जुन केलूसकर ने उन्हें महात्मा बुद्ध की जीवनी भेंट की, श्री केलूसकर, एक मराठा जाति के विद्वान थे। अम्बेडकर की सगाई एक साल पहले हिंदू रीति के अनुसार दापोली की, एक नौ वर्षीय लड़की, रमाबाई से तय की गयी थी।[3] 1908 में, उन्होंने एलिफिंस्टोन कॉलेज में प्रवेश लिया और बड़ौदा के गायकवाड़ शासक सहयाजी राव तृतीय से संयुक्त राज्य अमेरिका मे उच्च अध्धयन के लिये एक पच्चीस रुपये प्रति माह का वजीफा प्राप्त किया। 1912 में उन्होंने राजनीतिक विज्ञान और अर्थशास्त्र में अपनी डिग्री प्राप्त की, और बड़ौदा राज्य सरकार की नौकरी को तैयार हो गये। उनकी पत्नी ने अपने पहले बेटे यशवंत को इसी वर्ष जन्म दिया। अम्बेडकर अपने परिवार के साथ बड़ौदा चले आये पर जल्द ही उन्हें अपने पिता की बीमारी के चलते बंबई वापस लौटना पड़ा, जिनकी मृत्यु 2 फरवरी 1913 को हो गयी।

छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष

भारत सरकार अधिनियम 1919, तैयार कर रही साउथबोरोह समिति के समक्ष, भारत के एक प्रमुख विद्वान के तौर पर अम्बेडकर को गवाही देने के लिये आमंत्रित किया गया। इस सुनवाई के दौरान, अम्बेडकर ने दलितों और अन्य धार्मिक समुदायों के लिये पृथक निर्वाचिका और आरक्षण देने की वकालत की। 1920 में, बंबई में, उन्होंने साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरूआत की। यह प्रकाशन जल्द ही पाठकों मे लोकप्रिय हो गया, तब्, अम्बेडकर ने इसका इस्तेमाल रूढ़िवादी हिंदू राजनेताओं व जातीय भेदभाव से लड़ने के प्रति भारतीय राजनैतिक समुदाय की अनिच्छा की आलोचना करने के लिये किया। उनके दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान दिये गये भाषण ने कोल्हापुर राज्य के स्थानीय शासक शाहू चतुर्थ को बहुत प्रभावित किया, जिनका अम्बेडकर के साथ भोजन करना रूढ़िवादी समाज मे हलचल मचा गया। अम्बेडकर ने अपनी वकालत अच्छी तरह जमा ली, और बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना भी की जिसका उद्देश्य दलित वर्गों में शिक्षा का प्रसार और उनके सामाजिक आर्थिक उत्थान के लिये काम करना था। सन् 1926 में, वो बंबई विधान परिषद के एक मनोनीत सदस्य बन गये। सन 1927 में डॉ. अम्बेडकर ने छुआछूत के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने सार्वजनिक आंदोलनों और जुलूसों के द्वारा, पेयजल के सार्वजनिक संसाधन समाज के सभी लोगों के लिये खुलवाने के साथ ही उन्होनें अछूतों को भी हिंदू मंदिरों में प्रवेश करने का अधिकार दिलाने के लिये भी संघर्ष किया। उन्होंने महड में अस्पृश्य समुदाय को भी शहर की पानी की मुख्य टंकी से पानी लेने का अधिकार दिलाने कि लिये सत्याग्रह चलाया।

1 जनवरी 1927 को डॉ अम्बेडकर ने द्वितीय आंग्ल – मराठा युद्ध, की कोरेगाँव की लड़ाई के दौरान मारे गये भारतीय सैनिकों के सम्मान में कोरेगाँव विजय स्मारक मे एक समारोह आयोजित किया। यहाँ महार समुदाय से संबंधित सैनिकों के नाम संगमरमर के एक शिलालेख पर खुदवाये। 1927 में, उन्होंने अपना दूसरी पत्रिका बहिष्कृत भारत शुरू की, और उसके बाद रीक्रिश्टेन्ड जनता की। उन्हें बाँबे प्रेसीडेंसी समिति मे सभी यूरोपीय सदस्यों वाले साइमन आयोग 1928 में काम करने के लिए नियुक्त किया गया। इस आयोग के विरोध मे भारत भर में विरोध प्रदर्शन हुये, और जबकि इसकी रिपोर्ट को ज्यादातर भारतीयों द्वारा नजरअंदाज कर दिया गया, डॉ अम्बेडकर ने अलग से भविष्य के संवैधानिक सुधारों के लिये सिफारिशें लिखीं।

संविधान निर्माण

अपने विवादास्पद विचारों, और गांधी और कांग्रेस की कटु आलोचना के बावजूद अम्बेडकर की प्रतिष्ठा एक अद्वितीय विद्वान और विधिवेत्ता की थी जिसके कारण जब, 15 अगस्त, 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार अस्तित्व मे आई तो उसने अम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री के रूप में सेवा करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। 29 अगस्त 1947 को, अम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी के संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। अम्बेडकर ने मसौदा तैयार करने के इस काम मे अपने सहयोगियों और समकालीन प्रेक्षकों की प्रशंसा अर्जित की। इस कार्य में अम्बेडकर का शुरुआती बौद्ध संघ रीतियों और अन्य बौद्ध ग्रंथों का अध्ययन बहुत काम आया।

संघ रीति मे मतपत्र द्वारा मतदान, बहस के नियम, पूर्ववर्तिता और कार्यसूची के प्रयोग, समितियाँ और काम करने के लिए प्रस्ताव लाना शामिल है। संघ रीतियाँ स्वयं प्राचीन गणराज्यों जैसे शाक्य और लिच्छवि की शासन प्रणाली के निदर्श (मॉडल) पर आधारित थीं। अम्बेडकर ने हालांकि उनके संविधान को आकार देने के लिए पश्चिमी मॉडल इस्तेमाल किया है पर उसकी भावना भारतीय है।

अम्बेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान पाठ मे संवैधानिक गारंटी के साथ व्यक्तिगत नागरिकों को एक व्यापक श्रेणी की नागरिक स्वतंत्रताओं की सुरक्षा प्रदान की जिनमें, धार्मिक स्वतंत्रता, अस्पृश्यता का अंत और सभी प्रकार के भेदभावों को गैर कानूनी करार दिया गया। अम्बेडकर ने महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अधिकारों की वकालत की, और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए सिविल सेवाओं, स्कूलों और कॉलेजों की नौकरियों मे आरक्षण प्रणाली शुरू के लिए सभा का समर्थन भी हासिल किया, भारत के विधि निर्माताओं ने इस सकारात्मक कार्यवाही के द्वारा दलित वर्गों के लिए सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के उन्मूलन और उन्हे हर क्षेत्र मे अवसर प्रदान कराने की चेष्टा की जबकि मूल कल्पना मे पहले इस कदम को अस्थायी रूप से और आवश्यकता के आधार पर शामिल करने की बात कही गयी थी. 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद, बोलते हुए, अम्बेडकर ने कहा =

मैं महसूस करता हूं कि संविधान, साध्य (काम करने लायक) है, यह लचीला है पर साथ ही यह इतना मज़बूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों के समय जोड़ कर रख सके। वास्तव में, मैं कह सकता हूँ कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य अधम था।

1951 मे संसद में अपने हिन्दू कोड बिल के मसौदे को रोके जाने के बाद अम्बेडकर ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया इस मसौदे मे उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की मांग की गयी थी। हालांकि प्रधानमंत्री नेहरू, कैबिनेट और कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने इसका समर्थन किया पर संसद सदस्यों की एक बड़ी संख्या इसके खिलाफ़ थी। अम्बेडकर ने 1952 में लोक सभा का चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें संसद के ऊपरी सदन यानि राज्य सभा के लिए नियुक्त किया गया और इसके बाद उनकी मृत्यु तक वो इस सदन के सदस्य रहे।

देश में अलग-अलग जाति नहीं सिर्फ इंसान रहें

भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें- यही चाहते थे डा. अंबेदकर।

स्वतंत्रता प्राप्ति में बड़े-बड़े नेताओं की अपनी भूमिका रही है, लेकिन सामाजिक न्याय के संदर्भ में डा. भीमराव अंबेदकर का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। डा. अंबेदकर का जीवन संघर्षों का एक सफरनामा है। इतने पढ़े-लिखे होने के बावजूद एक गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण उन्हें अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कांशीराम और मायावती जैसे राजनेताओं ने दलितों के आंदोलन को नई दिशा देने का ह्रश्वयास किया। काफी हद तक वे कामयाब भी रहे, लेकिन अंबेदकर का दृष्टिकोण इनसे पृथक था। उन्होंने अपने विचार और कार्यशैली से किसी भी स्तर पर दलित समाज को जो दिया, वैसा योगदान राष्ट्रहित को दृष्टिगत रखते हुए कोई नहीं दे सकता। वे चाहते थे कि भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए देश और समाज में दलितों का सम्मान बढ़े और उन्हें वांछित अधिकार मिल सकें।

अंततः डा. अंबेदकर का संघर्ष रंग लाया। दलित कामयाबी की राह पर अग्रसर हुआ। शिखर पर पहुंचा, लेकिन धीरे-धीरे दलित आंदोलन में भटकाव आया। वह सामाजिक परिवर्तन को ताक पर रखकर समानता, भाईचारा और दलित आंदोलन को भूल बैठा और अवसरवादी समझौते करते हुए टुकड़ों में बंटता गया। इसके बावजूद दलित स्वर मुखर एवं देश की भागीदारी में शिखर स्वर है। अभी भी दलितों में राजनीतिक इच्छाशर्ि त का अभाव है। अन्य वर्गों की दलितों के प्रति सहानुभूति कभी परिलक्षित नहीं हुई। आज का दलित नेतृत्व भी मनोवैज्ञानिक पीड़ा, सामाजिक शोषण, आर्थिक दुर्दशा और मानसिक उत्पीड़न का शिकार है। ऐसे में कैसे अपेक्षा करें कि दलित अपनी अस्मिता को बचाकर रख सकता है? दलित अलग-अलग प्रतिध्रुव बना रहे हैं। दलित ही आपस में कई फाकों में विभ त हैं, योंकि आज की विषम परिस्थितियों में दलित नेतृत्व के पास न तो वैचारिक सोच है, न ही सामाजिक ढांचे को मापदंड में लाने का पैमाना जो डा. अंबेदकर की सोच को अंजाम दे सके। अंग्रेजों के शासनकाल में देश में 2000 जातियां थीं। इस कारण नेतृत्व में डा. अंबेदकर सबल थे। आज जातियां बंटकर 4000 हो गई हैं। कहने का भाव यह है कि उतने ही संवेग में दलितों को संघर्ष करना होगा, तभी इसका लाभ मिल सकेगा। इसीलिए अंबेदकर चाहते थे कि देश में जाति न रहे, इंसान रहे। फरवरी 1933 में इंग्लैंड के गार्जियन समाचार पत्र और अमरीका के न्यूयार्क टाइ स के प्रतिनिधि भारतीय नेताओं का इंटरव्यू लेने आए। गांधी, जिन्ना और डा. अंबेदकर ने उन्हें मिलने का अलग-अलग समय दिया। रात्रि नौ बजे से 11 बजे के बीच समय दिए जाने के बावजूद गांधी और जिन्ना सोए हुए मिले। दो बजे दोनों संवाददाता डा. अंबेदकर के पास पहुंचे। उन्होंने प्रश्न किया कि आप इतनी रात तक जाग रहे हैं, जबकि गांधी और जिन्ना तो हमें सोए हुए मिले। डा. अंबेदकर ने बड़े ही सहज भाव से उत्तर दिया कि वे सोए हुए हैं, क्योंकि उनका समाज जाग रहा है और मैं इसलिए जाग रहा हूं क्योंकि मेरा समाज सोया हुआ है। वे अनभिज्ञ हैं, वे उनकी तरह जागरूक नहीं हैं। कहने का आशय है कि डा. अंबेदकर के विचारों के अनुकूल दलित नेतृत्व को नई दिशा देने वाला सही कर्णधार अभी दलितों में नहीं आ सका है। डा. अंबेदकर ने अपनी भोगी हुई पीड़ा से दलितों को दूर रखा। वे स्कूल में पढ़ नहीं सके, लेकिन दलितों को शिक्षा के अधिकार दिलाए। जो उन्होंने महसूस किया, उससे दलितों को दो-चार नहीं होने दिया लेकिन अंबेदकर को मानने वालों से कैसा व्यवहार किया जाता है, यह सर्वविदित है। डा. अंबेदकर का कहना था कि हमारा राष्ट्र हजारों जातियों में बंटा हुआ है, इसलिए हम एक राष्ट्र नहीं हो सकते। जब तक वर्णवादी व्यवस्था, जातिवाद कायम है, दलितों का उत्पीड़न एवं अत्याचार कम नहीं हो सकते। इसी मुद्दे पर उन्होंने गांधी से बड़ी मुश्किल से समझौता किया।

अंबेदकर की सोच थी कि संगठित होकर ही दलित सरकार बना सकते हैं, क्योंकि सुखभोगी सभी वर्ग अलग-अलग धर्मों में विभ त हैं। आज भी अनुसूचित वर्ग संगठित नहीं है, इसलिए तीसरी ताकत का गठन नहीं हो पा रहा है। कांशीराम के प्रयासों से दलित न केवल सत्ता में आए, बल्कि राष्ट्र की मुज्यधारा में भी शामिल हो गए, लेकिन उनके मुर्ि त के द्वार नहीं खुले। यही कारण है कि दलित वर्ग सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र में व्याप्त अंतर्विरोधों को कम नहीं कर सका और कष्ट भोगने को मजबूर है। बाबासाहब अंबेदकर ने दलितों को शिक्षा, संगठन और संघर्ष का नारा दिया। डा. अंबेदकर को कानूनमंत्री से नवाजे जाने का श्रेय केवल उनकी काबिलियत को जाता है। उन्हें जहां भी अवसर मिला वह दलित विकास की संरचना लागू करते गए। चाहे वह समय गोलमेज परिषद का हो, संविधान निर्माण की बात हो या गांधी से टकराव हो। वे जानते थे कि किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर वे दलितों का विकास नहीं कर सकते। आज भी दलित निष्ठावश डा. अंबेदकर का दिली स मान करते हैं किंतु वोट दूसरी पार्टी को देते हैं। दलित इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि आज नहीं तो कल यह ब्राह्मणवादी और दलित गठबंधन सभी को दिखाई देगा। इसलिए वे न तो बसपा को वोट देते हैं, न मायावती को, वे तो बाबा साहब के अहसानों को चुकाने के लिए विवश हैं। डा. अंबेदकर द्वारा निर्मित प्रावधानिक संविधान के उपभोग करने के बाद दलितों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा कि उनका समाज कहां है, इसलिए दलित राजनीति दिशाहीन हो गई है।

बौद्ध धर्म मे परिवर्तन

सन् 1950 के दशक में अम्बेडकर बौद्ध धर्म के प्रति आकर्षित हुए और बौद्ध भिक्षुओं व विद्वानों के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए श्रीलंका(तब सीलोन) गये। पुणे के पास एक नया बौद्ध विहार को समर्पित करते हुए, अम्बेडकर ने घोषणा की कि वे बौद्ध धर्म पर एक पुस्तक लिख रहे हैं, और जैसे ही यह समाप्त होगी वो औपचारिक रूप से बौद्ध धर्म अपना लेंगे।[9] 1954 में अम्बेडकर ने बर्मा का दो बार दौरा किया; दूसरी बार वो रंगून मे तीसरे विश्व बौद्ध फैलोशिप के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गये। 1955 में उन्होने भारतीय बुद्ध महासभा या बौद्ध सोसाइटी ऑफ इंडिया की स्थापना की। उन्होंने अपने अंतिम लेख, द बुद्ध एंड हिज़ धम्म को 1956 में पूरा किया। यह उनकी मृत्यु के पश्चात प्रकाशित हुआ। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अम्बेडकर ने खुद और उनके समर्थकों के लिए एक औपचारिक सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया. अम्बेडकर ने एक बौद्ध भिक्षु से पारंपरिक तरीके से तीन रत्न ग्रहण और पंचशील को अपनाते हुये बौद्ध धर्म ग्रहण किया। इसके बाद उन्होने एक अनुमान के अनुसार लगभग 500000 समर्थको को बौद्ध धर्म मे परिवर्तित किया।[9] नवयान लेकर अम्बेडकर और उनके समर्थकों ने हिंदू धर्म और हिंदू दर्शन की स्पष्ट निंदा की और उसे त्याग दिया। इसके बाद वे नेपाल में चौथे विश्व बौद्ध सम्मेलन मे भाग लेने के लिए काठमांडू गये। उन्होंने अपनी अंतिम पांडुलिपि बुद्ध या कार्ल मार्क्स को 2 दिसंबर 1956 को पूरा किया।

डा बी.आर. अम्बेडकर ने दीक्षा भूमि, नागपुर, भारत में ऐतिहासिक बौद्ध धर्म में परिवर्तन के अवसर पर,15 अक्टूबर 1956 को अपने अनुयायियों के लिए 22 प्रतिज्ञाएँ निर्धारित कीं.800000 लोगों का बौद्ध धर्म में रूपांतरण ऐतिहासिक था क्योंकि यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक रूपांतरण था.उन्होंने इन शपथों को निर्धारित किया ताकि हिंदू धर्म के बंधनों को पूरी तरह पृथक किया जा सके.ये 22 प्रतिज्ञाएँ हिंदू मान्यताओं और पद्धतियों की जड़ों पर गहरा आघात करती हैं. ये एक सेतु के रूप में बौद्ध धर्मं की हिन्दू धर्म में व्याप्त भ्रम और विरोधाभासों से रक्षा करने में सहायक हो सकती हैं.इन प्रतिज्ञाओं से हिन्दू धर्म,जिसमें केवल हिंदुओं की ऊंची जातियों के संवर्धन के लिए मार्ग प्रशस्त किया गया, में व्याप्त अंधविश्वासों, व्यर्थ और अर्थहीन रस्मों, से धर्मान्तरित होते समय स्वतंत्र रहा जा सकता है.

ओला इलेक्ट्रिक के बिक्री के आंकड़ों को लेकर विवाद

नई दिल्ली।

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के बिक्री को लेकर जारी किए गए आंकड़ों पर विवादों में घिरी हुई है। फरवरी 2025 में जारी हुए आंकड़े को लेकर पांच हफ्ते बीतने के बाद भी कंपनी को सफाई देनी पड़ रही है। वजह है कंपनी द्वारा बताए गए 25,000 यूनिट्स की बिक्री और व्हीकल रजिस्ट्रेशन के आधिकारिक आंकड़ों के बीच भारी अंतर।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को दिए जवाब में ओला ने ऐसे वाहनों को भी शामिल कर लिया, जो बाजार में लॉन्च ही नहीं हुए थे। 9 अप्रैल को ओला इलेक्ट्रिक ने एक्सचेंजों को एक बयान जारी कर बताया कि फरवरी की बिक्री की जानकारी उन कन्फर्म ऑर्डरों पर आधारित थी, जिनमें से लगभग 90 प्रतिशत ऑर्डर प्लेसमेंट के समय पूरी तरह भुगतान किए जा चुके थे। कंपनी के मुताबिक इन ऑर्डरों में जेन 3 और रोडस्टेर एक्स जैसे नए प्रोडक्ट भी शामिल थे, जो फरवरी में फुल पेमेंट के साथ खरीदे जा सकते थे। हालांकि, सच्चाई यह है कि ओला इलेक्ट्रिक ने फरवरी में वाहन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बाहरी एजेंसियों से हटाकर इन-हाउस कर दी थी, जिससे देशभर के आरटीओ के साथ उनके संबंधों में बाधा आई और रजिस्ट्रेशन डेटा प्रभावित हुआ।

सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े बताते हैं कि फरवरी में ओला की सिर्फ 8,649 यूनिट्स ही रजिस्टर्ड हुईं, जो कंपनी के दावे की एक तिहाई है। 1 मार्च को सामने आए इन आंकड़ों ने सवाल खड़े कर दिए कि जब वाहन रजिस्ट्रेशन के बिना उन्हें बेचा नहीं जा सकता, तो फिर ओला के 25,000 यूनिट्स की बिक्री का दावा कैसे सही हो सकता है। केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, वाहन की डिलीवरी से पहले उसका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। अब ओला इलेक्ट्रिक पर आरोप है कि उसने निवेशकों और आम जनता को गुमराह करने के लिए बिक्री के आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया।

बाइक सीबी 300 आर की कुछ यूनिट्स को वापस मंगवाने का फैसला

नई दिल्ली।

अपनी प्रीमियम बाइक सीबी300आर की कुछ यूनिट्स को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने हेडलाइट से जुड़ी तकनीकी खामी के कारण वापस मंगवाने का फैसला किया है। यह रिकॉल 2018 से 2020 के बीच निर्मित यूनिट्स के लिए लागू होगा। कंपनी ने यह कदम वैश्विक स्तर पर उठाए गए ऐसे ही सुधारात्मक एक्शन के अनुरूप उठाया है। कंपनी का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह एहतियातन है और इसके तहत प्रभावित यूनिट्स के खराब हिस्सों को बदला जाएगा। कंपनी ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे 'होंडा बिगविंग' वेबसाइट पर जाकर अपनी बाइक की विशिष्ट वाहन पहचान संख्या (वीआईएन) दर्ज करें, जिससे यह पता लगाया जा सके कि उनकी बाइक इस रिकॉल अभियान के तहत आती है या नहीं। यदि वीआईएन नंबर प्रभावित बैच से मेल खाता है, तो ग्राहक नजदीकी सर्विस सेंटर पर जाकर फ्री में मरम्मत करा सकते हैं।

होंडा सीबी300आर एक प्रीमियम कैटेगरी की बाइक है जिसकी दिल्ली में एक्स-शोरूम कीमत करीब 2.40 लाख रुपये है और ऑन रोड कीमत लगभग 2.73 लाख रुपये तक जाती है। मार्च 2022 में लॉन्च हुई अपडेटेड सीबी300आर में नया बीएस-6 इंजन दिया गया है, हालांकि बाइक के बाकी फीचर्स और स्पेसिफिकेशन लगभग पहले जैसे ही हैं। इस तरह की तकनीकी समस्याओं से ब्रांड की साख पर असर पड़ सकता है, लेकिन कंपनी की ओर से समय रहते उठाया गया।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पहुंचेगा नए ऊंचाई पर

सरकार सेमीकंडक्टर और एआई मिशन तेज रफ्तार से आगे

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने अपने सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन को तेज़ी से आगे बढ़ाने का किया ऐतिहासिक प्रयास। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि भारत ने 2030 तक 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन की उत्कृष्टता की दिशा में कदम बढ़ाया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, भारत में कई योजनाएं और पहले शुरू की गई हैं। मंत्री ने बताया कि भारत में 25 ऐसे चिपसेट डिजाइन किए जा रहे हैं जिनकी बौद्धिक संपदा भारत के पास होगी। इन चिप्स का इस्तेमाल सुरक्षा से जुड़े उपकरणों में किया जाएगा। सरकार ने देशभर के 240 कॉलेजों और संस्थानों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स भी दिए हैं। इन टूल्स का उपयोग करके छात्रों ने पहले 20 चिप्स का निर्माण किया है जो अब मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर लैब में तैयार हो जाएगा। इस पहल से भारत में स्टार्टअप्स और प्रतिभा विकास को मिलेगी मजबूत सहायता। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में पिछले दशक में 17 फीसदी की सीएजीआर से 5 गुना वृद्धि हुई है और 25 लाख से अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं। इसके अलावा, भारत में एआई क्षेत्र में उच्च कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध करवाने के लिए जीपीयू आधारित कंपनियों का नया पैनल भी तैयार हो रहा है। सरकार ने 27 विशेष ऐप जैसे कृषि, मौसम, जलवायु और शिक्षा से जुड़े एआई समाधान विकसित किए जा रहे हैं। इस सफलता के लिए मंत्री ने भी डिजिटल निजी डेटा सुरक्षा अधिनियम के महत्व को उजागर किया और विश्वसनीय डेटा की गुप्तता सुनिश्चित करने के लिए सरकार का पूरा समर्थन जताया। उन्होंने कानून की जल्दी से सार्वजनिक किया जाने की भी जानकारी दी।

रिजर्व बैंक खरीदेगा 40,000 करोड़ के सरकारी बॉन्ड

2028 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बांड शामिल

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है` कि वह 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) के जरिए खरीदेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है` वित्तीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई लिक्विडिटी को संभालना। रिजर्व बैंक द्वारा खरीदे जाने वाले बॉन्ड मल्टीपुल विपरीतों के बीच से 2028 और 2039 में मैच्योर किए गए हैं। यह कदम आरबीआई के सिस्टम में शामिल होने वाले हाल ही के कदमों का एक और उदाहरण है जो लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए उठाए गए हैं। इसके अलावा, 3 अप्रैल को आयोजित ओएमओ नीलामी में वित्तीय संस्थानों से 2029 और 2039 के बीच मैच्योर किए गए बॉन्ड पर 80,820 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। इसके अतिरिक्त, 8 अप्रैल की नीलामी में 2032 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बॉन्ड पर 70,144 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। आगामी 3, 8, 22 और 29 अप्रैल को भी 20,000 करोड़ रुपए की चार बराबर किस्तों में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा आरबीआई ने मार्च में भी 50,000 करोड़ रुपए की दो किस्तों में 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी

सिक्योरिटीज की ओएमओ खरीद की थी। वहीं केंद्रीय बैंक ने 36 महीनों के लिए 10 बिलियन डॉलर की डॉलर-रुपया खरीद/बिक्री स्वैप नीलामी भी आयोजित की थी।

अमेरिका ने स्मार्टफोन और लैपटॉप पर टैरिफ हटाया

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को हटा दिया है, जिससे वैश्विक टेक जगत में एक उत्साहपूर्ण तेजी की लहर दौड़ गई है। यह नया फैसला 5 अप्रैल से लागू हो गया है और एप्पल, सैमसंग, जैसे बड़ी कंपनियों के लिए एक प्रकार से राहत की किरण बन सकता है। इस निर्णय से कुछ देश अवसरों से भरपूर महसूस कर रहे हैं, हालांकि चीन को तुरंत लाभ मिलेगा। चीन ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने का जवाब देकर अपने द्वारा भी ऐसे उत्पादों पर कर बढ़ा दिया है जिससे अमेरिका को चीनी उत्पादों में सस्ताई की संभावना है। भारत के लिए भी इस निर्णय से अवसर है, लेकिन भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह इस अवसर का सही तरीके से फायदा उठा सके और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस निर्णय से भारत को नया धारा मिल सकता है और वह इसे अच्छे से उपयोग कर सकता है।

बाबा रामदेव की शरबत जिहाद को लेकर आलोचना

वीडियो में योग गुरु ने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया

नई दिल्ली।

पतंजलि योग गुरु बाबा रामदेव की आयुर्वेद कंपनी ने हाल ही में अपने नए विज्ञापन के माध्यम से धर्म के मामले पर चर्चा खड़ी की है। इस विज्ञापन में पतंजलि ने पुराने ढर्रे वाले शरबत ब्रांडों पर धन और धर्म की बर्बादी का तर्क दिया है। उन्होंने ग्राहकों से उनकी शरबत को सबसे आगे रखने की अपील की है, इसके साथ ही बाबा रामदेव द्वारा एक वीडियो में किए गए शरबत जिहाद के दावे को लेकर आलोचना भी दी गई है। बाबा रामदेव के वीडियो में उन्होंने सॉफ्ट ड्रिंक्स को टॉयलेट क्लीनर के जैसा बताया है, और उन्होंने इसे गर्मियों में प्यास बुझाने के बहाने से जहर के समान बताया है। इसी कंटेंट में रामदेव ने कहा है कि एक शरबत बेचने वाली कंपनी अपने कमाई का हिस्सा मस्जिद और मदरसे बनाने में खर्च करती है, जिसे उन्होंने शरबत जिहाद कहा है। यह कंट्रोवर्शल बयान ने लोगों में मीडिया और सामाजिक मंचों पर बहुत ही चर्चा का विषय बन दिया है। बाबा रामदेव की शरबत जिहाद पर आलोचना और पतंजलि की धर्म पर आधारित विज्ञापन ने भारतीय समाज में खुद विचार करने पर मजबूर कर दिया है। विज्ञापनों और सोशल मीडिया के इस युद्ध ने भारतीय जनता को इस सच्चाई का सामना करने पर मजबूर किया है कि किस तरह कंपनियां अपने उत्पादों को बेचने के लिए अलग-अलग रास्ते चुन रही हैंा दर्शाता है। टेक महिंद्रा के एक अे धिकारी ने टेक्सास को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के लिए एक उभरती हुई शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि नॉर्थ टेक्सास में एक शीर्ष नियोक्ता होने के कारण

हम नई सुविधा के खुलने का स्वागत करते हैं। यह ग्राहकों, पार्टनर्स और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

टाटा कर्व और कर्व-ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च

शुरुआती कीमत 16.49 लाख रुपए

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार में अपनी लोके प्रिय कूपे एसयूवी टाटा कर्व और कर्व ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च कर दिए हैं। दोनों कार को ऑल-ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। ये लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर के साथ आती है। कर्व डार्क एडिशन हायर वैरिएंट अक्म्पलिश्ड एस और अक्म्पलिश्ड प्लस , जिसकी कीमत स्टैंडर्ड वैरिएंट से 32,000 रुपए ज्यादा है। वहीं, कर्व ईवी डार्क एडिशन सिर्फ टॉप स्पेक इम्पावर्ड+ ए वैरिएंट पर बेस्ड है, जिसकी कीमत रेगुलर मॉडल से 25,000 रुपए ज्यादा है। कर्व ईवीर डार्क एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 22.24 लाख रुपए रखी गई है। वहीं, कर्व आईसीई वर्जन की कीमत 16.49 लाख रुपए से शुरू होती है, जो 19.52 लाख रुपए तक जाती है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में तेजी रही

बीईएल शेयर पहुंचा 287 रुपये के हाई पर

नई दिल्ली। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली। शेयर में 1.84 फीसदी की बढ़त आई और यह 285.30 रुपये पर कारोबार करता दिखा। यह तेजी उन निवेशकों के लिए राहत लेकर आई है जो लंबे समय से इस स्टॉक में निवेश किए हुए हैं। टाटा स्टल शेयर बाय रेटिंग के साथ टाटा स्टील में तेजी की उम्मीद है।` विशेषज्ञ बोले, 180 रुपये तक बढ़ेगा स्टॉक दिन की शुरुआत में बीईएल का शेयर 283 रुपये पर खुला और कुछ ही समय में यह 287 रुपये के हाई लेवल तक पहुंच गया। वहीं इसका न्यूनतम स्तर 282.65 रुपये रहा। यह दर्शाता है कि शेयर में दिनभर हल्का-फुल्का उतार-चढ़ाव रहा, लेकिन सकारात्मक रुझान के साथ बंद हुआ।

टाटा अल्ट्राज रेसर पर मिल रही छूट

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने 2024 में अल्ट्राज रेसर को लॉन्च करते हुए इसे एक देसी हॉट हैचबैक के रूप में पेश किया था। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस है और अल्ट्राज रेसर को 0 से 100 केएमपीएच की रफ्तार तक महज 11 सेकंड में पहुंचा सकता है। यह कार अल्ट्राज के रेग्युलर मॉडल पर आधारित है, लेकिन इसमें ज्यादा पावरफुल 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 118 बीएचपी और 170 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी ने इस स्पोर्टी कार को फंट वेंटिलेटेड सीट्स, सनरूफ, स्पोर्टी एग्जॉस्ट साउंड और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स के साथ पेश किया था। हालांकि, खरीदारों से इस कार को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला और इसकी सेल्स कंपनी की अपेक्षाओं से काफी कम रही। अब टाटा मोटर्स अल्ट्राज रेसर की बिक्री बढ़ाने के लिए इस पर भारी छूट दे रही है। रेस ट्रैक पर इसके शानदार ड्राइविंग डायनामिक्स इसे अपने सेगमेंट की अन्य कारों की तुलना में तेज बनाते हैं। कंपनी को उम्मीद है कि नई छूट के साथ यह कार ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित कर सकेगी। एमवाय 2024 मॉडल पर कुल 1.35 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है, जिसमें 85,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 50,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस या एक्सचेंज ऑफर शामिल है। फिलहाल मुंबई में इस कार की ऑन-रोड कीमत 11.01 लाख रुपये से शुरू होकर 12.94 लाख रुपये तक जाती है। इस बजट में अल्ट्राज रेसर एक परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड, फीचर-लोडेड कार के रूप में उभरती है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में रही मामूली गिरावट

सेंसेक्स 429.40 अंक बढ़कर 22,828 पर बंद

निफ्टी 524.75 अंक बढ़कर 22,923 पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए टै रिफ की वजह से बीते सप्ताह` पिछले सप्ताह मामूल ` गिरावट के साथ बंद हुए।` पिछले सप्ताह गुरुवार को महावीर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहने की वजह से एक ` दिन कम कारोबार हुआ। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी` गिरावट देखी गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4000 अंक के करीब गिरकर 71,449.94 पर खुला और 2,226.79 अंक गिरकर 73,137.90 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 21,758.40 पर खुला और 742.85 अंक गिरकर 22,161.60 पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में बढ़त के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में रौनक लौट आई। सेंसेक्स 1175.90 की बढ़त के साथ 74,313.80 अंक पर खुला और 1,089.18 अंक उछलकर 74,227.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी तेजी आई, यह 390 अंक से ज्यादा के साथ 22,446.75 पर खुला

और 374.25 अंक या 1.69 प्रतिशत बढ़कर 22,535.85 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीते दिन शेयर बाजार की तेज रफ्तार ब्रेक लगाते हुए सेंसेक्स और निफ्टी नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करते दिखे। सेंसेक्स 554.02 अंक गिरकर 73,673.06 अंक पर खुला और 379.93 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 73,847.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 178.85 अंक गिरकर 22,357 अंक पर खुला और 182.6 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 22,353.25 अंक पर बंद हुआ। अमेरिका की ओर से 9 जुलाई तक 90 दिनों के लिए भारत पर पर लगने वाले जवाबी टैरिफ को टालने की घोषणा के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क शेयर सूचकांक उछले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 1,469.21 अंक बढ़कर 75,342.70 अंक पर खुला और 429.40 अंक बढ़कर 22,828.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 472.25 बढ़कर 22,871.40 के स्तर पर खुला 524.75 अंक या 2.34 प्रतिशत बढ़कर 22,923.90 अंक पर बंद हुआ।

रेटिंग के साथ टाटा स्टील में तेजी की संभावना

टाटा स्टील का शेयर 4.95 फीसदी बढ़कर 133.47 रुपए पर बंद हुआ

नई दिल्ली। टाटा स्टील लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को एक शानदार बढ़त देखने को मिली। इस दिन के अंत तक, टाटा स्टील का शेयर 4.95 फीसदी बढ़कर 133.47 रुपये पर बंद हुआ। दिन की शुरुआत 134.67 रुपये से हुई थी और यह शेयर दिनभर के ट्रेडिंग के दौरान अच्छी बढ़त देखने को मिली। शुक्रवार को टाटा स्टील के शेयर ने 134.70 रुपये के साथ दिन का उच्चतम स्तर को छुआ। वहीं दिन का न्यूनतम स्तर 130.49 रुपये था। पूरे दिन के दौरान, यह शेयर 130.49 रुपये से 134.70 रुपये के बीच कारोबार करता रहा, जो इसकी स्थिरता और तेजी को दर्शाता है।

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से निकाले 31,575 करोड़

21 मार्च से 28 मार्च तक एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है।

बाजार के जानकारों ने कहा` कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा` कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं, क्योंकि अमेरिका और चीन दोनों ही मौजूदा व्यापार युद्ध के चलते अपरिहार्य सुस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है।

समीक्षाधीन अवधि में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड से सामान्य सीमा के तहत 4,077 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 6,633 करोड़ रुपये निकाले हैं।

तेल की कीमतों में दूसरे हफ्ते भी गिरावट की संभावना

ब्रेंट इस सप्ताह 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध की आशंका से लगातार दूसरे सप्ताह भी तेल में गिरावट का रुझान देखा गया। ब्रेंट क्रूड वायदा 0.25 फीसदी तक चढ़कर 63.49 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यूएस टेक्सस इंटरमीडिएट क्रूड 0.25 फीसदी चढ़कर 60.22 डॉलर पर आ गया। ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में करीब 3 फीसदी की साप्ताहिक गिरावट हो सकती है। इन दोनों में पिछले सप्ताह करीब 11 फीसदी की गिरावट आई थी। ब्रेंट इस सप्ताह 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंचा जो फरवरी 2021 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। यूबीएस के एक विश्लेषक जियोवानी ने कहा कि ऊंचे अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ चीन की सख्त प्रतिक्रिया ने बाजार की धारणा को प्रभावित किया है और तेल कीमतों में कमजोरी आई है। चीन ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह अमेरिकी सामान पर शनिवार से 125 प्रतिशत शुल्क लगाएगा जो पहले की गई 84 प्रतिशत की घोषणा से अधिक है।

वैश्विक पोत परिवहन उद्योग पर लगेगा कार्बन कर

नई दिल्ली। भारत समेत 62 अन्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र की पोत परिवहन एजेंसी के उद्योग पर पहले वैश्विक कार्बन कर लगाने की मंजूरी दी है। इस हिसाब से जहाजों को कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कार्रवाई करनी होगी। यह निर्णय स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। लंदन में आयोजित एक सप्ताह की गहन बातचीत के बाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने इस मामले पर निर्णय लिया। इस समझौते के अनुसार, 2028 से जहाजों को कम उत्सर्जन वाले ईंधन का उपयोग करना होगा या फिर प्रदूषण के लिए शुल्क भुगतान करना होगा। इस से 2030 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई जा सकती है। यह समझौता अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीति के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है और इसके माध्यम से समुद्री क्षेत्र को

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डॉ. आम्बेडकर

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निमार्ता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब आम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को जाता है।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था।

डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

संपादकीय

प्रदूषण से जंग

दिल्ली में प्रदूषण से जूझने और धूल-मिट्टी को दबाने के लिए पानी का छिड़क ाव करने वाले यंत्र लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विशेष साक्षात्कार के दौरान कहा कि उनकी सरकार सुनिश्चित करेगी कि पानी का छिड़काव करने वाले उपकरण और स्मॉग गन पूरे साल काम करें। दिल्ली की हवा में धूल का बड़ा योगदान है। धूल सिर्फ सर्दियों में ही नहीं, बल्कि गर्मियों में लू चलने के दौरान भी उड़ती देखी जाती है। अब सरकार एक हजार वाटर स्प्रिंकलर चलाएगी। चूंकि दिल्ली में नगर निगम के ढ़ाई सौ वार्ड. हैं। इसलिए हर वार्ड. में चार स्प्रिंकलर स्ट्रीट लाइट के खंभों पर लगाने की योजना है। दिल्ली में वायु प्रदूषण बड़ा मुद्दा बन चुका है। विधानसभा चुनाव के दरम्यान भाजपा ने इस पर केजरीवाल सरकार को घेरा भी खूब था। इससे निपटने के लिए गुप्ता सरकार कई योजनाएं ला रही है, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना, पुराने वाहनों को रोकना और सार्वजनिक यातायात को सुचारू बनाना शामिल है। पिछले दिनों नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की रपट वाहनों से होने वाले प्रदूषण के जारी होने के बाद गुप्ता सरकार और भी आक्रामक नजर आ रही है। दिल्ली में अड़क्षतालिस हजार इलेक्ट्रिक वाहन के चार्जिंग स्टेशन की बात भी सामने आई है। इसे सार्थक कदम कहा जा सकता है कि सरकार स्वच्छ व पर्यावरणनुकूल वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रति उत्साहित नजर आ रही है। मगर इसका खमियाजा भी जनता को ही भुगतना पड़ता है। वाहन प्रदूषण से दिल्लीवासियों को बचाने वाले तरीके उनकी जेब खाली कराने वाले भी बन सकते हैं। पुराने वाहन चालकों को जब मजबूरन नये वाहन खरीदने पड़ेंगे तो वे सरकार के प्रति नाराजगी के भाव से भर सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर में बड़ा वर्ग टैक्सियां व कैब्स चलाता है, मोटरसाइकलों-छोटे माल वाहकों के भरोसे रोजी-रोटी कमाता है, उसे लगने वाले झटके से कैसे बचा जा सकता है। जल छिड़क ाव की जहां तक बात है तो इन्हें भरने व सुरक्षित रख-रखाव का बोझ अतिरिक्त होगा। व्यावसायिक निर्माण, टूटी सड़के, गलियां व फुटपाथों को सुधार कर धूल से निपटान को प्राथमिकता देना सीखना होगा।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मों तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है।

यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा

निजी विद्यालयों द्वारा अनेकों फीस के नाम पर लूट एवं अभिभावकों का आर्थिक दोहन

हरे राम पंडित

प्रा सरकारी स्कूलों में करोड़ों रुपए खर्च किए जाने के बावजूद झारखंड में प्रायः प्रायः सरकारी स्कूल ठीक ढंग से नहीं चल रहे हैं। जबकि सरकार स्कूली गरीब बच्चों को ड्रेस, किताब कापी,मिड डे मिल के साथ साथ बच्चों के एकाउंट में कुछ रूपए भी एक नियत अंतराल पर दिए जाते हैं। फिर भी इन विद्यालयों में छात्र छात्राओं आ ड्रापआउट रेट बहुत अधिक है। इसके पीछे कारण है स्कूलों में योग्य शिक्षकों की कमी, सरकार द्वारा दिए जाने वाली सुविधाएं समय पर उपलब्ध नहीं होना। गांवों में गरीबों के बीच शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी एवं नजदीक में स्कूल का नहीं होना भी बच्चों को अशिक्षित रहने के मुख्य कारण हैं।

सरकारी व्यवस्थाओं में कमी होने के कारण शहर, कस्बों में सरकारी स्कूलों से इतर निजी विद्यालयों का बोलबाला है। कुछ निजी विद्यालय तो विभिन्न शिक्षा ट्रस्टी द्वारा संचालित होते हैं और कुछ कुछ निजी विद्यालय व्यक्तिगत रूप से खोल दिए जाते हैं और चलाए जाते हैं।

यहां बच्चों का ड्रेस, स्कूल का मासिक, वार्षिक फीस,, बिल्डिंग डेवलपमेंट फीस,बस भाड़ा, किताब कापी स्टेशनरी, प्रयोगशाला फीस, कम्प्यूटर लैब फीस, के साथ साथ अनेकों तरह के फीस के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक दोहन किया जाता है।

शहर, कस्बों में सरकारी स्कूलों से इतर निजी विद्यालयों का बोलबाला है। वैसे परिवार जो आर्थिक रूप से थोड़ा ठीक ठाक हैं, सरकारी स्कूलों की कुव्यवस्था को देखते हुए अपने बच्चों को पढ़ने के लिए निजी विद्यालयों में भेजना ज्यादा पसंद करते हैं, जबकि यहां सरकारी स्कूलों की तरह कोई आर्थिक सहायता बच्चों को नहीं मिलती है।यह बात सही है कि निजी विद्यालयों में बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाता है चूंकि प्राइवेट स्कूल के सर्वाइवल व रेपुटेशन का सवाल रहता है। स्कूल का बोर्ड रिजल्ट बेहतर रहे इसके लिए प्रबंधन का विशेष ध्यान रहता है। निजी विद्यालयों में अच्छा प्रदर्शन करने की प्रतिस्पर्धा भी रहती है।

निजी विद्यालयों का दूसरा चेहरा है जो छात्र छात्राओं के अभिभावकों को परेशान किए रहता है और यह है छात्र छात्राओं के अभिभावकों का अनेकानेक प्रकार के फीस के नाम पर आर्थिक दोहन। स्कूल के ट्यूशन फीस, वार्षिक फीस, री-एडमिशन फीस, बिल्डिंग फीस,बस भाड़ा, किताब कापी, स्टेशनरी की खरीदारी स्कूल द्वारा संचालित दुकान से करना, स्कूल ड्रेस, जूता, स्वेटर, ब्लेजर आदि की खरीदारी भी स्कूल से या स्कूल द्वारा निर्धारित दुकानों से खरीदना कम्पल्सरी है। सबसे मजेदार बात यह है कि छात्र छात्राओं द्वारा खरीदे गए सारे सामान बाजार दर से डेढ़ गुना या दो गुना अधिक पर मिलते हैं। स्कूल जितने भी तरह की फीस बच्चों से वसूल करते हैं हर साल बढ़ा दिए जाते हैं।उसी स्कूल का छात्र कक्षा सातवीं पास करता है और फिर उसे उसी स्कूल के क्लास आठवीं में नामांकन के लिए री एडमिशन फीस देना होता है यानी एक ही स्कूल में हर साल एडमिशन फीस देना किसी भी तरह से उचित नहीं है लेकिन अफसोसनाक बात है कि अभिभावक बच्चों को अच्छी शिक्षा के नाम पर, सरकारी स्कूलों की विफलता के कारण निजी विद्यालयों के मनमाने तौर तरीकों के कारण आर्थिक व मानसिक रूप से शोषण का शिकार होते रहते हैं।

निजी विद्यालयों के द्वारा बार-बार फीस की बढ़ोत्तरी करना,नये नये फीस का लागू करना, एवं अभिभावकों के शोषण होते हुए देखने पर ऐसा महसूस होता है कि निजी विद्यालय शिक्षा मंदिर नहीं बल्कि व्यवसाय केंद्र है।

अभी के समय में निजी विद्यालय चलाना व्यवसाय करना है। जहां प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना है और कुछ नहीं।यही कारण है कि मेट्रो पॉलिटन शहरों में प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों में बच्चों को लोअर के जी,अपर के जी, क्लास वन या टू के लिए एक बच्चे का कुल फीस एक साल में 2 लाख से 2.5 लाख तक देना पड़ता है,वह भी डे स्कॉलर के लिए, होस्टल वालों को सालाना तीन से चार लाख देने होते हैं।

झारखंड जैसे राज्य के प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों का फीस रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, हजारीबाग शहरों में इतना है कि मध्यम वर्गीय व निम्न मध्यम वर्गीय परिवार अपने बच्चों को इन विद्यालयों में पढ़ाने में दस बार सोचता है और फिर ढूंढ़ता है कि जहां थोड़ा कम फीस है वहां अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए एडमिशन करवाता है।

पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम शिक्षा के समग्र उद्देश्यों और नीतियों के निर्धारक विशिष्ट योजनाकारों तथा विशेषज्ञों द्वारा इसे निर्धारित किया जाता है। सरकार की सहमति से तत्पश्चात कोर्स के निर्णय एवं इसके अनुमोदन के बाद लेखन समूह तथा विषय विशेषज्ञों के द्वारा निर्मित पाठ सामग्री में समाहित विषय वस्तुओं का तथ्यात्मक परीक्षण करने, उसके मॉडरेशन एवं सम्पादन करने के पश्चात पुस्तकें प्रकाशित की जाती है।अब इसकी अनुशंसा विद्यालयों अध्ययन अध्यापन हेतु की जाती है। यानी प्रत्येक बर्ष पाठ्यक्रम को विद्यालय प्रबंधन खुद बदल नहीं सकता है, परन्तु निजी विद्यालय प्रत्येक बर्ष पुस्तक बदल देते हैं आंशिक बदलाव लाकर एवं नये क्लेवर में। मानसिकता सिर्फ पैसा कमाने का है।यह भी अभिभावकों पर एक आर्थिक भार है, जबकि पिछले साल की किताबें ही चलती तो पुराने किताबों से काम चल जाता, अभिभावक का पैसा बचता।

वैसे झारखंड में मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में बी पी एल बच्चों के लिए एन्ट्री लेवल पर 25% सीट सरकार द्वारा आरक्षित किया गया है ताकि गरीब बच्चों को भी अच्छी शिक्षा कम फीस पर मिल सके लेकिन पता चलता है कि भ्रष्टाचार का यह आलम है कि सरकारी शिक्षा अधिकारी बी पी एल बच्चों के आरक्षित सीट को बेच देते हैं। निजी विद्यालयों में बी पी एल बच्चों का नामांकन जिला शिक्षा अधिकारी की अनुशंसा पर ही होता है।

झारखंड सरकार ने निजी विद्यालयों के द्वारा मनमाना फीस वसूली पर रोक लगाने के लिए सख्त निर्देश सभी जिलाधिकारियों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिया है।

झारखंड के निजी स्कूलों के शुक्ल निर्धारण को लेकर स्कूल और जिला स्तर पर कमेटी का गठन होगा। इस संबंध में स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव ने सभी आयुक्त और उपायुक्त को पत्र लिखा है। जिलों को भेजे गए पत्र में झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के आलोक में शुल्क समिति गठन करने को कहा गया है। अधिनियम के प्रावधान के अनुरूप 15 दिनों के अन्दर विद्यालय स्तर पर शुल्क समिति व जिला स्तर पर जिला समिति का गठन करने को कहा गया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग को भी जानकारी देने को कहा गया है।

अधिनियम के प्रावधान के अनुरूप शुल्क निर्धारण को लेकर पहले विद्यालय स्तर पर गठित समिति के समक्ष इसका प्रस्ताव रखना होता है।कमेटी फीस वृद्धि के विभिन्न कारणों पर विचार करेगी। इसमें विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए छात्रों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधा, प्रशासन और रख रखाव पर होने वाले खर्च, शिक्षक और कर्मचारियों को मिलने वाला वेतन, वार्षिक वेतन वृद्धि, विद्यालय की कुल आय में से छात्रों पर होने वाले खर्च, शिक्षा के विकास और विद्यालय के विस्तार के लिए आवश्यक राजस्व समेत अन्य आवश्यक कारक को ध्यान में रखने का प्रावधान अधिनियम में है। समिति प्रस्तावित शुल्क की संरचना प्राप्त होने के 30 दिन के अन्दर फीस की मंजूरी देगी।

विद्यालय स्तर पर गठित समिति में बच्चों के अभिभावक के साथ शिक्षक भी शामिल होंगे। प्रावधान के अनुरूप निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा मनोनीत प्रतिनिधि कमेटी के अध्यक्ष होंगे। विद्यालय के प्राचार्य, सचिव, विद्यालय प्रबंधन द्वारा मनोनीत तीन शिक्षक व शिक्षक संघ द्वारा नामित चार माता पिता इसके सदस्य होंगे। विद्यालय प्रबंधन को फीस निर्धारण के एजेंडा और बैठक की जानकारी एक सप्ताह पहले देना होगा। विद्यालय समिति अगर तय समय में शुल्क निर्धारण में विफल रहता है तो प्रबंधन यह प्रस्ताव जिलास्तरीय कमेटी के समक्ष रखेगा। विद्यालय में अगर पिछले साल की तुलना में 10% से अधिक फीस बढ़ोत्तरी की जाती है तो भी इसको जिला कमेटी को भेजा जाएगा। जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी। कमेटी में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, निजी विद्यालय के दो प्राचार्य, संबंधित क्षेत्र के सांसद और विधायक,दो अभिभावक और एक चार्टर्ड एकाउंटेंट शामिल होंगे। विद्यालय अगर जिलास्तरीय कमेटी के निर्णय से संतुष्ट नहीं है,तो प्रमंडलीय आयुक्त के समक्ष इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं।

झारखंड सरकार ने निजी विद्यालयों के मनमाने फीस बढ़ोत्तरी पर अंकुश लगाने के लिए समितियों का गठन कर एक अच्छे सोच का परिचय दिया है।

निजी विद्यालयों द्वारा इतनी अधिक फीस क्यों ली जाती है, यह एक विचारणीय विषय है।

आज के दौर में शिक्षा एक व्यापार हो चुका है और लोगों के जेहन में यह सोच है कि जो जितना मंहगा है वह उतना अच्छा है, इस कारण प्राइवेट स्कूल में ज्यादा फीस ली जाती है। स्कूल को पता है कि लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं और 4 लोगों को बताना चाहते हैं कि उनका बच्चा आई सी एस ई में पढ़ता है,सी बी एस ई बोर्ड में पढ़ता है।

यह भी एक वजह है कि शिक्षा माफिया काम करते हैं। यह भी एक सच्चाई है कि शिक्षा में कई सारे व्यापारी और नेता स्कूल खोल कर बैठे हैं जिनका काम सिर्फ मुनाफा कमाना है और सरकार भी इन पर कोई कार्रवाई नहीं करती है क्योंकि सरकार को भी एक अच्छा खासा कट मनी मिलता है।

सरकार स्कूली शिक्षा को चुस्त-दुरुस्त बनाए, उचित समय पर अच्छी सुविधाएं स्कूली बच्चों को उपलब्ध कराए,अचछे शिक्षक, एवं बच्चों में जागरूकता पैदा करने, रिजल्ट में अच्छा प्रदर्शन करे विद्यालय, तो निजी विद्यालयों का मकड़जाल नहीं होगा।

निजी विद्यालयों के मनमाने री एडमिशन फीस, एनुअल फीस के खिलाफ अभिभावकों को सड़क पर आन्दोलन कर रहे हैं झारखंड में। इनके मनमाने रवैए पर सरकार अंकुश लगाने के उपाय करते रहे तो भी शिक्षा समाज को मिलता रहेगा।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अपनी जिंदगी के इन पलों को दोबारा जीना चाहते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फिल्म टाइम लूप की कहानी पर आधारित है। जिसमें राजकुमार राव की शादी होनी है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के किन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। इसमें उन्होंने अपनी पहली फिल्म से लेकर 'स्त्री 2' तक के समय का जिक्र किया।

इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे राजकुमार

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। अभिनेता ने कहा, किसी भी बाहर से आने वाले एक्टर के लिए पहली फिल्म मिलना काफी बड़ी बात होती है। मेरे साथ 2010 में ऐसा हुआ था। मैं उस पल को बार-बार जीना चाहूंगा। मैं उस पल को दोबारा जीना चाहूंगा जब मेरी मां मेरे साथ थीं। जब मैंने पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। फिर जब स्त्री 2 रिलीज हुई और पहले दिन बॉक्स ऑफिस के जो आंकड़े आए मैं चौंक गया था। हम सोच में पड़ गए कि क्या हो गया। शादी के दिन को बार-बार जीने की इच्छा अभिनेता ने आगे कहा, मैं उस दिन को भी बार-बार जीना चाहूंगा जब 2021 में मैंने पत्रलेखा से शादी की थी। मेरी शादी के तीनों दिन बहुत खूबसूरत थे और मैं इसे बार-बार जीना चाहूँगा। फेरे बहुत खूबसूरत थे। इसके अलावा पहली बार जब मैंने पत्रलेखा को गलियारे में चलते देखा, तो मैं उसे फिर से जीना चाहूंगा।

9 मई को रिलीज होगी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर 'भूल चूक माफ' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। जबकि फिल्म का निर्माण दिनेश विजन के मेडॉक फिल्म्स ने किया है। मेडॉक और दिनेश विजन के साथ राजकुमार राव की ये आठवीं फिल्म है। इसको लेकर राजकुमार राव काफी उत्साहित हैं।

सीरीज द रॉयल्स को लेकर उत्साहित हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। द रॉयल्स में भूमि एक ग्लैमरस और ताकतवर उद्यमी का किरदार निभा रही हैं। यह उनकी पहले की फिल्मों से बिल्कुल अलग है। भूमि की सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसे देखने के बाद फैंस की उम्मीदें इस सीरीज से और अधिक बढ़ गई हैं। हिंदी सिनेमा में 10 साल पूरे करने के बाद भूमि अब ओटीटी पर कदम रख रही हैं। द रॉयल्स में भूमि के अलावा ईशान खट्टर भी नजर आएंगे। इस सीरीज में उनका किरदार नया और बिल्कुल अलग है। एक खबर के मुताबिक भूमि ने कहा, वह इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन अपनी उम्मीदें कम रखती हैं। उन्हें अब तक दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और लोग उन्हें ईशान के साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। भूमि और ईशान की जोड़ी को फैंस पसंद कर रहे हैं। भूमि का कहना है कि दर्शकों का प्यार देखकर खुशी होती है। अपने 10 साल के करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दम लगा के हईशा से लेकर द रॉयल्स तक का सफर उनके लिए खास रहा है। भूमि ने आगे कहा कि वह अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हैं। द रॉयल्स के साथ भूमि ओटीटी पर कदम जमाने वाली हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'अकाल' में करण जौहर के साथ काम कर उत्साहित हूं

निर्देशक-अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल की पीरियड ड्रामा 'अकाल - द अनकॉन्क्रेर्ड' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि करण जौहर बेहतरीन फिल्म निर्माता और इंसान हैं। अकाल के लिए उनके साथ हाथ मिलाकर एहसास हुआ कि उनकी फिल्म भाषा की सीमाओं को पार कर देशभर के दर्शकों को देखने को मिलनी चाहिए। गिप्पी ने कहा, हमें लगा कि हमारी फिल्म सीमाओं से बाहर निकलनी चाहिए। इसे पंजाबी दर्शकों के साथ ही देश भर के दर्शक देख सकें। इसलिए, हमने फिल्म को हिंदी में रिलीज किए जाने का फैसला लिया। पंजाब में हम तमिल और तेलुगू फिल्में हिंदी में देखते हैं। तो, हमारी फिल्मों को भी लोग देख सकें। उन्होंने आगे बताया, करण जौहर बेहतर निर्माता हैं। हमने पहली मीटिंग में ही सब कुछ तय कर लिया था। इसलिए, करण के साथ अगली मीटिंग में काम और भी तेजी से हुआ। गिप्पी ने कहा कि करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के माध्यम से फिल्म हिंदी में प्रस्तुत की जा रही है, जो इसकी विशेषता को बढ़ाने वाली है। करण के साथ काम करके काफी उत्साहित हूं। सभी को लगता है कि फिल्म को लेकर हमारी पहुंच बढ़ गई है। फिल्म को लोग हिंदी में भी देख सकेंगे। बाकी, तो सबकुछ फिल्म की कहानी और कलाकारों पर ही निर्भर करता है। अकाल - द अनकॉन्क्रेर्ड फिल्म 1840 दशक के पंजाब पर आधारित है।

रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर शेयर की थामा की शूटिंग अपडेट

पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त हैं। थामा एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। आज थामा की अभिनेत्री रश्मिका ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है और साथ ही अपने फैंस से एक खास सवाल का जवाब भी मांगा है। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना 29वां जन्मदिन मनाया। वहीं वह इस दौरान अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त रहीं। इसी फिल्म को लेकर रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है और साथ ही अपने प्रशंसकों से फिल्म को लेकर एक खास सवाल भी पूछा है, जिसे देखने के बाद रश्मिका के फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर थामा के लोकेशन की एक तस्वीर शेयर की और साथ ही नोट भी लिखा। रश्मिका ने घने पेड़ों के बीच डूबते हुए सूरज की एक तस्वीर शेयर की है और साथ ही लिखा, कुछ दिनों के लिए रात में शूटिंग। आपको इस पोस्ट में सिर्फ चांद या फिर कैमरे की लाइट और सितारे ही दिखाई देंगे। इस नोट के साथ रश्मिका ने अपने फैंस से एक सवाल भी पूछा। क्या आप बता सकते हैं कि यह कौन सा शहर है, जो दिखाई नहीं दे रहा। क्या आप सहमत हैं?

हॉरर फिल्म थामा इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के अलावा आयुष्मान खुराना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका मंदाना फिल्म थामा के अलावा कुबेर नाम की फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ साउथ अभिनेता धनुष नजर आएंगे। कुबेर इस साल 20 जून को रिलीज होगी। यह फिल्म शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक ड्रामा तमिल फिल्म है।

विजय सेतुपति की फिल्म में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

साउथ फिल्मों में बॉलीवुड अभिनेत्रियों के काम करने का चलन काफी पुराना है, जिसमें कियारा आडवाणी से लेकर कई अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं। हाल ही में फिल्म देवरा पार्ट 1 जान्हवी कपूर ने लीड रोल निभाया था। वहीं अब एक और अभिनेत्री हैं, जो विजय की फिल्म में नजर आएंगी। हालांकि, वह पहले भी कई साउथ फिल्मों में अपना हुनर दिखा चुकी हैं।

एक खबर के मुताबिक, विजय सेतुपति और पुरी जगन्नाथ की आगामी फिल्म की घोषणा कुछ दिन पहले हुई थी। अब फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू अहम किरदार में नजर आएंगी। बहरहाल, इस फिल्म को लेकर तब्बू से बातचीत चल रही हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया था फिल्म को लेकर विजय ने पोस्ट

विजय सेतुपति ने आज से छह दिन पहले उगादि के अवसर पर अपनी नई फिल्म की घोषणा एक तस्वीर शेयर करके की थी, जिसमें विजय के साथ पुरी नजर आए। विजय ने कैप्शन में लिखा, एक सनसनीखेज सहयोग के साथ एक नए रोमांचक अध्याय की शुरुआत। शानदार निर्देशक पुरीजगन्नाध और दमदार कलाकार मक्कलसेल्वन ने सभी भारतीय भाषाओं में एक शानदार फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होगी।

पहले भी कई साउथ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं तब्बू

तब्बू ने कई साउथ फिल्मों में काम किया है, जिनमें कुली नंबर 1 तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने वेंकटेश के साथ काम किया था। निन्ने पेल्लादथा और आविदा मां आविदे तेलुगु फिल्में हैं, जिनमें तब्बू ने नागार्जुन के साथ काम किया है। प्रियुरलु पिलीचिंडी भी एक तमिल फिल्म है, जिसमें तब्बू ने काम किया है। अला वैकुंठपुरमुलु भी एक तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने अल्लू अर्जुन के साथ काम किया है। हाल ही में तब्बू बॉलीवुड फिल्म क्रू और हॉलीवुड सीरीज ड्यून- प्रोफेसी में नजर आईं। इसके अलावा वह अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी।

सोचता हूं कि अपने ही देश में डरकर क्यों जी रहा हूं, यहां ऐसे जीना खलता है

वेब सीरीज स्कैम 1994 में हर्षद मेहता के रूप में अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले ऐक्टर प्रतीक गांधी अब दो और महान हस्तियों को पर्दे पर जीने जा रहे हैं। इनमें एक तो हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी है, जिसमें वह महात्मा गांधी के रूप में दिखेंगे। वहीं, फिल्म फुले में वह महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की भूमिका में हैं।

हैरत की बात है कि ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक पर पॉपुलर सिनेमा में इतने वक्त बाद फिल्म बन रही है? उनका किरदार निभाते हुए आपने उनके व्यक्तित्व से सीखा?

यह बहुत वाजिब सवाल है कि अब तक फिल्म क्यों नहीं बनी। वैसे, हैरानी तो इस बात पर भी होनी चाहिए की उन्होंने अपने जीवन का जो सबसे पहला स्कूल खोला था, वह इतनी जर्जर हालत में है कि देखकर लगेगा कि वह कभी भी टूट सकता है। किसी को यह विचार नहीं आया कि इस धरोहर को संभालकर रखना चाहिए। बहरहाल, मैंने तो बहुत सारी चीजें सीखीं। सबसे बड़ी बात जो मुझे लगी है वो यह कि आप सेल्फलेस होकर कैसे जी सकते हैं। उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं सोचा। दूसरे, जो बात सच लगे उसके साथ बिना डरे खड़ा होना। मतलब, किसी चीज को पूरा समाज सही मानता है, मगर वो आपको गलत लगती है तो उसे गलत कहने की हिम्मत रखना। आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है। अभी अहिंसा में कोई यकीन नहीं रखता। अभी तो कोई चीज बुरी लगी मतलब खत्म। मुझे यह सब देखकर बहुत दुख होता है। पता नहीं ये कैसे बदलेगा, मगर उम्मीद है कि एक दिन आएगा, जब सब अच्छा होगा।

फुले के अलावा, वेब सीरीज गांधी में आप महात्मा गांधी की भूमिका भी निभा रहे हैं। जबकि, गांधी पर इतनी नामी फिल्में बन चुकी हैं। आप लोग क्या नया दिखा रहे हैं? स्कैम 1994 के बाद हंसल मेहता संग दोबारा जुड़ने का अनुभव कैसा रहा?

यह सही है कि महात्मा गांधी पर कई फिल्में बहुत बनी हैं, मगर सीरीज पहली बार बनेगी। मेरे हिसाब से गांधी जी का जीवन सफर लॉन्ग फॉर्मेट में ही सबसे अच्छे से दर्शाया जा सकता है। इतनी बड़ा जीवन, इतना सारा काम है उनका। हमारा प्रयास गांधी जी के पूरे जीवन को शुरुआत से अंत तक दिखाने का है। हमने अभी पहला सीजन ही खत्म किया है, दो और सीजन अभी शुरू भी नहीं हुए हैं। रही बात हंसल सर के साथ काम करने की, तो वह बहुत मजेदार अनुभव रहा। हम बिना कुछ बोले भी एक दूसरे को समझ लेते हैं। उनके साथ मैं खुद को अच्छे से एक्सप्लोर कर पाता हूं, चैलेंज कर पाता हूं। उनकी स्टोरी टेलिंग मुझे वैसे ही बहुत पसंद है, जो बहुत नेचुरल है। यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे मजेदार एक्सपीरियंस था।

ज्योतिबा फुले के साथ उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलीं। इस मामले में आपकी पत्नी भामिनी का आपके जीवन में कितना योगदान रहा?

बहुत बड़ा योगदान है। इतने सालों से मैं जो इतनी अलग-अलग चीजें कर पाया, वह उसके योगदान और सहारे के बिना नहीं हो सकता था। कई बार इतनी सारी चीजें एक साथ करने में आप सिर्फ भाग ही रहे हैं। हम बहुत कुछ अचीव करना चाहते है, उसमें कहीं न कहीं घर पीछे छूट जाता है। हम उतना समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे समय में अपने जीवन साथी से आपको सिर्फ यही अपेक्षा रहती है कि वे आपको समझे और साथ दे। यह बहुत स्वार्थी सोच भी हो सकती है, मगर भामिनी ने उस वक्त में हंसते हुए मेरा साथ दिया और इतना इतना धैर्य रखा, जो बहुत बड़ी बात है। वरना हम यहां तक नहीं पहुंच पाते।

महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक को पर्दे पर जीना कितनी बड़ी जिम्मेदारी थी? उनके किरदार में ढलने के लिए क्या तैयारी रही?

हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह थी कि हमें इतिहास को बिना बदले एकदम ईमानदार तरीके से उनकी बात आप तक पहुंचानी थी, क्योंकि वह सिर्फ एक व्यक्तिव्य नहीं हैं। उन्हें समाज का एक पूरा वर्ग भगवान मानता है और सही कारणों से मानता है। हमारी कोशिश यह रही कि हम ना उन्हें किसी तरह से जज कर रहे हैं, न उन्हें अपने रंग में ढाल रहे हैं। हम सिर्फ उनकी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। वहीं, बतौर ऐक्टर मेरी तैयारी का सबसे बड़ा पार्ट यह था कि मुझे उनके बारे में वे चीजें भी जाननी, समझनी थी, जो स्क्रिप्ट में नहीं लिखी थीं। मुझे उनके व्यक्तित्व को समझना था ताकि बिना कुछ बोले भी अगर स्क्रीन पर खड़ा हूं तो लोगों को लगे कि वे ज्योतिबा फुले को देख रहे हैं और यह सिर्फ बाहरी दिखावे, फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से या कपड़ों से नहीं संभव था। उस पर चुनौती ये थी कि उनको जानने-समझने के लिए हमारे पास न कोई विडियो थे, न उनके कोई ऑडियो थे। तस्वीरें भी जो हैं, वे सिर्फ पेंटिंग है। हमारे पास किताबों में लिखा मटीरिल ही था, जिससे राइटर-डायरेक्टर अनंत महादेवन ने पूरी स्क्रिप्ट तैयार की।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को 9 विकेट से दी मात, साल्ट-विराट ने मचाया तूफान

जयपुर (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 के 28वां मैच में राजस्थान रॉयल्स को उन्हीं के होम ग्राउंड जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 9 विकेट से जीत दर्ज करते हुए वापसी की। साल्ट (65 रन, 33 गेंद, छह छक्के, पांच चौके) और कोहली (नाबाद 62, 45 गेंद, चार चौके, दो छक्के) के बीच पहले विकेट की 92 रन की तेजतर्रार साझेदारी से आरसीबी ने 174 रन के लक्ष्य को 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर हासिल कर लिया। कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 40, 28 रन, पांच चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

राजस्थान रॉयल्स ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (75 रन, 47 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) के अर्धशतक से चार विकेट पर 173 रन बनाए। जायसवाल ने रियान पराग (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी भी की। ध्रुव जुरेल ने अंत में 23 गेंद में दो चौकों और दो छक्कों से नाबाद 35 रन की पारी खेलकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे आरसीबी को साल्ट और कोहली ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में 65 रन जोड़ा। साल्ट ने जोफ्रा आर्चर पर चौके और छक्के के साथ अपनी पारी की शुरुआत की जबकि कोहली ने तुषार देशपांडे पर चौका जड़ा। साल्ट ने आर्चर के दूसरे ओवर में चौका और छक्का मारा जबकि कोहली सात रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब संदीप शर्मा की गेंद पर पराग उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। साल्ट ने महेश तीक्षणा और संदीप शर्मा पर भी छक्के मारे। संदीप की गेंद पर हालांकि साल्ट भाग्यशाली रहे जब कवर्स में जायसवाल ने उनका कैच टपका दिया।

साल्ट ने वानिंदु हसरंगा पर चौके के साथ 28 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और फिर इस स्पिनर पर छक्का भी जड़ा। साल्ट ने कुमार कार्तिकेय पर भी छक्का मारा लेकिन अगली गेंद को डीप मिडविकेट पर जायसवाल के हाथों में खेल गए। आरसीबी के रनों का शतक 10वें ओवर में पूरा हुआ। कोहली ने कार्तिकेय और हसरंगा पर छक्के के साथ 39 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पडिक्कल ने देशपांडे पर चौके और छक्के के बाद संदीप पर चौके के साथ टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद जायसवाल और संजू सैमसन (15) ने पावर प्ले में 45 रन जोड़कर टीम को सतर्क शुरुआत दिलाई। जायसवाल ने भुवनेश्वर कुमार पर चौके से खाता खोला और फिर यश दयाल की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा। सैमसन हालांकि जूझते हुए नजर आए और पावर प्ले में उन्होंने एकमात्र चौका जोश हेजलवुड पर जड़ा। इसके बाद कप्तान सैमसन का धैर्य जवाब दे गया। वह क्रुणाल पंड्या की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश क्रीज से आगे बढ़े और जितेश शर्मा ने उन्हें स्टंप कर दिया। वह 19 गेंद में सिर्फ एक चौका लगा पाए। जायसवाल और पराग ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। पराग ने सुयश शर्मा का स्वागत दो चौकों के साथ किया और फिर क्रुणाल पर डीप मिडविकेट के ऊपर से छक्का लगाया।

जायसवाल ने 13वें ओवर में क्रुणाल पर एक रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और इसी ओवर में चौके के साथ टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। यश ने गेंदबाजी में वापसी करते हुए पराग को कोहली के हाथों कैच कराके राजस्थान को दूसरा झटका दिया। उन्होंने 22 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा। जायसवाल भी यश के इस ओवर में भाग्यशाली रहे जब कवर्स में लियाम लिविंगस्टोन ने उनका कैच टपका दिया।

रॉयल्स ने 15 ओवर में दो विकेट पर 114 रन बनाए। जायसवाल ने 16वें ओवर में हेजलवुड की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन इसी ओवर में सीधी गेंद को चूककर पगबाधा हो गए। जुरेल ने सुयश और यश पर छक्के के साथ रन गति में इजाफा करने की कोशिश की। सुयश की गेंद पर हालांकि कोहली ने उनका कैच भी टपकाया। आरसीबी की ओर से जोश हेजलवुड (26 रन पर एक विकेट), क्रुणाल (29 रन पर एक विकेट), भुवनेश्वर (32 रन पर एक विकेट) और यश (36 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया।

हेड बोले, स्टोइनिस और मैक्सवेल से विवाद नहीं मामूली हंसी मजाक हुआ

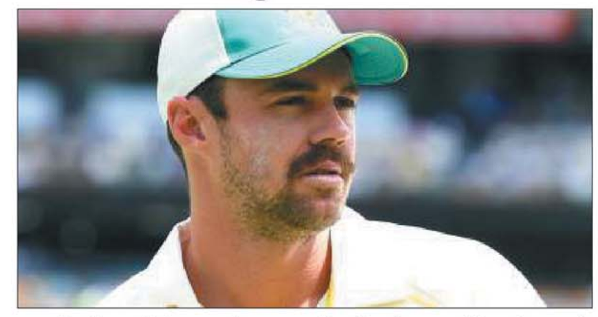

चेन्नई (एजेंसी)। हैदराबाद (ईएमएस)। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हुए मुकाबले में तीन ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ट्रेविस हैड, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल के बीच बहस हुई थी। इसी को हेड ने अब सामान्य बात बताया है। इस मैच में अभिषेक शर्मा की 141 रनों की आक्रामक पारी से सनराइजर्स ने पंजाब किंग्स पर जीत हासिल की। मैच में हेड की मैक्सवेल और स्टोइनिस के साथ नौवें ओवर में बहस हो गयी थी। इस पारी के नौवें ओवर के दौरान मैक्सवेल को हेड बाउंड्री पर शॉट खेलने के बाद बहस हो गयी थी। ऐसे में ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर ही हेड ने मैक्सवेल पर लगातार जो छक्के लगा दिये। इससे मैक्सवेल परेशान हो गये। इसके बाद मैक्सवेल ने हेड को कुछ कह दिया। ओवर पूरा होने के बाद हेड ने इसपर नाराजगी जतायी। इसे बाद हेड और मैक्सवेल में बहस होने लगी। जब ये बढ़ती गयी तो अंपायर ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इसके बाद स्टोइनिस भी बीच में आ गये जिससे एक बार फिर बहस होने लगी। वहीं मुकाबले के बाद हेड ने बहस को सामान्य बताने का प्रयास किया। इस सलामी बल्लेबाजी ने कहा, 'जब आप किसी को अच्छी तरह से जानते हैं तो आप एक-दूसरे की सबसे अच्छी और सबसे कठोर बातें कह देते हैं। इस बार भी मैच में ज्यादा गंभीर बात नहीं थी, बस थोड़ी हंसी-मजाक हो रही थी। साथ ही कहा कि हमें इस जीत की जरूरत थी जो हमने हासिल की। हमने आधे समय में ही अपना काम पूरा कर लिया था। हमने अपने को अवसर दिया, शुरुआत में थोड़ा और धैर्य दिखाया। हम जानते थे कि वे किस योजना के साथ आने वाले हैं। हमने अपने को थोड़ा और समय देकर अच्छी शुरुआत की।'

श्रेयस ने हार का कारण कमजोर गेंदबाजी को बताया

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम की गेंदबाजी उम्मीद के अनुरूप नहीं रही। ऐसे में उन्हें इस क्षेत्र में काम करना पड़ेगा। इस मैच में पंजाब ने श्रेयस के 82 रनों की सहायता से 245 रनों का शानदार स्कोरी बनाया था पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने आईपीएल इतिहास में पांचवीं बार 230 से ज्यादा का स्कोर बनाया था पर ये पहली बार हुआ है जब वह हार गई। इससे पहले पंजाब की टीम जब भी 230 रनों तक पहुंची है जीता है।

मैच हारने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि यह एक शानदार स्कोर था। इसके बाद भी मैच इसलिए हमारे हाथ से निकल गया क्योंकि कुछ कैच हमारे हाथ से फिसल गये हालांकि अभिषेक भाग्यशाली रहे। उनकी बल्लेबाजी असाधारण थी। वहीं ये भी सही है कि हम अपनी उम्मीदों के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये।

श्रेयस ने कहा कि विरोधी बल्लेबाजों ने हमें कोई अवसर नहीं दिया। हम अपनी ओर से गेंदबाजी में अधिक बदलाव नहीं कर पाये। फर्ग्युसन की चोट से भी हमें नुकसान हुआ। मैंने और नेहल वढ़ेरा ने सोचा था कि 230 रन अच्छा स्कोर होगा पर मुझे लगता है कि ओस के कारण हमारे लिए दूसरी पारी के दौरान हालात कठिन हो गये। साथ ही कहा कि अभिषेक की पारी उन सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक थी जो मैंने देखी है।

आईपीएल 2025 में गेंदबाजों ने दिखाया दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 के सीजन में गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है, खासकर मेडन ओवर्स के मामले में। अब तक खेले गए मैचों में कुल चार मेडन ओवर्स देखने को मिले हैं और यह दिलचस्प है कि इन सभी ओवर्स में गेंदबाजों ने विकेट भी चटकाए हैं। जोफ्रा आर्चर, वैभव अरोड़ा, मुकेश कुमार और मोईन अली जैसे गेंदबाजों ने यह कमाल किया और उनकी टीमों ने इन मैचों को जीत भी हासिल की।

सीजन 2025 का पहला मेडन ओवर जोफ्रा आर्चर ने फेंका था, जब राजस्थान रॉयल्स का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ। इस मैच में आर्चर ने न केवल एक मेडन ओवर फेंका, बल्कि रचिन रवींद्र को आउट कर टीम को जीत दिलाई। राजस्थान रॉयल्स ने इस मैच में चेन्नई को छह रन से हराया। इसके बाद, वैभव अरोड़ा ने भी आईपीएल 2025 का दूसरा मेडन ओवर फेंका, जब कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से था। अरोड़ा ने इस ओवर में एक महत्वपूर्ण विकेट लिया और कोलकाता ने हैदराबाद को 80 रन से हराया।

मुकेश कुमार ने 10 अप्रैल को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ तीसरा मेडन ओवर फेंका। इस ओवर के दौरान मुकेश ने एक विकेट लिया और दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में आरसीबी को छह विकेट से मात दी। अंत में, मोईन अली ने 11 अप्रैल को चेन्नई में खेले गए मैच में चौथा मेडन ओवर फेंका। इस ओवर के दौरान उन्होंने एक विकेट लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स को मजबूत स्थिति में रखा और उनकी टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से हराया।

इन चारों मेडन ओवर्स ने यह साबित कर दिया कि जब गेंदबाज कड़ी मेहनत और सटीकता के साथ खेलते हैं, तो टीम को जीत दिलाना संभव हो जाता है। इन गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी ने मैच के दौरान दबाव बनाने के साथ-साथ विपक्षी टीमों को मुश्किल में डाल दिया, जिससे उनके साथी खिलाड़ियों को जीत की दिशा में मदद मिली। आईपीएल 2025 के इस सीजन में मेडन ओवर्स के जरिए गेंदबाजों ने अपनी क्षमता को साबित किया और टीमों के लिए महत्वपूर्ण जीत दिलवाने में अहम भूमिका निभाई।

शमी आईपीएल में सबसे अधिक रन देने वाले दूसरे गेंदबाज बने

हैदराबाद। अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड बना है जिससे वह भूलना चाहेंगे। पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए शमी आईपीएल में सबसे अधिक रन देने वाले दूसरे तेज गेंदबाज बने हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शमी की गेंदों की जमकर पिटाई हुई और 4 ओवर में ही 75 रन निकल गये जबकि उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। मार्कस स्टॉयनिस ने उनके अंतिम ओवर में लगातार 4 छक्के लगाए। शमी ने अपने अंतिम ओवर में 27 रन दिये। यह आईपीएल के अब तक के इतिहास में दूसरी सबसे महंगी गेंदबाजी है। अब तक आईपीएल में 4 ओवर के स्पेल में सबसे अधिक रन देने के मामले में जोफ्रा आर्चर पहले नंबर पर हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर ने इसी साल हैदराबाद के खिलाफ 76 रन दिये थे। शमी से पहले आईपीएल में सबसे अधिक रन लुटाने वाले भारतीय गेंदबाज मोहित शर्मा थे। मोहित ने पिछले साल गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए 4 ओवर में ही 70 रन दे दिये थे। तब शमी उनकी ही टीम में शामिल थे। वहीं इस बार शमी शमी गुजरात टाइटंस की जगह पर सनराइजर्स हैदराबाद से खेल रहे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी : माइकल क्लार्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। लगातार हार झेलने के बाद अब टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद चेन्नई ने अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाया और यह उसकी छह मैचों में पांचवीं हार रही। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर अपनी राय रखी है। क्लार्क ने एक चैनल पर विशेषज्ञ के रूप में कहा कि चेन्नई आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही है और मेरा मानना है कि टीम मौजूदा दौर की क्रिकेट की मांग के अनुरूप नहीं खेल रही।

क्लार्क ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गलत योजना के साथ मैदान में उतरने की गलती की। पिच बल्लेबाजी के लिए कठिन थी, नई गेंद से हल्की हरकत हो रही थी और स्पिन भी मिल रही थी, लेकिन सीएसके का रवैया बेहद रक्षात्मक नजर आया। क्लार्क ने टीम की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चेन्नई अब सिर्फ हार का कम करने या मैच को खींचने की कोशिश में लगी है। इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है। क्लार्क के मुताबिक, टीम को अब सब कुछ दांव पर लगाकर आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने माना कि लगातार हारने के बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल नकारात्मक हो जाता है और वहां से बाहर निकलना आसान नहीं होता। चेन्नई के लिए अब जरूरी है कि वह न केवल रणनीति बदले, बल्कि मानसिकता में भी बड़ा बदलाव लाए।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंट्स और सीएसके में मुकाबला

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपरजायंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में जीत हासिल कर अंक तालिका में ऊपर आने के साथ ही जीत की लय बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर इस सत्र में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही सीएसके की टीम को कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जीत दिला पाते हैं या नहीं ये देखना होगा।

सीएसके की टीम पिछले पांच मैच लगातार हारी है। यहां तक कि अपने घरेलू मैदान में भी उसे तीन मैच में हार मिली है। टीम के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं। ऐसे में धोनी को एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। कप्तान के तौर पर धोनी की राह आसान नहीं है। टीम के अधिकतर खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उनका मनोबल भी गिर है।

वहीं मेजबान टीम लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार चौथी जीत का प्रयास करेगी। उसने पिछले मैच में अच्छी जीत दर्ज की थी जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके गेंदबाज आवेश खान, रवि बिश्नोई और शार्दुल ठाकुर ने अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले मैच में मिचेल मार्श के नहीं होने पर कप्तान ऋषभ पंत एडेन मारक्रम के साथ पारी की शुरुआत के लिए उतरे थे। अब देखना होगा कि वह इस मैच में भी मार्श की वापसी के बाद शीर्ष क्रम में ही उतरते हैं या अपने तय नंबर पर उतरेंगे।

पिच की बात करें तो यहां के स्टेडियम की पिच धीमी होने के कारण बल्लेबाजी के लिए बेहतर रही है। ऐसे में निकोलस पूरन जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सीएसके के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। यहां की पिच बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए ही अच्छी मानी जाती है। दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी रचिन रवींद्र, शिवम दुबे, डेवोन कॉनवे जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। धोनी अभी तक निचले क्रम पर ही उतरे हैं और आगे भी उनके इसी प्रकार उतरने की संभावना है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में लखनऊ का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि सीएसके की ओर से इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले रुतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर के कारण पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं।

लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम = ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

चेन्नई सुपर किंग्स = महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रविंद्र जडेजा, शिवम दूबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम करन, शेख रशीद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

चेन्नई सुपर किंग्स के पास अभी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका, सभी को उम्मीद थाला से

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2025 का अब तक का सीजन बेहद खराब साबित हो रहा है। 5 बार की चैंपियन टीम ने अभी तक 6 मैच में से 5 में हार का सामना करना पड़ा है। चेन्नई सुपर किंग्स के क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब टीम लगातार मैच हारी है। ऐसा पहली बार हुआ है कि एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीएसके ने हार की हैट्रिक लगाई हो। ऋतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद लगा था कि नए कप्तान एमएस धोनी के साथ सीएसके की किस्मत पलटेगी, मगर ऐसा नहीं हुआ। शुक्रवार को केकेआर के खिलाफ उन्हें 8 विकेट से शर्मनाक हार मिली। हालांकि हार के बावजूद उनके पास प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। सीएसके का प्लेऑफ समीकरण कुछ इसपर है, सीएसके ने आईपीएल 2025 में अभी तक 6 मैच खेले हैं जिसमें उन्हें 1 में जीत मिली है। टीम को अभी इस सीजन में 8 और मैच खेलने हैं। अगर सीएसके इन 8 में से 7 मुकाबले जीत जाती है, तब उनके खाते में 16 अंक आएंगे और आईपीएल के इतिहास में देखा गया है कि 16 अंक के साथ अक्सर टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाती है। वहीं अगर चेन्नई 8 के 8 मैच जीतने में कामयाब रहती है, तब उनके खाते में 18 पॉइंट्स हो जाएंगे, फिर निश्चित उन्हें नॉकआउट राउंड में जगह मिल जाएगी। इसके पहले टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी सीएसके निर्धारित 20 ओवर में 103 रन ही बोर्ड पर लगा सकी।

रुमर्ड बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर मंदिर पहुंची मैरीकॉम, पति से चल रही तलाक की अफवाहें

नई दिल्ली। भारत की दिग्गज बॉक्सर मैरीकॉम सालों तक अपने खेल के कारण सुर्खियों में रहीं। वह देश की सबसे कामयाब बॉक्सर हैं। एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स के साथ-साथ वह ओलंपिक गेम्स में भी मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, कुछ दिनों से वह अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। उनके तलाकों की अफवाहें चल रही हैं। इस बीच उनका रुमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ का वीडियो वायरल हुआ। मैरीकॉम का नाम साथी बॉक्सर के पति हितेश चौधरी के जोड़ा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दोनों कुछ समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस बीच मैरीकॉम हितेश के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचीं। इंस्टाग्राम पर जो वीडियो वायरल हुआ उसमें हितेश और मैरीकॉम पीले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे थे। दोनों मंदिर के बाहर मीडिया से बात करते नजर आए। वहां से जाते हुए दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ा हुआ था। वह पूरे समय साथ ही रहे। इससे पहले दोनों दुबई में भी साथ दिखाई दिए थे। वहीं दोनों ने महाकुंभ में भी साथ डुबकी लगाई थी। बता दें कि, मैरी कॉम क्रिश्चियन हैं। उनकी जब साल 2005 में शादी हुई तब भी ईसाई रीति-रिवाज से ही शादी हुई थी। हितेश चौधरी मैरीकॉम फाउंडेशन के चेयरमैन हैं। साथ ही उनके बायो में लिखा है कि वह क्रिकेटर भी रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हितेश की पत्नी भी मैरीकॉम की तरह बॉक्सर ही हैं। पिछले कुछ महीनों से दोनों ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं जबकि मैरीकॉम ने अपने पति ओनलर के साथ काफी समय से नजर नहीं आई हैं।

युवराज और सूर्यकुमार ने लगातार प्रोत्साहित किया, फॉर्म में वापसी कर बोले अभिषेक शर्मा

हैदराबाद (एजेंसी)। अपने रिकॉर्ड शतक से फॉर्म में वापसी करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इसका श्रेय अपने मार्गदर्शक युवराज सिंह और भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को दिया जिन्होंने खराब दौर में उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढ) के मैच में शनिवार को यहां 55 गेंद पर 141 रन की तूफानी पारी खेली जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने 246 रन के लक्ष्य को बौना साबित करके पिछले चार मैच से चला आ रहा हार का सिलसिला खत्म किया। यह आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने हालांकि स्वीकार किया कि उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। सनराइजर्स की टीम को छह दिन का ब्रेक मिला था लेकिन अभिषेक इनमें से चार दिन बुखार से पीड़ित रहे। उन्होंने शतक पूरा करने के बाद एक पर्ची अपनी जेब से निकाली जिस पर लिखा था, 'यह पारी ऑरेंज आर्मी (सनराइजर्स के समर्थक) को समर्पित है। अभिषेक ने मैच के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो जब भी मैं सुबह जागता हूं तो कुछ ना कुछ लिखता हूं। आज मेरे मन में ऐसा ही विचार आया कि अगर मैं कुछ खास करता हूं तो उसे ऑरेंज आर्मी को समर्पित करूंगा। सौभाग्य से आज का दिन मेरा था।'

उन्होंने कहा कि जब बहु रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे तो युवराज और सूर्यकुमार लगातार उनका हौसला बढ़ा रहे थे। अभिषेक ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं चार दिन से बीमार था। मुझे बुखार था लेकिन मैं खुशनसीब हूं कि मेरे आस-पास युवराज सिंह और सूर्यकुमार जैसे लोग हैं जो लगातार फोन करके मेरा हौसला बढ़ाते रहे।'

उन्होंने कहा, 'क्योंकि वे जानते हैं कि मैं इस तरह की पारी खेल सकता हूं लेकिन जब आप रन नहीं बना पा रहे होते हो तो आप खुद पर संदेह करने लग जाते हो। लेकिन उन्हें मुझ पर पूरा भरोसा था और जब आपके आसपास आप पर भरोसा करने वाले लोग होते हैं तो आप भी खुद पर विश्वास करना शुरू कर देते हैं। इसलिए, यह मेरे लिए केवल एक पारी की बात थी।'

अभिषेक का इस पारी के दौरान भाग्य ने भी साथ दिया और उन्होंने स्वीकार किया कि उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। उन्होंने कहा, 'अगर मैं नहीं कहूंगा तो यह झूठ होगा। निश्चित तौर पर तीन चार पारियों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने का दबाव था, विशेष कर तब जब कि आपकी टीम लगातार हार रही हो। लेकिन टीम का हर खिलाड़ी लगातार चार मैच में हार के बाद वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध था।'

पूरन के सिक्सर से घायल हुआ फैन, सिर से निकला खून, उपचार के बाद जीत का जश्न मनाने के लिए लौटा

स्पोर्ट्स डेस्क। निकोलस पूरन के 31 गेंदों पर 61 रन और एडेन मार्करम के 31 गेंदों पर 58 रन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने एकाना स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 के 26वें मैच में मेहमान गुजरात जायंट्स पर 6 विकेट से आसान जीत दर्ज की। इस दौरान लखनऊ के धमाकेदार बल्लेबाज पूरन के एक छक्के से फैन घायल हो गया और उसके सिर पर चोट लगी। लेकिन फैन ने उपचार के बाद फिर से मैच देखा और टीम की जीत का जश्न मनाया। गुजरात से मिले 181 रनों का लक्ष्य के जवाब में जब पूरन बल्लेबाजी कर रहे थे तो एक सिक्सर शॉट फैन के सिर पर लगा। फैन के सिर से खून निकल रहा था और उसका उपचार किया गया। हालांकि चोट के बाद फैन ने घायल अवस्था में ही मैच पूरा देखा और टीम के जीतने के बाद जश्न मनाया। उक्त फैन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लखनऊ ने रोमांचक मुकाबले में 3 गेंदें रहते 186 रन बनाते हुए जीत अपने नाम की।

संक्षिप्त समाचार

लेबनान : विस्फोट मामले में दो पूर्व शीर्ष अधिकारियों से की गई पूछताछ

बेयरूत, एजेंसी। लेबनान के जज तारेक बिटार ने शुक्रवार को बेरूत बंदरगाह विस्फोट की जांच के सिलसिले में दो पूर्व शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से पूछताछ की। करीब चार वर्षों में पहली बार यह पूछताछ हुई है। इन अधिकारियों को समन भेजा गया था। पूछताछ में सामान्य सुरक्षा निदेशालय के पूर्व प्रमुख मेजर जनरल अब्बास इब्राहीम और पूर्व राज्य राज्य सुरक्षा प्रमुख मेजर जनरल टोनी सलिबा शामिल थे। इन दोनों अधिकारियों पर 2020 में हुए विस्फोट में उनकी कथित भूमिका के लिए आरोप लगाए गए हैं, हालांकि आरोपों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। यह विस्फोट 4 अगस्त 2020 को हुआ था। बेरूत बंदरगाह पर असुरक्षित रूप से संग्रहित अमोनियम नाइट्रेट में आग लग गई थी। इसमें 218 से अधिक लोगों की मौत हुई और 6,000 से अधिक लोग घायल हुए थे। इसने बेरूत के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

कांगो : सेना ने आईएस से जुड़े आतंकियों के चंगुल से 41 बंधकों को छुड़ाया

किंशासा, एजेंसी। कांगो की सेना ने देश के पूर्वी हिस्से में एक बड़ा अभियान चलाकर 41 बंधकों को इस्लामिक स्टेट से जुड़े आतंकी समूह के चंगुल से छुड़ाया। छुड़ाए गए लोगों में 13 महिलाएं और कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। सेना के प्रवक्ता माक हजुकाय ने बताया कि ये बंधक एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेस (एडीएफ) नामक आतंकी समूह के कब्जे में थे और उन्हें नॉर्थ किवू प्रांत के लुबेरो और बेनी इलाकों से छुड़ाया गया। यह अभियान कांगो और पड़ोसी देश युगांडा की सेना ने मिलकर चलाया।

आयरलैंड : डाटा प्राइवेसी आयोग ने शुरू की एक्स के खिलाफ जांच

डबलिन, एजेंसी। आयरलैंड के डाटा प्राइवेसी आयोग (डीपीसी) ने दिग्गज कारोबारी एलन मस्क की सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पहले ट्विटर) के खिलाफ जांच शुरू की है। कंपनी पर आरोप है कि उसने यूरोप के यूजर्स की पोस्ट से उनका निजी डाटा निकालकर उसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ग्रोक को प्रशिक्षित करने के लिए इस्तेमाल किया। आयोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, यह जांच यह पता लगाने के लिए की जा रही है कि क्या एक्स ने यह डाटा कानूनी तरीके से प्रोसेस किया, ताकि इससे ग्रोक जैसे बहुभाषी मॉडल (एलएलएम) को प्रशिक्षित किया जा सके।

अमेरिका : बोस्टन हार्बर में मछली पकड़ने वाली नाव पलटी, 3 लोग बचाए गए, डीजल और तेल का रिसाव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन हार्बर में एक व्यावसायिक मछली पकड़ने वाली नाव उथले पानी में पलट गई। इस हादसे में नाव पर सवार तीनों लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन हादसे के बाद समुद्र में डीजल और तेल फैल गया। 86 फीट लंबी मछली पकड़ने वाली नाव शुक्रवार सुबह ग्रीन आइलैंड के पास उथले पानी में फंस गई और एक तरफ झुककर पलट गई। नाव का नाम एलीन रीटा था और हादसे के वक्त उस पर 3 लोग सवार थे। सुबह 7 :45 बजे कोस्ट गार्ड को आपातकालीन फोन कॉल मिला। नाव के फंसते ही सभी सवारों ने पानी में बचने वाले खास सूट पहन लिए। कोई घायल नहीं हुआ। बोस्टन पुलिस ने सुरक्षित सभी को निकालकर किनारे पर पहुंचाया।

अर्जेंटीना ने सख्त मुद्रा नियंत्रण को हटाने का ऐलान किया

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के आर्थिक मंत्री ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी सरकार कुछ ही दिनों में देश के सख्त पूंजी और मुद्रा नियंत्रण को हटा लेगी। यह बड़ा कदम अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से मिले नए कर्ज की मदद से उठाया जा रहा है। आर्थिक मंत्री लुइस कापुटो ने एक राष्ट्रीय टेलीविजन संबोधन में कहा कि आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने इस सप्ताह पहले घोषित20 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज को मंजूरी दे दी है। यह पैकेज अर्जेंटीना की विदेशी मुद्रा भंडार की गंभीर कमी को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मदद साबित होगा।

नेपाल : राजशाही समर्थक प्रदर्शनों पर दुर्गा गिरफ्तार

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने काठमांडो के तिनकुने में हुए हिंसक प्रदर्शनों में शामिल मुख्य आरोपी दुर्गा प्रसाई को उसके अंगरक्षक के साथ भारत की सीमा से लगे झापा जिले से शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा, प्रसाई का हाथ राजधानी काठमांडो में 28 मार्च को हुए राजशाही समर्थक प्रदर्शनों में शामिल रहा है। इन प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो चुकी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रसाई को असम में स्थानीय पुलिस ने हिरासत में लिया था और नेपाल पुलिस को सौंप दिया, जो उसे झापा ले आई, जहां उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। भारत-नेपाल में कोई प्रत्यर्पण संधि न होने के कारण असम से गिरफ्तारी गोपनीय रखी गई। राजशाही की बहाली और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को लेकर काठमांडो और देश के कुछ दूसरे हिस्सों में आरपीपी सहित राजशाही समर्थकों ने कई विरोध प्रदर्शन किए हैं। पुलिस ने कई ?लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें रिहा करने की मांग देश में बढ़ रही है।

दक्षिण कोरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति ने खाली किया अपना आधिकारिक आवास

सियोल, एजेंसी। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में समर्थक और आलोचक आस-पास की सड़कों पर एकत्र हुए। अपदस्थ राष्ट्रपति को मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं, कुछ लोगों ने महामहिम यूं, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगे से लेकर यूं सुक योल को मृत्युदंड दो! जैसे नारे लगाए। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल शुक्रवार को सियोल में राष्ट्रपति निवास से अपने निजी घर के लिए रवाना हो गए। पिछले साल दिसंबर में मार्शल लॉ लागू करने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। यून और उनकी पत्नी 11 कुत्तों और बिल्लियों के साथ दक्षिणी सियोल में निजी अपार्टमेंट में लौट आए। जब ??पूर्व राष्ट्रपति की वैन राष्ट्रपति परिसर के गेट पर पहुंची, तो वे मुस्कुराते हुए बाहर निकले और अपने समर्थकों की ओर हाथ हिलाया। उन्होंने दर्जनों समर्थकों से हाथ मिलाया और गले भी मिले। अपने अपार्टमेंट में पहुंचने के बाद, वह समर्थकों की भीड़ के बीच से धीरे-धीरे आगे बढ़े, उनके नाम के नारे लगाते हुए उनसे हाथ मिलाया, उनकी पत्नी भी उनके पीछे-पीछे चल रही थीं।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच बड़ी संख्या में समर्थक और आलोचक आस-पास की सड़कों पर एकत्र हुए। अपदस्थ राष्ट्रपति को मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं, कुछ लोगों ने महामहिम यूं, हम आपकी भावना के साथ आगे बढ़ेंगे से लेकर यूं सुक

योल को मृत्युदंड दो! जैसे नारे लगाए। यूं ने एक वीडियो संदेश में अपने समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वतंत्र और समृद्ध कोरिया गणराज्य बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश जारी रखेंगे जिसका हमने साथ मिलकर सपना देखा है, दक्षिण कोरिया के औपचारिक नाम का आह्वान करते हुए।

यून रूढ़िवादी जिसने 2022 का चुनाव संकीर्ण रूप से जीता, ने 3 दिसंबर को देर रात टेलीविजन पर मार्शल लॉ की घोषणा की, जिसमें उसने राज्य विरोधी उदारवादियों को मिटाने की कसम खाई, जिन पर उसने अपने एजेंडे को बाधित करने के लिए अपने विधायी बहुमत का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। उन्होंने विधायी गतिविधियों को निलंबित करने की भी घोषणा की और नेशनल असेंबली को घेरने के लिए सैकड़ों सैनिकों को भेजा, लेकिन सांसदों ने फिर भी कोरम बनाने में कामयाबी हासिल की और मार्शल लॉ लागू होने के कुछ ही घंटों बाद इसे हटाने के लिए मतदान किया।

निर्वासन के खिलाफ अपील करेगा इस्राइल विरोधी महमूद खलील, कोलंबिया विश्वविद्यालय में विरोध का मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। बीते साल कोलंबिया विश्वविद्यालय में इस्राइल विरोधी और फलस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले महमूद खलील को निर्वासित

करने का आदेश दे दिया गया है। अब महमूद खलील के वकील ने कहा है कि वे इस आदेश को चुनौती देंगे। संघीय अप्रवासन एजेंट्स ने बीते महीने महमूद खलील को हिरासत में लिया था। उल्लेखनीय है कि महमूद खलील अमेरिका का नागरिक है और उसकी पत्नी, जो गर्भवती है, वह भी अमेरिकी नागरिक है। हिरासत में लिए जाने के बाद महमूद खलील को कोलंबिया से हजारों मील दूर लुइसियाना के जेना में स्थित हिरासत केंद्र में रखा गया है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में यहूदी विरोध प्रदर्शन का किया था नेतृत्व खलील कोलंबिया यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय मामलों का छात्र है। बीते साल जब कोलंबिया यूनिवर्सिटी में गाजा के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए तो महमूद खलील ने ही इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक ब्लॉक पर कब्जा कर लिया था। जिसके चलते खासा हंगामा हुआ था और पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी थी। प्रदर्शन के दौरान महमूद खलील ने अपना चेहरा नहीं छिपाया और मीडिया से भी बात की, जिससे वह ट्रंप प्रशासन के निशाने पर आ गया। व्हाइट हाउस ने महमूद खलील पर आतंकियों का समर्थन करने का आरोप लगाया है। हालांकि अभी तक ये साबित नहीं हुआ है। 8 मार्च को खलील को पुलिस ने यूनिवर्सिटी परिसर से ही हिरासत में लिया था

व्हाइट हाउस में लगी ट्रंप पर हमले वाली नई पेटिंग, दूसरी दीवार पर लगाई गई ओबामा की तस्वीर

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एक नई पेंटिंग लगाई है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस वक्त दिखाया गया है, जब उन पर जुलाई 2024 में जानलेवा हमला हुआ था। इस नई पेंटिंग को लगाने के साथ ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की जो तस्वीर पहले वहां पर लगी थी, उसे हटाकर दूसरी जगह लगा दिया गया है। बराक ओबामा की तस्वीर 2022 में व्हाइट हाउस में लगाई गई थी। यह तस्वीर फोयर (मुख्य हॉल) में थी। यह तस्वीर उन सीढ़ियों के पास लगी थी, जो राष्ट्रपति के आवास तक जाती हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि ओबामा की तस्वीर अभी भी फोयर में है। लेकिन अब इसे दूसरी दीवार पर लगा दिया गया है, जहां पहले पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश की तस्वीर लगी थी। योजना है कि जॉर्ज डब्ल्यू बुश की तस्वीर को उनके पिता, पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश की तस्वीर के पास रखा जाएगा। यह तस्वीर सीढ़ियों के पास लगी है, जो राष्ट्रपति के घर तक जाती हैं। परंपरा के अनुसार, व्हाइट हाउस में दो सबसे हालिया राष्ट्रपति की तस्वीरें फोयर में लगाई जाती हैं। नई तस्वीर व्हाइट हाउस ने अपने सोशल मीडिया खाते पर पोस्ट किया। यह तस्वीर ट्रंप पर हुए हमले के बाद की है। यह हमला जुलाई में पेंसिलवेनिया के बटलर में एक रैली के दौरान हुआ था। ट्रंप के कान में चोट लगी थी और उन्होंने हाथ ऊपर उठाकर लड़ो, लड़ो, लड़ो कहा था। यह नारा ट्रंप के चुनावी अभियान में भी इस्तेमाल किया। ट्रंप की तस्वीर बिना किसी जानकारी के लगाई गई, जो आमतौर पर नहीं होता। ट्रंप की स्थिति खास है क्योंकि वह अभी के राष्ट्रपति भी हैं। ऐसा पहले 1880 और 1890 के दशक में (पूर्व राष्ट्रपति) ग्रोवर क्लीवलैंड के समय हुआ था।

ग्रीस: रेलवे कंपनी के दफ्तर के पास बम धमाका, कोई हताहत नहीं

एथेंस, एजेंसी। ग्रीस की राजधानी एथेंस में शुक्रवार को एक बम धमाका हुआ। यह धमाका देश की मुख्य रेलवे कंपनी हेलनिक ट्रेन के दफ्तर के बाहर हुआ। अच्छी बात यह रही कि इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, धमाके से कुछ देर पहले एक अखबार और एक न्यूज वेबसाइट को एक गुमनाम कॉल आई। कॉल करने वाले ने बताया कि रेलवे कंपनी के दफ्तर के बाहर एक बम रखा गया है और करीब 40 मिनट के अंदर वह फट जाएगा। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उस इलाके को चारों तरफ से घेर लिया और आसपास के लोगों, पर्यटकों और दुकानदारों को सुरक्षित जगह भेज दिया। यह इलाका एथेंस की एक व्यस्त सड़क सिंग्रू एवेन्यू पर है, जहां कई रेस्तरां और बार भी मौजूद हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक बैग में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी और उसे हेलनिक ट्रेन बिल्डिंग के पास छोड़ा गया था। यह धमाका ऐसे समय में हुआ है जब देश में रेलवे को लेकर जनता में पहले से ही आक्रोश फैला हुआ है। फरवरी 2023 में ग्रीस में एक बड़ा रेल हादसा हुआ था। मालगाड़ी और यात्री ट्रेन की टक्कर में 57 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर छात्र थे जो छुट्टियों के बाद विश्वविद्यालय लौट रहे थे। उस हादसे के दो साल पूरे होने पर लोगों का सरकार और रेलवे के खिलाफ आक्रोश फिर से भड़क उठा है।

मेलबर्न के भारतीय दूतावास में तोड़फोड़: मेन गेट पर लाल पेंट से निशान बनाए, पहले भी दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे जा चुके

कैनबेरा, एजेंसी। मेलबर्न के भारतीय वाणिज्य दूतावास में एक बार फिर तोड़फोड़ की गई है। ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार रात करीब 1:00 बजे दूतावास के मेन गेट पर लाल रंग से बनाए गए निशान दिखे। घटना के बाद कैनबरा स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस मुद्दे को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के सामने रखा। इस दूतावास में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय तनाव के दौरान पहले भी यहां की दीवारों पर भड़काऊ नारे लिखे गए थे।

पुलिस बोली- लोगों के पास जानकारी हो तो हमें दें : विक्टोरिया पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, हमें लगता है कि बुधवार और गुरुवार की रात के बीच किसी समय इमारत के मेन गेट पर किसी ने निशान बनाए हैं। इस नुकसान की जांच अभी जारी है। पुलिस ने अब तक ये नही बताया है कि किसी संदिग्ध की पहचान हुई है या नहीं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना को लेकर कोई जानकारी हो तो आगे आएं।

भारतीय उच्चायोग ने कहा- सुरक्षा के कदम उठाए : भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को ङ्म पोस्ट में लिखा, 'मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास की दीवारों पर शरारती तत्वों की तरफ से की गई अपमानजनक हरकत को ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के साथ उठाया गया है। देश में भारतीय राजनयिक और कॉन्सुलेट बिल्डिंग के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।'

ऑस्ट्रेलिया का भारतीय समुदाय बोला- ये हमें डराने की कोशिश इस घटना को लेकर भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय ने चिंता जताई है। समुदाय के लोगों ने बताया कि हिंदू मंदिरों और भारतीय सरकारी इमारतों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। एक भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने कहा, 'यह सिर्फ दीवार बनाए गए निशान नहीं हैं- यह हमारे समुदाय को डराने की एक कोशिश है।' दो साल पहले ऑस्ट्रेलिया में कई मंदिरों को निशाना बनाया गया 2023 में ऑस्ट्रेलिया के कई मंदिरों में तोड़फोड़ की घटना सामने आई थी। ब्रिसबेन में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर की दीवार को तोड़ दिया गया। साथ ही मंदिर की दीवार पर खालिस्तान के समर्थन और भारत के खिलाफ नारे लिखे गए। इससे पहले मेलबर्न के विक्टोरिया में हिंदू मंदिर पर हमला कर खालिस्तानी नारे लिखे गए थे।

ट्रंप प्रशासन की अप्रवासियों को निकालने की बेरहम योजना, 6000 जीवित लोग मृत घोषित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अप्रवासियों को लेकर सख्ती बरत रहे ट्रंप प्रशासन ने छह हजार अप्रवासियों को निर्वासित करने के लिए एक कठोर कदम उठाया है। दरअसल अमेरिकी सरकार ने इन 6000 जीवित अप्रवासियों को मृत घोषित कर उनके सामाजिक सुरक्षा नंबर रद्द कर दिए हैं। इसका असर ये होगा कि ये लोग अब न अमेरिका में काम कर सकेंगे, न ही स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। बैंक खाता खोलने में भी परेशानी होगी। दरअसल सरकार चाहती है कि परेशान होकर अप्रवासी खुद ही अमेरिका छोड़कर अपने-अपने देश लौट जाएं।

अप्रवासियों के लिए बुनियादी सुविधाओं का इस्तेमाल करना होगा असंभव : पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने सीबीपी वन एप कार्यक्रम के तहत इन अप्रवासियों को अस्थायी रूप से अमेरिका में प्रवेश करने और अमेरिका में रहकर काम करने की सुविधा दी थी। इन अप्रवासियों को सामाजिक सुरक्षा नंबर भी दिए गए ताकि ये सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रहीं सुविधाओं का भी लाभ उठा सकें। लेकिन

अब ट्रंप प्रशासन ने इन सामाजिक सुरक्षा नंबर्स को रद्द कर दिया है ताकि अप्रवासियों को बैंकों और अन्य बुनियादी सेवाओं का इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाए। ट्रंप प्रशासन का यह कदम भी अमेरिका में अप्रवासियों पर नकेल कसने की योजना का हिस्सा माना जा रहा है।

क्या है सीबीपी वन एप कार्यक्रम : बाइडन प्रशासन ने सीमा पार करके अवैध रूप से अमेरिका आने वाले अप्रवासियों को हतोत्साहित करने के लिए सीबीपी वन एप की शुरुआत की थी। इसके जरिए बाइडन प्रशासन ने अवैध अप्रवासन को कानूनी रूप देने की कोशिश की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिसंबर के अंत तक, मेक्सिको से लगती सीमा पार करने पर 936,500 लोगों को सीबीपी वन अपॉइंटमेंट के साथ प्रवेश की अनुमति दी गई थी। इसमें अप्रवासियों को बायोमीट्रिक पहचान के जरिए अमेरिका में दो साल तक रहने और काम करने की सुविधा दी गई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पदभार ग्रहण करने के पहले दिन ही सीबीपी वन एप के जरिए प्रवेश को बंद कर दिया था।

50 वर्षों में पहली बार, 6,700 से ज्यादा सिख पहुंचे पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। संस्कृति और लोककथाओं के उत्सव में बैसाखी मेला उत्सव में भाग लेने और खालसा पंथ का स्मरण करने के लिए 6,700 से अधिक सिख तीर्थयात्री गुरुवार को वाघा सीमा के माध्यम से भारत से पाकिस्तान पहुंचे। 50 वर्षों में यह पहली बार है कि पाकिस्तान सरकार ने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,751 वीज़ा जारी किए हैं। पाकिस्तान सरकार ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के विशेष अनुरोध पर 3,751 अतिरिक्त वीज़ा दिए हैं। आमतौर पर, पाकिस्तान-भारत धार्मिक प्रोटोकॉल समझौते 1974 के तहत किसी भी धार्मिक त्यौहार के लिए 3,000 सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान जाने की अनुमति है।

खालसा की 326वीं स्थापना वर्षगांठ : बैसाखी का त्यौहार सिखों के नए साल का प्रतीक है और गुरु गोविंद सिंह के नेतृत्व में खालसा पंथ (संत-योद्धाओं) के गठन की याद दिलाता है। मुख्य समारोह 14 अप्रैल को गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में आयोजित किया जाएगा। सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत पाकिस्तान के अंतरधार्मिक सद्भाव राज्य मंत्री खेल दास कोहिस्तानी, पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष और पंजाब अल्पसंख्यक मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा, ईटीपीबी सचिव फरीद इकबाल और अतिरिक्त सचिव सैफुल्लाह खोखर ने वाघा सीमा चेक पोस्ट पर किया।

सिख नेताओं ने पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया : गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नेता दलजीत सिंह सरना ने वाघा बॉर्डर पर पत्रकारों से बात करते हुए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को वीजा जारी करने के लिए पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इसने सिख समुदाय का दिल जीत लिया है। बैसाखी के त्यौहार में भाग लेने के लिए पाकिस्तान पहुंचने वालों में अमृतसर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और 11 अन्य भारतीय राज्यों के लोग शामिल थे।

सिंगापुर सरकार ने 4 भारतीयों को किया सम्मानित, जान जोखिम में डालकर बचाई थी बच्चों-वयस्कों की जिंदगी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर सरकार ने चार भारतीय प्रवासी कामगारों को आग से जलते एक शॉपहाउश से बच्चों और वयस्कों की जान बचाने के लिए सम्मानित किया है। इस हादसे में कुल 16 बच्चे और छह वयस्क फंसे हुए थे।

ये चार बहादुर भारतीय इंदरजीत सिंह, सुब्रमण्यन शरणनराज, नागराजन अंबरासन और सिवासामी विजयाराज हैं। इन सभी को सिंगापुर के श्रम मंत्रालय के एसीई (आश्वासन, देखभाल और सहभागिता) ग्रुप की ओर से फ्रेंड्स ऑफ एसीई सम्मान दिया गया, जो प्रवासी कामगारों की भलाई के लिए काम करता है।

क्या हुआ था : आठ अप्रैल की सुबह जब इन कामगारों ने पास की इमारत से बच्चों की चीखें सुनीं और धुआं निकलते देखा, तो वे तुरंत हरकत में आ गए। उन्होंने अपने निर्माण स्थल से मचान और सीढ़ी उठाई और सामने की इमारत में फंसे बच्चों को बचाने पहुंच गए। यह शॉपहाउस बच्चों के लिए कुकिंग कैंप चलाता है।

किस तरह बचाया : कामगारों ने बच्चों को खिड़की के बाहर की मुंडेर पर खड़ा किया गया। इसके बाद मानव श्रृंखला बनाकर बच्चों को एक-एक कर नीचे सुरक्षित उतारा। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना सुरक्षा उपकरण के ही उन्हें बचाया। सिर्फ 10 मिनट में उन्होंने सिंगापुर सिविल डिफेंस फोर्स (एससीडीएफ) के पहुंचने से पहले ही 10 बच्चों की जान बचा ली थी।

कामगारों ने क्या कहा : तमिलनाडु के रहने वाले सुब्रमण्यन शरणराज ने कहा, हमारे भी बच्चे हैं। अगर हमारे बच्चे फंसे होते तो क्या

हम चुपचाप देखते रहते? उनके साथी नागराजन अंबरासन ने भी कहा, जब बच्चों को तकलीफ में देखा तो हमसे सहन नहीं हुआ। हादसे में एक बच्ची की मौत दुर्भाग्यवश, आग में झुलसी एक 10 साल की ऑस्ट्रेलियाई बच्ची की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

आग कैसे लगी : आग तीन मंजिला शॉपहाउस (ग्राउंड फ्लोर पर दुकान और ऊपर मकान) के दूसरे माले पर बने एक स्टोरेज एरिया से शुरू हुई थी। जांच में पता चला कि इमारत में फायर सेफ्टी के कई नियमों का उल्लंघन किया गया था, जैसे कि बिना अनुमति के अंदर दीवारें खड़ी करना। इस शॉपहाउस की केवल पहली मंजिल ही बच्चों के उपयोग के लिए थी, जबकि ऊपर की दो मंजिले और अटारी सिर्फ आवासीय उपयोग के लिए थे।

कर्नाटक में जातिगत जनगणना आयोग ने की ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की सिफारिश

-सिद्धारमैया सरकार इस पर चर्चा करने 17 को करेगी विशेष कैबिनेट बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में जातिगत जनगणना आयोग ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण को वर्तमान 32 फीसदी से बढ़ाकर 51 फीसदी करने की सिफारिश की है। यदि यह सिफारिश मान ली जाती है, तो राज्य में कुल आरक्षण का आंकड़ा 85 फीसदी तक पहुंच जाएगा। इसमें 10 फीसदी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 24 फीसदी अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी/एसटी) के लिए पहले से आरक्षित है।

आयोग ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि हाल ही में कराए गए सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण के मुताबिक कर्नाटक की जनसंख्या में ओबीसी वर्ग की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है। इसके आधार पर आयोग ने आरक्षण को जनसंख्या के अनुपात में लागू करने की बात कही है ताकि सरकारी सुविधाओं और अवसरों का समान वितरण किया जा सके। आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि सर्वेक्षण में पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या 69.6 फीसदी पाई गई, फिर भी राज्य की आधे से भी कम आबादी को आरक्षण का लाभ मिल रहा है। यदि आबादी के आधार पर आरक्षण नहीं दिया गया तो सरकारी सुविधाएं समान रूप से वितरित नहीं होंगी।

सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 1ए श्रेणी में पिछड़े समुदायों की जनसंख्या 34,96,638, 1बी-73,92,313, 2ए- 77,78,209, 2बी-75,25,880, 3ए- 72,99,577 और 3बी श्रेणी में पिछड़े समुदाय की जनसंख्या 1,54,37,113 है। सूत्रों ने बताया कि इस तरह अन्य पिछड़ी जातियों की कुल जनसंख्या 4,16,30,153 है। सूत्रों ने दावा किया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या क्रमशः 1,09,29347 और 42,81,289 है।

बता दें कि सर्वेक्षण की शुरुआत 2015 में एच कंथराज द्वारा की गई थी और बाद में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े ने इसे पूरा किया और फरवरी 2024 में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को रिपोर्ट सौंपी।

आयोग ने सिफारिश की कि राज्य सरकार नौकरी और शिक्षा में क्षैतिज आरक्षण को भी लागू करे। इसके तहत महिलाओं, दिव्यांगजनों और अन्य विशेष वर्गों को हर आरक्षित वर्ग के अंदर अलग कोटा मिलता है। उदाहरण के तौर पर ओबीसी वर्ग में महिलाओं या दिव्यांगों के लिए अलग से आरक्षण तय किया जाएगा। यह बहुप्रतीक्षित जातिगत जनगणना रिपोर्ट फरवरी 2024 में सरकार को सौंपी गई थी, जिसे सिद्धारमैया कैबिनेट के सामने पेश किया गया। सरकार अब इस रिपोर्ट पर चर्चा के लिए 17 अप्रैल को विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित करेगी, जिसके बाद सिफारिशों को लागू करने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

यदि यह सिफारिश लागू होती है, तो कर्नाटक की राजनीति और समाज में एक बदलाव आएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि 85 फीसदी कुल आरक्षण पर संविधानिक और न्यायिक प्रतिक्रियाएं क्या होती है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पहले 50 फीसदी की सीमा तय की थी।

शाह ने किया तटकरे के घर भोजन, शिंदे-अजित के बीच तनाव कम करने का प्रयास

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र दौरे के दौरान शनिवार को एनसीपी के वरिष्ठ सांसद और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के घर पर दोपहर का लंच किया। इस मुलाकात ने प्रदेश की राजनीतिक हलचलों को एक नई दिशा दे दी है, खासकर जब बीजेपी, शिवसेना और अजित पवार की

एनसीपी के बीच अहम मंत्रालयों को लेकर खींचतान मची है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब रायगढ़ और नाशिक जिलों में संरक्षक मंत्री पद को लेकर सहयोगी दलों में तनाव बना हुआ है। इस साल की शुरुआत में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने नासिक और रायगढ़ के लिए बीजेपी के गिरीश महाजन और एनसीपी की अदिति तटकरे को संरक्षक मंत्री बना दिया था, लेकिन 24 घंटे में ही यह आदेश वापस ले लिया। शिवसेना (शिंदे) का दावा है कि रायगढ़ जिले में उसके विधायक ज्यादा हैं, इसलिए उसे वहां संरक्षक मंत्री पद मिलना चाहिए। साथ ही पार्टी नासिक के लिए भी अपने प्रतिनिधि की मांग कर रही है। दूसरी ओर एनसीपी (अजित गुट) अपने पक्ष पर कायम है, जिससे गठबंधन के भीतर शक्ति संघर्ष की स्थिति बन गई है। सुनील तटकरे के घर अमित शाह का भोजन औपचारिकता नहीं माना जा रहा है, बल्कि गठबंधन की अंदरूनी राजनीति को सुलझाने या नए समीकरण बनाने की रणनीति का हिस्सा है। ऐसे समय पर शाह की यह मुलाकात साफ संकेत देती है कि बीजेपी संभावित असंतुलन को संतुलित करने की कोशिश में जुटी है।

पटना में आंधी-तूफान से टूटे बिजली के तार उखड़े पोल, दो सौ गांवों की लाइट गुल

-आज भी मौसम विभाग ने जारी किया आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार के 24 जिलों में रविवार को आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने पटना के अलावा उत्तर और पूर्वी बिहार के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, प्रदेश के 13 जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना जताई है। शनिवार रात बेगूसराय में आंधी-तूफान में मंझौल-बखरी लाइन का टावर टूटकर गिर गया। इससे दोनों अनुमंडल के करीब 200 गांवों में बिजली गुल हो गई लोगों को अंधेरे में रात गुजानी पड़ी। अन्य जगहों पर भी बिजली के तार और पोलों को भारी नुकसान हुआ है। नालंदा में देर रात मौसम का मिजाज बदला और तेज आंधी के साथ बारिश हुई। आकाशीय बिजली के साथ ओले भी गिरे हैं। रोहतास में एक महिला की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पटना मौसम विभाग के मुताबिक प्री-मानसून सीजन में इस तरह मौसम में बदलाव होता है। ऐसा नहीं है कि ये बदलाव अचानक हुआ है। मौसम विभाग ने पहले पूर्वानुमान लगाया था कि इस तरह का मौसम अगले 4 दिनों तक देखने को मिलेगा। रविवार को कुछ जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई है। उत्तर बिहार, पूर्वी बिहार और पश्चिमी बिहार के अलग-अलग इलाकों में इसको लेकर अलर्ट जारी किया है। आकाशीय बिजली गिरने के मामले में बिहार दूसरे नंबर पर है। बिहार के अलावा दूसरे राज्यों में भी बिजली गिरती है, लेकिन यहां मौतें ज्यादा होती है।

हिंसा पूरे देश में हुई, केवल बंगाल में नहीं, इसके लिए केंद्र जिम्मेदार : मित्रा

कोलकाता (एजेंसी)। मुर्शिदाबाद हिंसा पर टीएमसी नेता मदन मित्रा ने कहा कि यह हिंसा पूरे देश में हुई, केवल बंगाल में नहीं। इस स्थिति के लिए केंद्र जिम्मेदार है। केंद्र ने वक्फ कानून को जबरन लागू किया है। देश में हुई सभी हिंसा के लिए पीएम मोदी, अमित शाह और सीएम योगी जिम्मेदार होंगे। मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन से जुड़ी झड़पों के बाद तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की ओर से घोषणा की गई कि राज्य में वक्फ संशोधन लागू नहीं किया जाएगा। सुती और शमशेरगंज जैसे इलाकों में बढ़ती अशांति के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सौमेन सेन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि जब ऐसे हालात पैदा हो जाते हैं तो अदालत अपनी आंखें नहीं मूंद सकती। अदालत ने आम लोगों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने की जरुरत पर बल दिया।

बक्सर में शराब माफियाओं का दुस्साहस, पुलिस पर की फायरिंग, दो गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार में कानून व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ताजा मामला बक्सर जिले का है, जहां शराब माफियाओं ने उत्पाद विभाग की टीम पर फायरिंग कर दी। इस हमले में पुलिस टीम बाल-बाल बच गई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया कि बिहार में अपराधी निडर हो चुके हैं। जानकारी अनुसार घटना शनिवार तड़के होना बताई गई है, जबकि उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश से नाव के जरिए शराब की बड़ी खेप राजघाट पहुंच रही है। सूचना पर जब टीम कार्रवाई के लिए पहुंची तो माफियाओं ने उन्हें देखते ही अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। शराब तस्करों ने गोलियां बरसानी शुरु कीं तो पुलिस टीम भी अपनी जान बचाने के लिए यहां-वहां भागती नजर आई। बावजूद इसके पुलिस ने घटनास्थल से दो बोरे शराब और एक मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। इस घटना की जानकारी लगते ही टाउन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूत्रों की मदद से चार आरोपियों की पहचान की गई है। अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है, बाकी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

जूते में छिपा रखा था करोड़ों का सोना, कस्टम अधिकारियों ने पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक यात्री के जूतों से करीब 6.3 करोड़ मूल्य का सोना मिला है। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि जांच में सोना बरामद होने के बाद यात्री को हिरासत में ले लिया गया है। इसके साथ ही सोना तस्करी से जुड़े एक संभावित खरीददार को भी गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआरआई के अधिकारियों को इस बात की खुफिया जानकारी मिली थी। डीआरआई के अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आ रहे एक यात्री को रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके जूतों में 6.7 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। अधिकारियों के मुताबिक इस सोने की कीमत करीब 6.3 करोड़ आंकी गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल शख्स से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही इस सोने का वह क्या करने वाला था.. क्या वह पहले भी ऐसी तस्करी कर चुका है इस बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

बीजेपी नेता कालिया के घर हथगोला फेंकने का आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब में बीजेपी नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर हुए हथगोला विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों और दिल्ली पुलिस की मदद से मुख्य आरोपी को पकड़ा गया है जो यूपी के अमरोहा का रहने वाला है। डीजीपी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि जालंधर ग्रेनेड हमला मामले में एक बड़ी सफलता हासिल मिली है।

वक्फ कानून का असर, संचालकों ने खुद ही बुलडोजर बुलाकर मदरसे पर चलवाया

-मुस्लिम समुदाय ने ही की थी शिकायत, प्रशासन ने दिया था नोटिस

पन्ना (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में वक्फ बिल पास होने के बाद अवैध मदरसे को लेकर शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद इस अवैध मदरसे को संचालकों ने खुद ही गिरा दिया। ऐसा कहा जा रहा है कि वक्फ बिल पारित होने के बाद यह इस तरह की पहली कार्रवाई है।

जानकारी के मुताबिक पन्ना जिले में एक अवैध मदरसा बना था। अवैध रूप से बने इस मदरसे की शिकायत एक मुस्लिम ने की थी। शिकायत मिलने के बाद खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने भी इस शिकायत को आगे बढ़ाया था। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने अवैध मदरसे को लेकर संचालकों को नोटिस दिया था। नोटिस मिलने के बाद संचालकों ने खुद ही बुलडोजर बुलवाया और मदरसे पर चलवा दिया। जानकारी के मुताबिक पन्ना की बीडी कॉलोनी में पिछले 30 सालों से अवैध मदरसा चल रहा था। पिछले कुछ सालों में लगातार कई नोटिस दिए गए, लेकिन मदरसा संचालकों ने इसका पालन नहीं किया। बीते दिनों वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद नोटिस भेजा गया। इसके बाद मदरसा संचालकों ने खुद ही मदरसे को ध्वस्त कर दिया।

इस मामले पर मदरसा संचालक ने दावा किया कि उसे ग्राम पंचायत से अनुमति मिली थी। संचालक ने कहा कि यह क्षेत्र नगर निगम के अंतर्गत आता है, इसलिए निर्माण को अवैध माना गया है। उन्होंने कहा कि यह मामला पिछले कई सालों से कोर्ट में चल रहा था, लेकिन बीते दिनों कानूनों में बदलाव के बाद नोटिस मिला था।

इस मामले पर वीडी शर्मा का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग उनके पास आए थे और अधिग्रहित की गई वक्फ जमीन पर अनैतिक गतिविधियों की शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम आने के साथ ही अब इस तरह के दुरपयोग को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब ऐसी संपत्तियों को चैनलाइज किया जाएगा और अलग-अलग तरह से अर्जित किए गए पैसों को अल्पसंख्यक समुदाय के विकास में खर्च किया जाएगा।

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी।

गडकरी ने पीटीआई-के साथ साक्षात्कार में कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो।

गडकरी ने कहा, ''हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।''

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।''

उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है। गडकरी ने कहा कि पूर्वी राज्यों में 3,73,484 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 784 राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी, जिनके तहत 21,355 किलोमीटर सड़क आएंगी।

उन्होंने कहा कि इनमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की परियोजनाएं शामिल हैं।

गडकरी ने बताया, ''हमारे पास फिलहाल असम में 57,696 करोड़ रुपये और बिहार में लगभग 90,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं। हम पश्चिम बंगाल में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक, झारखंड में लगभग 53,000 करोड़ रुपये और ओडिशा में लगभग 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी शुरू कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''असम को छोड़कर पूर्वोत्तर में हम इस साल ही करीब एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं।'' गडकरी ने कहा कि नागपुर में 170 करोड़ रुपये की लागत से एक 'मास रैपिड ट्रांसपोर्ट' पायलट परियोजना चल रही है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना में 135 सीटों वाली बस शामिल है जो प्रदूषण नहीं फैलाने वाले ऊर्जा स्रोतों पर चलेगी और इसके अत्यधिक लागत प्रभावी होने की उम्मीद है। अगर यह सफल रही तो इसे बनाओ-चलाओ-स्थानांतरित करो (बीओटी) मॉडल के तहत दिल्ली-जयपुर खंड सहित देशभर के महत्वपूर्ण मार्गों पर दोहराया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो मार्च, 2014 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर वर्तमान में 1,46,204 किलोमीटर हो गया है। इसके अलावा मानदंडों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि दो लेन से नीचे के राष्ट्रीय राजमार्गों का अनुपात तेजी से कम हुआ है। कुल नेटवर्क में यह 30 प्रतिशत से घटकर सिर्फ नौ प्रतिशत रह गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, एनएचएआई ने 5,614 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया, जो इसके 5,150 किलोमीटर के लक्ष्य से अधिक है।

अगर उस समय कार्रवाई होती, तो शायद आज राणा जिंदा नहीं होता : फली मेजर

नई दिल्ली। मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया गया है। इस पर भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल फली एच. मेजर ने उम्मीद जताई है कि राणा की गिरफ्तारी से हमले से जुड़े कई गहरे राज सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित करवाना एक बड़ी उपलब्धि है। उससे पूछताछ में हमलों से जुड़े कई अज्ञात और चौंकाने वाले तथ्य सामने आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने 26/11 हमलों के बाद की स्थिति को याद करते हुए कहा कि वायुसेना को हमले के कुछ ही दिनों बाद पीएमओ बुलाया गया था, जहां तीनों सेनाओं के प्रमुखों से चर्चा की गई थी। फली ने कहा कि हमसे पूछा गया था कि हम क्या जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। हमने कहा कि हम 18 से 24 घंटे के अंदर सटीक हवाई हमला करने पूरी तरह तैयार हैं। हमने सभी तैयारियां की थीं, लेकिन आगे कोई निर्णय नहीं लिया गया। हमारी जिम्मेदारी वहीं खत्म हो गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उस समय निर्णायक कार्रवाई होती, तो शायद आज राणा का नाम इतिहास में नहीं होता। उन्होंने कहा कि अफसोस है कि बहुत देर हो गई।

11 मई से 30 जून तक रहेगा समर वेकेशन, 50 दिन तक बच्चे करें मौज

-शिक्षा निदेशालय ने जारी किया शैक्षणिक सत्र 2025-26 का अकेडमिक कैलेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अकेडमिक कैलेंडर जारी किया है। इस कैलेंडर में समर वेकेशन, विंटर वेकेशन समेत अन्य छुट्टियों की डिटेल साझा की गई है। इसके साथ ही दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने इस सत्र में होने वाले एडमिशन की तारीख की जानकारी भी साझा की है। अभिभावक और बच्चे पूरे साल का अकेडमिक कैलेंडर चेक कर सकते हैं।

छात्रों को गर्मियों की छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार होता है। इसमें वे घूमने, मौज मस्ती के साथ ही अन्य चीजों को एक्सप्लोर करते हैं। स्टूडेंट्स और उनके माता-पिता को बता दें कि दिल्ली के सभी सरकारी स्कूल और निजी स्कूलों में समर वेकेशन 11 मई से शुरू होकर 30 जून 2025 तक रहेगा। इस प्रकार से 50 दिनों तक छात्र गर्मियों की छुट्टियों में खूब मौज मस्ती कर सकेंगे। छात्रों के अतिरिक्त शिक्षकों को स्कूलों में 28 जून को रिपोर्ट करना होगा।

छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश 11 मई से 30 जून तक, वहीं शिक्षकों को 28 जून 2025 तक स्कूलों में रिपोर्ट करना होगा। वहीं 8 मई 2025 को 5वीं, 7वीं, 9वीं, 11वीं कंपार्टमेंट रिजल्ट जारी होगा। 15 सितंबर से 10 अक्टूबर तक मिड टर्म एग्जाम होंगे। 19 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक शरद ऋतु की छुट्टियां रहेंगी। 1 जनवरी से 15 जनवरी 2025 तक विंटर वेकेशन रहेगा और नया सत्र 1 अप्रैल से स्टार्ट होगा।

दिल्ली शिक्षा निदेशालय की ओर से दी गई डिटेल के मुताबिक इस साल नया सत्र 1 अप्रैल 2025 से शुरु हो गया। गर्मी, लू बढ़ने या अन्य दिक्कतों के लिए बाद में फैसला लिया जाएगा। इस बार दिल्ली के स्कूल में तीन चरणों में प्रवेश होंगे। तीनों ही चरणों के लिए अलग अलग आवेदन लिए जाएंगे। नए नियम के मुताबक दिल्ली के स्कूलों में कक्षा 6वीं से 8वीं तक पूरे साल ही एडमिशन लिए जाएंगे। इस साल कक्षा 6ठी से 9वीं तक के प्लांड एडमिशन 1 अप्रैल से 30 जून तक लिए जाएंगे। अन्य व विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी दिल्ली शिक्षा निदेशालय की ऑफिशियल वेबसाइट देख सकते हैं।

बीजेपी-एआईएडीएमके फिर आए साथ, राज्यसभा में बढ़ गई एनडीए की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने राज्यसभा में बिना मनोनित सदस्यों के ही बहुमत तय कर लिया है और यह बड़ा बदलाव एक दिन पहले एआईएडीएमके के एनडीए के साथ आने से हुआ। बीजेपी और एआईएडीएमके के इस गठबंधन से राज्यसभा के गणित में बड़ा बदलाव आया है। एआईएडीएमके के चार सांसदों के समर्थन से एनडीए की ताकत और बढ़ गई है, जबकि विपक्ष की स्थिति कमजोर है। रोचक यह है कि जब बीजेपी शासित सरकार ने राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश किया था, तब एआईएडीएमके ने इस विधेयक के विरोध में वोट किया था।

बता दें राज्यसभा में कुल 236 सदस्य हैं, जिनमें नौ सीटें खाली हैं। एनडीए के पास 119 सदस्य हैं, जिसमें हरियाणा के निर्दलीय सांसद कार्तिकेय शर्मा का भी समर्थन मिला हुआ है। अब एआईडीएमके के चार सांसदों के समर्थन के साथ, बीजेपी नेतृत्व वाले गठबंधन की संख्या बढ़कर 123 हो जाएगी। ऐसे में, जब सदन अपनी पूर्ण सदस्यता यानी 245 तक पहुंचेगा, तब भी एनडीए के पास बहुमत रहेगा।

इसके अलावा एनडीए को छह नामांकित सदस्य का भी समर्थन मिला हुआ है, जिससे प्रभावी सदस्यता 125 हो जाती है। सभी छह नामांकित सदस्य बीजेपी द्वारा नियुक्त किए गए हैं और सामान्यत-नामांकित सदस्य उस पार्टी के पक्ष में मतदान करते हैं जो उन्हें सदन में भेजती है। एआईएडीएमके के आने से राज्यसभा में बदलाव एआईएडीएमके के सांसदों के शामिल होने से एनडीए की प्रभावी सदस्यता बढ़कर 129 हो जाएगी। वहीं, सरकार द्वारा खाली सीटों को भरने के बाद यह संख्या 134 या उससे ज्यादा हो सकती है। राज्यसभा में नौ खाली सीटों में से चार नामांकित सदस्य के लिए होंगी, जिनकी नियुक्ति केंद्र सरकार करेगी, चार जम्मू-कश्मीर से और एक आंध्र प्रदेश से, जहां एनडीए सहयोगी टीडीपी की सरकार है।

बता दें बीजेपी के पास राज्यसभा में 98 सदस्य हैं, जिसमें दो नामांकित सदस्य शामिल हैं। अन्य एनडीए सहयोगियों में जेडीयू के 4, एनसीपी के 3, टीडीपी के 2, और शिवसेना, एजीपी, पीएमके, आरएलडी, आरएलएम, तमिल मानीला कांग्रेस (मूपनार), एनपीपी, जेडीएस, आरपीआई (अठवाले), यूपीपीएल और एमएनएफ के एक-एक सदस्य हैं।

भाजपा ने किया 'जय भीम पदयात्रा' का आयोजन, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया रहे मौजूद

पटना (एजेंसी)। भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के मौके पर भाजपा ने पटना के गांधी मैदान से हाई कोर्ट तक पदयात्रा का आयोजन किया। इसमें भाग लेने केंद्रीय श्रम, रोजगार एवं युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया पटना पहुंचे थे। उन्होंने रविवार को 'जय भीम पदयात्रा' में हिस्सा लिया। इस पदयात्रा का उद्देश्य डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों, मूल्यों और शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। इस आयोजन की अगुवाई बिहार खेल मंत्रालय ने की और इसे मेरा भारत युवा साथियों के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पदयात्रा की अगुवाई करते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देशभर में 5,000 से अधिक स्थानों पर बाबासाहेब की जयंती पर पदयात्राएं आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य डॉ. आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां बाबासाहेब की प्रतिमा स्थापित है, वहां माल्यार्पण के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। उन्होंने युवाओं से देश की बागडोर संभालने का आह्वान करते हुए कहा कि देश का युवा ही देश का भविष्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 में विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प लिया था, वह सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि एक दिशा है, एक मार्ग है, जिस पर आज का भारत आगे बढ़ रहा है।÷ मांडविया ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1985 में 21वीं सदी का सपना दिखाया था, लेकिन उस सपने की ओर बढ़ने का रास्ता स्पष्ट नहीं किया गया था। इसके उलट प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प भी लिया और रास्ता भी दिखाया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि युवाओं द्वारा लिए गए संकल्प का प्रतीक है विकसित भारत का निर्माण। हमें डॉ. आंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेनी है, उनके बनाए संविधान से दिशा लेनी है और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ना है। मांडविया ने यह भी कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमाओं की सफाई करना केवल बाह्य स्वच्छता नहीं, बल्कि यह हमारे भीतर की स्वच्छता, सरकारी शुद्धता और सुशासन की दिशा में एक कदम है। उन्होंने सभी युवाओं से आग्रह किया कि वे मिलकर नए भारत के निर्माता बनें और डॉ. आंबेडकर के सपनों को साकार करें। पदयात्रा में शामिल होने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, मंत्री नितिन नवीन, भाजपा विधान पार्षद संजय मयूख, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, मंत्री सुरेंद्र महतो, मंत्री मोतीलाल प्रसाद समेत कई अन्य नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।